राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

नवरात्रि 2024 : शक्ति उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्रि

वर्ष : 12 | अंक : 173 | पटना, शुक्रवार, 04 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

नवरात्रि : दूसरा दिन

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

पटना। नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा के देवी ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा करने का विधान है। माता के नाम से उनकी शक्तियों के बारे में जानकारी मिलती है। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करने वाली अर्थात तप का आचरण करने वाली ब्रह्मचारिणी को हमन बार बार नमन करते हैं। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा अराधना करने से आत्मविश्वास, आयु, आरोग्य, सौभाग्य, अभय आदि की प्राप्ति होती है। माता ब्रह्मचारिणी को ब्राह्मी भी कहा जाता है। मां भगवती की इस शक्ति की पूजा अर्चना करने से मनुष्य कभी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होता और सही मार्ग पर चलता है।

दधाना कपाभ्यामक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा। नवदुगाओं में दूसरी दुर्गा का नाम ब्रह्मचारिणी है। इनकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन की जाती है। ब्रह्मचारिणी इस लोक के समस्त चर और अचर जगत की विद्याओं की ज्ञाता हैं। इनका स्वरूप श्वेत वस्त्र में लिप्टी हुई कन्या के रूप में है, जिनके एक हाथ में अष्टदल की माला और दूसरे हाथ में कमंडल है। यह अक्षयमाला और कमंडल धारिणी ब्रह्मचारिणी नामक दुर्गा शास्त्रों के ज्ञान और निगमागम तंत्र-मंत्र आदि से संयुक्त है। अपने भक्तों को यह अपनी सर्वज्ञ संपन्न विद्या देकर विजयी बनाती है। ब्रह्मचारिणी का स्वरूप बहुत ही सादा और भव्य है। अन्य देवियों की तुलना में वह अतिसौम्य, क्रोध रहित और तुरंत वरदान देने वाली देवी है।

कलश स्थापना के साथ शक्ति उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्र प्रारंभ

पहले दिन की गई भगवती के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा

पटना। बिहार में शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की उपासना का त्योहार शारदीय नवरात्र गुरूवार से शुरू हो गया। शुभ मुहुर्त में विधि विधान से नवरात्र आराधना को लेकर कलश की स्थापना कर पूजा शुरू की गई। इसके साथ ही मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना का नौ दिवसीय अनुष्ठान गुरूवार से शुरू हो गया। घरों और मंदिरों में पूजा-पाठ एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू हो गया। नवरात्र के पहले दिन भगवती के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की गई। नवरात्र के पहले दिन ही मां शैलपुत्री की आराधना में लोग सुबह से ही लीन रहे। मंदिरों तथा घरों में कलश स्थापना के साथ देवी दुर्गा की आराधना शुरू हो गई। श्रद्धालु अपने सामर्थ्य के अनुसार देवी की भक्ति में सराबोर हो गये। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, कलश स्थापना, वेद पाठ, आरती मंगल जारी है। घरों में भी घट स्थापना, दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा का पाठ, वैदिक मंत्रो का जाप,घंटी, शंख, आरती, स्तुति की जा रही है। आचार्य राकेश झा ने बताया कि भगवती दुर्गा की उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्र आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से शुरू हुआ है। नवरात्र के पहले दिन अभिजीत मुहूर्त एवं अन्य शुभ मुहूर्तों में कलश स्थापना के साथ देवी माता की आराधना आरंभ हो गया। श्रद्धालु कीर्तन, भजन, स्तुति आदि से भगवती माता को प्रसन्न करेंगे। विशेष कामना से विशेष मंत्र और विधि द्वारा जगत जननी की पूजा भी होगी। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन में वेदोक्त मंत्रोच्चार करते हुए कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। कलश पूजन से सुख- समृद्धि, धन, वैभव, ऐश्वर्य, शांति, पारिवारिक उन्नति तथा रोग-शोक का नाश होता है। इस बार चतुर्थी तिथि की वृद्धि और अष्टमी-नवमी एक दिन होने से पूरे दस दिन तक माता की आराधना होगी। जगत जननी की कृपा एवं सर्वसिद्धि की कामना से उपासक फलाहार या सात्विक अन्न ग्रहण करते हुए दुर्गा सप्तशती के 13 अध्याय के कुल 700 श्लोको का सविधि पाठ करेंगे। श्री झा ने बताया, मंदिर, घर एवं पंडालों में देवी मां को प्रसन्न करने के लिए माता के उपासक कई प्रकार के पूजा पद्धतियों का अनुसरण करते है। विभिन्न पूजा पद्धतियों में पूजा का विधान, भोग तथा आरती में विविधता होती है। वैदिक रीति में कलश पर नारियल तो शाक्त विधि में कलश पर दीपक रखकर मां बगलामुखी, काली और भैरव की पूजा होती है। दुर्गा सप्तशती के अनुसार शारदीय नवरात्रि को देवी भगवती ने अपनी वार्षिक पूजा कहा है। मां भगवती के नौ स्वरूप प्रकृति, जगतोद्धार, रोगहरण और श्रीवृद्धि के कारक है। नवरात्र व्रत-पूजा में कलश स्थापन का विशेष महत्व है। कलश में ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र, नवग्रहों, सभी नदियों, सागरों-सरोवरों, सातों द्वीपों, षोडश मातृकाओं, चौसठ योगिनियों सहित सभी तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। धर्मशास्त्र में अनुसार नवरात्र में कलश की पूजा करने से सुख-समृद्धि, धन, वैभव, ऐश्वर्य, शांति, पारिवारिक उन्नति तथा रोग-शोक का नाश होता है। आचार्य झा ने बताया कि कलश स्थापना आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को अभिजीत मुहूर्त के करना श्रेयस्कर होगा। नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना होती है। पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कुष्मांडा, पांचवें दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां महागौरी और नौवें और अंतिम दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के कृष्णा घाट सम्पर्कता एवं गायघाट में अप रैम्प सम्पर्कता का किया लोकार्पण

अशोक राजपथ पर लगने वाले जाम में आयेगी कमी

- अशोक राजपथ से गंगापथ जाने में होगी सहूलियत

प्रात : किरण

जे पी गंगा पथ के कृष्णा घाट सम्पर्कता का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को आशोक राजपथ के पास कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के कृष्णा घाट सम्पर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया तथा गायघाट में आयोजित कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के गायघाट अप रैम्प सम्पर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया। इससे अशोक राजपथ पर लगनेवाले जाम में कमी आयेगी। गाड़ियां अब कृष्णा घाट लिंक पथ से जेपी गंगा पथ का उपयोग कर सकेंगी साथ ही गायघाट में भी अप रैंप बनने से लोगों को जेपी गंगा पथ पर आवागमन में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ से लौटने के क्रम में गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के घटते जलस्तर का जायजा लिया।

87 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के भवन निर्माण हेतु 408.75 करोड़ रुपए की योजनाओं का किया शिलान्यास

पटना सिटी में नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन का किया उद्घाटन :

मुख्यमंत्री ने पटना सिटी में नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-2 के अन्तर्गत कुल 87 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के अन्तर्गत भवन निर्माण हेतु 408.75 करोड़ रुपए की योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन का उद्घाटन करने के पश्चात प्रशासनिक भवन, मेकेनिकल वर्कशॉप, टेक्निकल वर्कशॉप में जाकर वहां की कार्य पद्धतियों एवं व्यवस्थाओं की शिक्षकों एवं छात्रों से जानकारी ली।

ये रहें मौजूद:

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री श्री जयंत राज, विधान पार्षद रविन्द्र प्रसाद सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बृजबिहारी हत्याकांड : मुन्ना शुक्ला समेत दो को आजीवन कारावास

बिहार के पूर्व मंत्री की हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

- पीठ ने 15 दिन के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा
- पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह अन्य आरोपी बरी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरूवार को बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने सभी आरोपियों को बरी करने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया और दोषी मंटू तिवारी और पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिन के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी करने के उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि तिवारी और विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत आरोप साबित हुए हैं । साथ ही पीठ ने उन्हें 15 दिन के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। उच्च न्यायालय ने 24 जुलाई 2014 को कहा था कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों पर गौर करने के बाद सूरजभान सिंह उर्फ सूरज सिंह, मुकेश सिंह, लल्लन सिंह, मंटू तिवारी, कैप्टन सुनील सिंह, राम निरंजन चौधरी, शशि कुमार राय, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। इसने अधीनस्थ अदालत के 12 अगस्त 2009 के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था और सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सांसद एवं बृज बिहार प्रसाद की पत्नी रमा देवी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी करने के उच्च न्यायालय के 2014 के आदेश को चुनौती दी थी।

संक्षिप्त खबरें

एनएमसीएच में डेंगू पीड़ित मरीज की मौत, 17 भर्ती

पटना सिटी (प्राकि)। एनएमसीएच के मेडिसिन विभाग में भर्ती अथमगोला निवासी 60 वर्षीय डेंगू पीड़ित मरीज की मौत इलाज के दौरान हो गई। अब तक यहां डेंगू के चार मरीज की मौत इलाज के दौरान हो चुकी है। अधीक्षक डॉप्रो बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि गंभीर स्थिति में मरीज को भर्ती किया गया था। विभागाध्यक्ष डॉ अजय कुमार सिन्हा व नोडल चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि 27 सितंबर को गंभीर स्थिति में भर्ती मरीज की मौत हुई है। डेंगू के 17 मरीज भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मेडिसिन विभाग में 13 और शिशु रोग विभाग में चार मरीज भर्ती हैं।

वृषिण पटेल को बड़ी राहत, नाबालिग से रेप मामले में बेल

पटना। नाबालिग लड़की से रेप के मामले में फजीहत झेल रहे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को पटना हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुजफ्फरपुर की रहने वाली नाबालिग लड़की ने पूर्व मंत्री पर दो साल तक रेप करने का आरोप लगाया है। इस मामले में वृषिण पटेल को अभियुक्त बनाया गया है। पूर्व मंत्री की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने वृषिण पटेल को अग्रिम जमानत दे दी है। दरअसल, साल 2023 में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो अदालत में नाबालिग लड़की ने कम्प्लेन दायर किया था। जिसमें पूर्व मंत्री के खिलाफ पटना ले जाकर रेप और शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया गया था। पीड़िता का आरोप ता कि वृषिण पटेल लगातार दो वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण करते रहे थे। लड़की की शिकायत पर विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की थी। मुजफ्फरपुर की कोर्ट ने पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट भी जारी किया था। जिसके बाद पूर्व मंत्री ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अग्रिम जमानत देने की गुहार लगाई थी। गुरुवार को पटना हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश वर्मा ने सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को अग्रिम जमानत दे दी।

पराली जलाने पर अंकुश लगाने में सीएक्यूएम विफल: सुप्रीम कोर्ट

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग विफल रहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक बार फिर सख्त टिप्पणियां कीं। पीठ ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करके सीएक्यूएम द्वारा जारी निदेर्शों के कार्यान्वयन का खुलासा करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा, हर साल सर्दियों में पड़ोसी राज्यों हरियाणा और पंजाब में पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर में गंभीर वायु प्रदूषण होता है। यह राष्ट्रीय राजधानी में खराब वायु गुणवत्ता के प्रमुख कारणों में से एक है, लेकिन वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल रहा है। पीठ वायु प्रदूषण से संबंधित मामले को उठाते हुए कहा, जाहिर है, आयोग ने अपने आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं के खिलाफ एक भी मुकदमा तक नहीं किया। पीठ ने कहा कि आयोग ने इस मुद्दे पर 29 अगस्त को ही बैठक की थी। अदालत ने यह भी कहा कि बैठक में 11 में से केवल पांच सदस्य ही मौजूद थे, जहां उसके निदेर्शों के क्रियान्वयन पर चर्चा तक नहीं हुई। पीठ ने कहा, हर कोई जानता है कि चर्चा के अलावा कुछ नहीं हो रहा है। यही इसकी कठोर सच्चाई है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत असाधारण अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करके वायु प्रदूषण के क्षेत्र के कुछ विशेषज्ञों को अतिरिक्त सदस्य के रूप में नियुक्त कर सकती है। पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने में शामिल पाए गए किसानों से नाममात्र का मुआवजा लेने के लिए भी फटकार लगाई। गौरतलब है कि अदालत ने पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए पिछले सप्ताह सीएक्यूएम से कहा था।

तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थाओं को मिले बम की धमकी के ईमेल

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में गुरुवार को दो निजी स्वायत्त कॉलेज और आठ स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम धमकी मिली। पुलिस ने कहा कि 180 वर्ष पुराने सेंट जोसेफ कॉलेज (स्वायत्त), होली क्रॉस कॉलेज (स्वायत्त), इसके अलावा कैंपियन एंग्लो-इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल, समाध हायर सेकेंडरी स्कूल, मोंटफोर्ट स्कूल, आचार्य शिक्षा मंदिर स्कूल), राजम कृष्णमूर्ति पब्लिक स्कूल और अमृता विद्यालयम स्कूल समेत शहर और जिले के आठ स्कूलों को आज सुबह एक ईमेल मिला जिसमें धमकी दी गई कि संस्थानों में कभी भी बम विस्फोट हो सकता है। सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, तमिलनाडु बम जांच एवं निपटान दस्ता (बीडीडीएस) और तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के कर्मियों के साथ, अलग-अलग टीम बनाकर संस्थानों के परिसर की गहन जांच की। खोजी कुत्तों को भी सेवा में लगाया गया। फिलहाल कोई विस्फोटक नहीं मिला है, लेकिन तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बम की धमकी को अफवाह होने का संदेह जताया। ईमेल भेजने वाले का नाम हालांकि,स्वेता बालाकृष्णन बताया गया है, लेकिन साइबर क्राइम विंग पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि असली भेजने वाला कौन है और यह भी पता लगाया जा सके कि ईमेल शैक्षिक संस्थानों को किस इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस से भेजा गया है। पिछले कुछ हफ्तों में तमिलनाडु के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की यह तीसरी धमकी है।

संबोधन राष्ट्रपति ने मोहनलाल सुखाड़िया विवि के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य : मुर्मू

- कहा- लक्ष्य हासिल करने में मौजूदा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण

प्रात : किरण

जयपुर /एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पाने में वर्तमान पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का रास्ता अपनाते हैं, लेकिन सभी के हितों को प्राथमिकता देने से छात्रों की प्रतिभा निखरेगी। राष्ट्रपति उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का सबसे अच्छा माध्यम है। उन्होंने कहा, हमने वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। आपकी पीढ़ी के योगदान के बल पर ही यह राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त करना संभव होगा। मैं आशा करती हूं कि आप राष्ट्र निर्माण में यथाशक्ति का सर्वाधिक योगदान देंगे। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि आप अपने आचरण और कार्यों से अपने परिवार, समाज तथा देश का गौरव बढ़ाएंगे। इसी से आपकी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध होती है। बाबा साहेब आंबेडकर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बाबा साहेब का मानना था कि चरित्र, शिक्षा से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह मानते थे कि ऐसा शिक्षित व्यक्ति जिसमें चरित्र और विनम्रता न हो वह हिंसक जीव से भी ज्यादा खतरनाक होता है। उसकी शिक्षा से यदि गरीबों को हानि हो वह व्यक्ति समाज के लिए अभिशाप हो सकता है। उन्होंने कहा, मेरा आप सभी से ये कहना है कि आप जहां भी हों, कोई ऐसा कार्य न करें जिससे आपके चरित्र पर लांछन आये। मुर्मू ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में जब विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं ऐसे में विद्यार्थियों की विद्यार्थी की भावना को सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा,आपको व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों का समन्वय बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। संवेदना एक प्राकृतिक गुण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का मार्ग पकड़ लेते हैं लेकिन सबके हित को प्राथमिकता देने की विचारधारा आपकी प्रतिभा और अधिक निखारेगी।

हरियाणा के लोग भाजपा को फिर देने वाले हैं आशीर्वाद: पीएम

प्रधानमंत्री अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर किया पोस्ट

प्रात : किरण

चंडीगढ़ /एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को प्रचार थम जाएगा। अब सूबे की जनता को पांच अक्टूबर का इंतजार है। जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि कि कुछ ही देर में हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थम जाएगा। इसके बाद प्रदेश में कई तरह के नियम लागू किए जाएंगे। इसका पालन करने के लिए हम सभी बाध्य होंगे। अगर किसी ने भी इन नियमों का उल्लंघन किया, तो उस पर कानून की गाज गिरनी तय है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा, अब से कुछ देर में हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान समाप्त हो जाएगा। बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों में जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा, हरियाणा की जनता-जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई-भतीजावाद की गारंटी है। बापू-बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। कांग्रेस यानी दलाल और दामाद का सिंडिकेट। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां, लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया, भारत की ओर आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे।

संक्षिप्त खबरें

दानापुर और आरा के मध्य एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू

हाजीपुर। अगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु दानापुर और आरा के मध्य दिनांक 03.10.2024 से 01.01.2025 तक एक जोड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 03303/03304 का परिचालन किया जायेगा । इस स्पेशल का परिचालन गाड़ी सं. 13225/13226 जयनगर-दानापुर-जयनगर एक्सप्रेस के रेक द्वारा किया जायेगा अर्थात इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी का 01 कोच, एसी चेयरकार का 01 कोच, चेयरकार का 03 कोच, साधारण श्रेणी के 11 कोच तथा एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 18 कोच होंगे । गाड़ी सं. 03303 दानापुर-आरा एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 03.10.2024 से 31.12.2024 तक प्रतिदिन दानापुर से 18.45 बजे खुलकर 18.58 बजे बिहटा, 19.11 बजे कुलहड़िया रूकते हुए 19.40 बजे आरा पहुंचेगी । गाड़ी सं. 03304 आरा-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल 04.10.2024 से 01.01.2025 तक प्रतिदिन आरा से 05.40 बजे खुलकर 05.50 बजे कुलहड़िया एवं 06.03 बजे बिहटा रूकते हुए 06.50 बजे दानापुर पहुंचेगी ।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। मालसलामी थाना की पुलिस ने वहां चांस के दौरान चोरी के वहां के साथ एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। यह संबंध में थाना अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि वाहन जांच के दौरान मालसलामी थाना अंतर्गत संग्रामचक भमारी के पास से ब्लू रंग की यमाहा आर15एम, जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर बाआर01एफके 9649 लिखा था, के साथ बाइक चोर को पकड़ा गया। पकड़ा गया अपराधी बजरंगी कुमार (करीब 25 वर्ष) पिता भरत प्रसाद, बड़ी नगला का रहने वाला है। गिरफ्तार बाइक चोर अपराधी के द्वारा बताया गया कि उक्त मोटरसाइकिल रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के जगनपुरा से चोरी किया गया है। गिरफ्तार बाइक चोर अपराधी बजरंगी कुमार का आपराधिक इतिहास है। यह बाइपास थाना से हत्या, पत्रकारनगर थाना से लूट कांड और अगमकुआं थाना क्षेत्र से आर्म्स एक्ट में में जेल जा चुका है।

चलती ट्रेन से गिरने से एक युवती की मौत

दानापुर खगौल। जीआरपी ने बृहस्पतिवार को दानापुर गांधी हॉट पॉल संख्या 561/ 31 561/ 32 के बीच रेल ट्रैक से एक 17 वर्षीय अनिता कुमारी ग्राम प्लस पोस्ट कराई थाना नौबतपुर जिला पटना निवासी अनिल उर्फ गुड्डू कुमार के पुत्री के रूप में हुई है। वहीं सूचना पर जीआरपी कार्यालय पहुंची मृतका की पिता अनिल कुमार उर्फ गुड्डू कुमार ने आवेदन दिया किसी चलती ट्रेन से गिरकर काटने के कारण उनकी पुत्री का मौत हुआ है जीआरपी थाना अध्यक्ष ने बताएं की पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया

पालीगंज में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू

पालीगंज अनुमंडल में एंव ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू हो गया।प्रथम दिन भक्तों नें मां शैल पुत्री की पूजा -अर्चना किया। पालीगंज के देवी मंदिर स्थित श्री बड़ी देवी जी , शिव मंदिर चंनठौस मोड़ सहित विभिन्न पूजा स्थलों ,मंदिरों एंव घरों कलश -स्थापना की गयी। वही बजारों में नवरात्र को लेकर काफी चहल -पहल देखी गयी।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू

फतुहा। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू हो गया। प्रथम दिन भक्तों नें मां शैल पुत्री की पूजा-अर्चना किया। फतुहा के बांकीपुर गोरख गंज पर स्थित श्री बड़ी देवी जी, गोविंदपुर, सम्मसपुर, महारानी चौक, श्री श्री महाकाली पूजा समिति शीशामील, रायपुरा सहित विभिन्न पूजा स्थलों, मंदिरों एवं घरों कलश-स्थापना की गयी। वहीं बाजारों में नवरात्र को लेकर काफी चहल -पहल देखी गयी। स्थानीय पुलिस प्रशासन चौक-चौराहों पर मुस्तैद देखी गयी।

पिंकू बिस्वास को दुबई में इंडो अरब लीडर्स समिट में मिला अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। दुबई, संयुक्त अरब अमीरात - एशिया और मध्य पूर्व के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, आयाना सिनेमैटिक्स के संस्थापक पिंकू बिस्वास को दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती एनिमेशन और फिल्म निर्माण कंपनी के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित प्रतिष्ठित इंडो अरब लीडर्स समिट में प्रस्तुत किया गया, जिसमें आयाना सिनेमैटिक्स की तेजी से बढ़ती सफलता और वैश्विक मीडिया और मनोरंजन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई। आयाना सिनेमैटिक्स, जो अपनी नवीनता और उच्च गुणवत्ता वाली प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में एक प्रमुख शक्ति बन चुकी है। बिस्वास के नेतृत्व में, कंपनी न केवल दक्षिण एशिया में अपना विस्तार कर रही है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय प्रोडक्शन कंपनियों के साथ कई सह-उत्पादन परियोजनाओं पर भी काम कर रही है, जिससे उसकी वैश्विक उपस्थिति और मजबूत हो रही है। अपने स्वीकृति भाषण में, बिस्वास ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, ऐसे प्रतिष्ठित एशिया और मध्य पूर्व के नेताओं की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्राप्त करना अविश्वसनीय सम्मान की बात है। यह मान्यता आयाना सिनेमैटिक्स की हमारी टीम की कड़ी मेहनत और रचनात्मकता का प्रमाण है। हम फिल्म और एनिमेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के बारे में उत्साहित हैं जो हमारी कहानी कहने की क्षमता को नए स्तरों तक ले जाएंगी। इस शिखर सम्मेलन ने विभिन्न उद्योगों के प्रभावशाली नेताओं को एकत्रित किया और दक्षिण एशियाई कंपनियों, जैसे कि आयाना सिनेमैटिक्स, के वैश्विक मनोरंजन क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। रचनात्मकता, गुणवत्ता और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कंपनी दक्षिण एशिया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनिमेशन और फिल्म निर्माण में अग्रणी बनी हुई है। जैसे-जैसे आयाना सिनेमैटिक्स अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ नई सह-उत्पादन परियोजनाओं की शुरूआत कर रही है, कंपनी का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है, जो सिनेमा और एनिमेशन की दुनिया पर एक स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

पत्नी के साथ मारपीट व गोलीबारी करने वाला पति गिरफ्तार, जेल

एक देसी पिस्तौल व दो खोखा जब्त

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

खाजेकलां थाना की पुलिस ने पत्नी के साथ मारपीट करने और उसे जान से मारने की नीयत से हवाई फायरिंग कर डराने के मामले में पति को गिरफ्तार किया है। पटना सिटी के शहरी क्षेत्र में दशहरा के पहले दिन ही नारी शक्ति पर हुई यह दूसरी घटना है। एक तरफ लोग नारी शक्ति की पूजा और आराधना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उसे जान से मारने और मारपीट कर प्रताड़ित करने का भी प्रयास कर रहे हैं।इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रभात रंजन सक्सेना ने बताया कि जग्गी का चौराहा की रहने वाली अरविंद प्रताप की पत्नी प्रकृति रानी ने सूचना दिया कि उसके पति उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। साथ ही गंदी-गंदी गालियां भी दे रहे हैं। वह पिस्टल से फायरिंग करते हुए उसे जान से मारना चाहते हैं। सूचना मिलने के सा ही त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के घर पर पुलिस बल को भेजा गया। वहां जाने के बाद पुलिस ने प्रकृति रानी को पहले कब्जे में लिया। उसके द्वारा बताए जाने पर उसके पति अरविंद प्रताप को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक देसी पिस्तौल और दो खोखा भी बरामद किया गया है। पत्नी के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। साथ ही पति से पूछताछ की गई है। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पत्नी काफी भयभीत दिख रही थी। उसका कहना था कि आए दिन उसके साथ मारपीट और गाली गलौज किया जाता रहा है। अब तो उसके साथ हद कर दिया गया और उसे जान से मारने की कोशिश की गई।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बिक्रमवासियों की सेवा करने का लिया संकल्प

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम : प्रखंड क्षेत्र के सेलगढ़ निवासी समाजसेवी ई बल्ली यादव ने महात्मा गांधी की 155वीं जयंती नगर बाजार स्थित गांधी आश्रम जाकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कियो माल्यार्पण के बाद उन्होंने गांधी के विचारों को रखते हुए कहा कि गांधी जी का नारा था अहिंसा परमो धर्म अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है। यदि हम पूरा नहीं कर सकते तो हमें इसकी भावना को अवश्य समझनी चाहिए। देश की आजादी के लिए महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ कई आंदोलन किए। समाजसेवी बल्ली यादव ने कहा कि गांधी जी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो व करो या मरो का नारा दिया था, हमें भी अब बिक्रम के लोगों के विकास लिए इसी नारा को चरितार्थ करते हुए इस ऐतिहासिक भूमि के सेवा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मैं गांधी जयंती के इस पावन अवसर पर बिक्रम वासियों के सेवा तथा इस धरती के विकास के लिए निस्पक्ष रूप से आगे बढ़कर आवाजों को बुलन्द करने का संकल्प लेता हूं। उन्होंने कहा कि हमने भी आगामी चुनाव में जनता से आशीर्वाद लेकर बिक्रम का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया है, बिक्रम के कई मुद्दों को लेकर मैं समाज के लोगों में जाऊँगा और उनसे आशीर्वाद लूँगा ` किसी दल के समर्थन के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जामाता की बात करेंगे, जनता मालिक है, दल का चुनाव बिक्रम की जनता करेगी।

नवरात्र के पहले दिन गंगा स्नान के दौरान दो डूबा, एक बच कर निकला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दीदारगंज थाना क्षेत्र के गोप घाट पर गंगा स्नान के दौरान तीन लोग डूबने लगे। इसमें से एक को किसी तरीके से बचा लिया गया, जबकि दो के डूब जाने की सूचना है। मामला दीदारगंज थाना क्षेत्र के गोप घाट की है। यहां पटना के विग्रहपुर से दर्जनों की संख्या में युवक गंगा स्नान करने के लिए पहुंचे थे। सभी युवक गंगा नदी में स्नान कर रहे थे, तभी अचानक तीन युवक गंगा की गहराई का अंदाजा नही लगा सके और तीनों डूबने लगे। तीनों डूबे हुए युवक में से एक किसी तरह निकलने में सफल रहा, जबकि दो युवक डूब गया। घटना के बाद स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर सूचना पाते पहुंच गई। इसके बाद उन दोनों के शव की गंगा नदी में खोजबीन की जाने लगी। हलाकि दोनों युवक को बारी-बारी से गोताखोरों के द्वारा निकाल लिया गया। इसमें अंकित कुमार और रवि कुमार का शो गोताखोरों के द्वारा निकाल दिया गया। पुलिस ने बताया कि परिजनों के द्वारा शव का पोस्टमार्टम नहीं करने का अनुरोध किया गया। इसके बाद दोनों के परिजनों से लिखित में आवेदन लिया गया और शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

नवरात्र का आज पहला दिन है और युवक पूजा के लिए गंगा जल और मिट्टी लेने पहुंचे थे, तभी गंगा स्नान के दौरान यह हादसा सामने आया है।

मंदिरों से ले घरों में हुआ कलश स्थापन, भगवती शैलपुत्री की पूजा

तख्तश्री पटना साहिब में भी शुरू हुआ चंडी पाठ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

शारदीय नवरात्र गुरुवार को कलश स्थापन के साथ शुरू हो गया। शक्तिपीठ स्थल श्री बड़ी व छोटी पटनदेवी, अगमकुआं स्थित श्री शीतला माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों, पूजा पंडालों और घरों में भी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना की गई। शक्तिपीठ श्री बड़ी पटनदेवी के महंत विजय शंकर गिरी ने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त में भगवती को गुप्त स्थान से मूल स्थान पर लाकर विराजित किया गया। उन्हें सप्त नदियों के जल से स्नान करा नया वस्त्र पहनकर श्रृंगार किया गया इसके बाद पूजा आराधना का क्रम शुरू हुआ। इस दौरान कच्ची और पक्की पकवान का भोग भी उन्हें अर्पित किया गया आरती उतारी गई नारियल का बलि दिया गया। उपासना व कलश स्थापन का अनुष्ठान विकास गिरी उर्फ भोलू के द्वारा किया गया। श्री छोटी पटनदेवी के महंत अभिषेक अनंत द्विवेदी, विवेक द्विवेदी की देखरेख में, गड़हा पटनदेवी मंदिर, अगमकुआं शीतला माता मदिर में पंकज पुजारी, अमरनाथ बबलू, सुनील कुमार व जयप्रकाश पुजारी ने बताया कि कलश स्थापन का अनुष्ठान वैदिक रीति रिवाज से किया गया। गुलजारबाग स्थित सर्वमंगला देवी मंदिर, काली मंदिर खाजेकलां में मुन्ना बाबा व मंगल तालाब दीरापर शशिकांत मिश्रा, पीताम्बरा मंदिर के साथ काले हनुमान मंदिर, कुम्हरार स्थित पंचित बैठका बड़ी देवी जी, श्री जल्ला हनुमान मंदिर के साथ अन्य देवी मंदिरों, श्रीबड़ी देवी जी मारूफगंज व महारागंज, खाजेकलां, टेढ़ी घाट आदि में भी कलश स्थापना की गई। दूसरी ओर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में चंडी पाठ जत्थेदार भाई बलदेव सिंह की देखरेख में शुरू हुआ। नवमी तक चलने वाले पाठ में नवमी को शस्त्र पूजन होगा। इसके पूर्व सुबह से ही लोगों के कदम गंगा नदी के विभिन्न घाटों की ओर बढ़ गए थे। लोगों ने न केवल गंगा नदी में स्नान किया, बल्कि वहां से पात्र में भर कर गंगाजल लेकर भी लौटे, ताकि भगवती की पूजा-अर्चना करते हुए कलश में गंगाजल प्रदान किया जा सके।

डॉ अभिषेक सिंह ने स्कूली बच्चों को सिखाया सफलता के गुर, चिकित्सा क्षेत्र की सम्भावनाएं पर की चर्चा, दिए टिप्स

बच्चों के भविष्य को आयाम देने के लिए द ब्लू बेल्स इंटरनेशनल स्कूल में मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम, अख्तियारपुर स्थित द ब्लू बेल्स इंटरनेशनल स्कूल में ह्यएंपावर योर ड्रीमह्ल नामक मोटिवेशनल टॉक का आयोजन किया गया` जहां ज्योतिपुंज फाउंडेशन के संरक्षक डॉ अभिषेक सिंह ने टाइम मैनेजमेंट, रेगुलेटरी, सेल्फ स्टडी और डेडीकेटेड लर्निंग के फायदों से बच्चों को अवगत कराया। उन्होंने मेडिकल सेक्टर में मौजूद संभावनाओं के बारे में भी बच्चों के साथ अपना अनुभव साझा किया। डॉ अभिषेक ने स्कूल मैनेजमेंट और शिक्षक गणों से मिलकर ग्रामीण इलाकों में स्कूल के द्वारा दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तारीफ की। स्कूल के निदेशक लवकुश शर्मा ने डॉ अभिषेक सिंह का स्वागत किया और बताया कि डॉ अभिषेक सिंह का विविध व्यक्तित्व बच्चों को प्रेरित करने का काम करेगा। उन्होंने हेल्थ सेक्टर के साथ ही कई अन्य तरह के एंटरप्रेन्योरशिप एक्टिविटी में बेहतर मुकाम हासिल किया है। इसके अलावा वे समाज के पिछड़े तबकों को मुख्य धारा में लाने के लिए काम कर रहे हैं जो हम सबके लिए प्रेरणादाई है।मौके पर वीरू शर्मा ने आगत अतिथि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्कूल के सैकड़ो बच्चे और शिक्षक गण मौजूद रहे।

एनएमसीएच में डेंगू पीड़ित मरीज की मौत, 17 भर्ती

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। एनएमसीएच के मेडिसिन विभाग में भर्ती अथमगोला निवासी 60 वर्षीय डेंगू पीड़ित मरीज की मौत इलाज के दौरान हो गई। अब तक यहां डेंगू के चार मरीज की मौत इलाज के दौरान हो चुकी है। अधीक्षक डॉप्रो बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि गंभीर स्थिति में मरीज को भर्ती किया गया था। विभागाध्यक्ष डॉ अजय कुमार सिन्हा व नोडल चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि 27 सितंबर को गंभीर स्थिति में भर्ती मरीज की मौत हुई है। डेंगू के 17 मरीज भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मेडिसिन विभाग में 13 और शिशु रोग विभाग में चार मरीज भर्ती हैं।

प्ले स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्रा के साथ की छेड़खानी, हंगामा

- नहीं हो पाया मेडिकल, टीचर हिरासत में

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नवरात्र शुरू हो गया है। लोग शक्ति की पूजा-आराधना कलश स्थापना के साथ शुरू किए हैं। कुंवारी कन्या का पूजन नवरात्र में किया जाता है। वहीं एक प्ले स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा के साथ वहां के प्रिंसिपल ने छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया है। मालसलामी थाना क्षेत्र के नगला स्थित एक प्ले स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा के साथ वहां के प्रिंसिपल सह टीचर ने छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया। स्कूल के पास ही उक्त छात्रा के दादा की दुकान है। गुरुवार को पूर्वाह्न रोते हुए छात्रा दादा की दुकान पर पहुंची और आपबीती घटना सुनाई। इस पर दादा अपनी पोती को लेते हुए स्कूल गए और वहां आपत्ति जताने लगे। उनके शोर को सुन कर आसपास के लोगों की भीड़ भी जुट गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर मालसलामी थाना की पुलिस पहुंची और प्रिंसिपल को हिरासत में लेकर थाना ले आई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह का कहना है कि छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना की बात कही गई है। पूछताछ में भी छात्रा ने आपबीती बताई है। छात्रा को परिजन के साथ मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया, मगर गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में कहा गया कि फिलहाल मेडिकल जांच संभव नहीं है। फिलहाल आठ दिन रुकना पड़ेगा। इसके बाद परिजन बच्ची को लेकर वापस चले आए। नाबालिग छात्रा के पिता के द्वारा लिखित रूप से थाना को आवेदन दिए जाने की बात कही गई है। पुलिस का कहना है की प्रिंसिपल पर आरोप लगाया गया है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सवाल लिया है कि जब छात्रा के साथ केवल छेड़खानी की घटना हुई है, तब उसका मेडिकल जांच करने की क्या जरूरत पुलिस को पड़ गई है।

तख्तश्री कमेटी को भंग कर तदर्थ समिति गठित करें जिला जज : इंद्रजीत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह ने कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह की प्रताड़ना से तंग आकर पटना के जिला न्यायाधीश सह तख्तश्री पटना साहिब के संरक्षक को एक शपथ पत्र सौंपा है। इसमें उन्होंने वर्तमान कमेटी के कार्यकाल को पूरा हो जाने के बाद भी चुनाव कराए जाने को लेकर अड़ंगा लगाए जाने की बात कही है। साथ ही कहा है कि अध्यक्ष के द्वारा उनके काम में लगातार व्यवधान पैदा किया जा रहा है। कमेटी का कार्यकाल जुलाई, 2023 में ही पूरा हो चुका है। इसलिए वर्तमान कमेटी को भंग करते हुए तदर्थ समिति का गठन किया जाए, ताकि चुनाव जल्द से जल्द कराया जा सके। दरअसल जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां तख्तश्री कमेटी को भंग कर तदर्थ समिति का गठन कर चुनाव कराने को लेकर इकबाल सिंह बग्गा उर्फ लकी बग्गा ने मिसलेनियस केस 45/2024 दर्ज किया है। इसमें तक श्री कमेटी के महासचिव को भी प्रतिवादी बनाया गया है। इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है।

महासचिव इंद्रजीत सिंह ने कोर्ट में शपथ पत्र दायर किया है। इसमें उन्होंने अपने आपको कार्य करने में अक्षम और अध्यक्ष के द्वारा लगातार प्रताड़ित करते हुए उनके कार्य में दखलअंदाजी कर लगातार आदेश जारी किया जाना है। साथ ही कार्यवाही पुस्तिका में भी लिए गए निर्णय के उलट दर्ज किए जाने की बात कही गई है। महासचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि विशेष रूप से अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही और उनके सहयोगी सदस्यों के द्वारा कमेटी के संविधान और उपनियमों के निरंतर उल्लंघन कर रिकॉर्ड में रखने के लिए या हलफनामा दाखिल कर रहे हैं। उन्होंने कमेटी के संविधान और उप नियमों के अनुच्छेद 76सी के अनुसार मुख्य कार्यकारी प्रमुख हैं। ऐसे में कमेटी की नीतियों को लागू करना, सभी पत्राचार आदि उनका काम है। साथ ही कार्यवाही पुस्तिका को भी सुनिश्चित करना उनका काम है। उन्होंने कहा कि कमेटी का कार्यकाल जुलाई, 2023 में पूरा हो चुका है। अध्यक्ष जगजोत सिंह ने लगातार उनके अधिकार को कमजोर किया है और कमेटी के नियमों का उल्लंघन किया है, जिससे यहां के प्रशासन में अव्यवस्था और भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। उनके कार्यो ने कमेटी के सुचारू कामकाज को बाधित किया है और उनके एकतरफा फैसलों ने इस पवित्र संस्था के शासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी, 24 को कमेटी की बैठक हुई थी। अनुच्छेद 76सी के प्रावधानों के विपरीत, जो यह अनिवार्य करता है कि महासचिव सभी बैठकों के कार्यवाही को रिकॉर्ड करें, अध्यक्ष ने एकतरफा रूप से कार्यवाही को रिकॉर्ड करने का काम अपने जिम्मे में ले लिया और बाद में उनकी भागीदारी या अनुमोदन के बिना संबंधित अधिकारियों को भेज दिया। नियमों का उल्लंघन 10 फरवरी, 24 को भी जारी रहा, जब उन्होंने अन्य पदाधिकारी के साथ मिलकर पत्र संख्या टीपीएस/3/212/2024 निकाल कर पांच लोगों को मतदाता सूची नए सिरे से बनाने का पत्र जारी कर दिया। यह सूचना बिना उनकी जानकारी और हस्ताक्षर के किया गया। उन्होंने 11 फरवरी, 24 को अध्यक्ष को पत्र जारी किया, जिसमें बताया कि सार्वजनिक नोटिस जारी करना और कार्यवाही की रिकॉर्डिंग दोनों ही उप नियमों का उल्लंघन है। 8 फरवरी, 24 को बैठक के दौरान लिए गए निर्णय से खुद को स्पष्ट रूप से अलग कर लिया, क्योंकि वह ठीक से रिकॉर्ड या अधिकृत नहीं थे। उनके द्वारा उठाई गई चिंता को अध्यक्ष ने 24 फरवरी, 24 को एक प्रतिशोधी पत्र जारी कर जवाबी कार्रवाई की। इसमें मुझ पर तख्तश्री पटना साहिब के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया। अध्यक्ष ने हमारे खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। भले ही वे केवल संविधान और उप नियमों के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। यह कार्रवाई उनके प्रयास को चुप कराने के अलावा और कुछ नहीं है कि समिति वैध और पारदर्शी तरीके से काम करे। अध्यक्ष के कार्यो ने प्रबंधन समिति के भीतर भ्रम और अविश्वास का माहौल पैदा कर दिया है। महासचिव के अधिकार के प्रति उनकी निरंतर उपेक्षा ने तख्तश्री पटना साहिब के शासन को बुरी तरह से बाधित कर दिया है।

श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में होगा दशहरा महोत्सव का भव्य आयोजन, प्रमंडलीय आयुक्त ने की तैयारियों की समीक्षा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना, श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में दशहरा महोत्सव, 2024 का भव्य आयोजन होगा। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना श्री मयंक वरवड़े द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह; वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना श्री राजीव मिश्रा एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ इसकी तैयारियों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने कहा कि दिनांक 05 अक्टूबर एवं 06 अक्टूबर, 2024 को इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन संध्या 06.30 बजे से इसकी शुरूआत होगी। आयुक्त श्री मयंक वरवड़े ने कहा कि दशहरा महोत्सव के अवसर पर उत्कृष्ट भीड़-प्रबंधन, सुगम यातायात एवं सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। संयुक्त आयुक्त-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार-सह-प्रभारी पदाधिकारी, श्री कृष्ण स्मारक विकास समिति, पटना श्री मनोज कुमार चौधरी द्वारा एजेंडावार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि दशहरा महोत्सव का आयोजन श्री कृष्ण स्मारक विकास समिति, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा किया जाता है। प्रभारी पदाधिकारी ने आयुक्त के संज्ञान में लाया कि 2018 के बाद दशहरा महोत्सव का आयोजन नहीं हो रहा था। विगत वर्ष 2023 से इसकी पुनः शुरूआत की गई। उन्होंने इस साल के आयोजन में तिथिवार विभिन्न कार्यक्रमों की विवरणी, भाग ले रहे कलाकारों तथा आवश्यक व्यवस्था के संबंध में विस्तार से बताया। डीएम डॉ. सिंह ने आयुक्त के संज्ञान में लाया कि जिला प्रशासन द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार तेजी से सभी तैयारी की जा रही है। दंडाधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा। एसएसपी श्री मिश्रा ने कहा कि सुरक्षा की अचूक व्यवस्था रहेगी। सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए बेहतर ट्रैफिक प्लान रहेगा। आयुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम को देखने के लिए लोग काफी उत्सुक रहते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। बुजुर्ग, युवा, महिला एवं बच्चे भी आते हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि दर्शकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। पेयजल की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पर्याप्त संख्या में वाटर एटीएम एवं टैंकर के साथ-साथ भवन निर्माण विभाग द्वारा संस्थापित सभी पेयजल सुविधाओं को क्रियाशील रखें। पाटलिपुत्र अंचल, पटना नगर निगम द्वारा नियमित साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए नगर कार्यपालक पदाधिकारी को टीम तैनात करने का निदेश दिया गया। प्रमंडलीय आयुक्त ने निदेश देते हुए कहा कि प्रकाश की समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए। पेसू निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश एवं निकास का मार्ग हर हाल में अवरोधमुक्त रहना चाहिए। त्रुटिरहित सुरक्षा-व्यवस्था एवं सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण के लिए जिला नियंत्रण कक्ष से मानकों के अनुसार पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाए। महिला दर्शकों की सहायता के लिए महिला कर्मियों एवं महिला दंडाधिकारियों को भी प्रतिनियुक्त किया जाए। प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की स्पॉट ब्रीफिंग की जाए ताकि वे दृढ़ता परन्तु विनम्रता पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

बिहार में प्रमाणित बीज का उत्पादन होगा दोगुना : मंगल

किसानों द्वारा उत्पादित गेहूं बीज का शत-प्रतिशत क्रय करेगा विभाग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने गुरूवार को बामेती के सभागार में आयोजित प्रमाणित गेहूँ बीज उत्पादन महाभियान कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की सरकार किसानों को बीज से लेकर बाजार तक की हर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बीज कृषि का मूल एवं महत्त्वपूर्ण घटक है। गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग से फसलों की 20 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है। कृषि विभाग द्वारा राज्य के अन्दर संकर बीज उत्पादन का कार्य इसी वर्ष शुरू किया जा रहा है, ताकि किसानों को राज्य के अन्दर उत्पादित गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराया जा सके। इसी कड़ी में कृषि विभाग द्वारा प्रमाणित गेहूँ बीज उत्पादन राज्य में बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। रबी, 2024-25 में राज्य में 3.50 लाख क्विंटल गेहूँ प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए 21 जिलों को चिह्नित कर कार्य योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में बीज उत्पादन बढ़ने से किसानों को दो तरह का लाभ मिल सकेगा। पहला किसानों को अन्न उत्पादन से ज्यादा मूल्य बीज उत्पादन में प्राप्त होगा तथा दूसरा किसानों को राज्य के जलवायु परिवेश में उत्पादित प्रमाणित गेहूँ बीज कम मूल्य पर प्राप्त हो सकेगा, जिससे किसानों के आर्थिक स्थिति को सुदृढ करने में सहायता मिलेगी।

गेहूँ बीज को बढ़ावा देने हेतु किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान:

श्री पाण्डेय ने कहा कि राज्य में प्रमाणित गेहूँ बीज को बढ़ावा देने हेतु किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर आधार बीज की उपलब्धता बिहार राज्य बीज निगम के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है। किसानों द्वारा उत्पादित प्रमाणित गेहूँ बीज का बिहार राज्य बीज निगम द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य से 25 से 30 प्रतिशत अधिक मूल्य के साथ शत-प्रतिशत क्रय किया जायेगा। प्रमाणित गेहूँ बीज उत्पादन से सम्बद्ध किसानों को बीज उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण, उत्पादन रकवा का निबंधन एवं उत्पादित बीज का क्रय संबंधित सभी कार्यों के निष्पादन हेतु कृषि विभाग, बिहार राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणन एजेन्सी (बसोका) एवं बिहार राज्य बीज निगम के पदाधिकारी/कर्मचारी का दायित्व निर्धारित किया गया है तथा इसका अनुश्रवण उच्च स्तर पर करने की व्यवस्था की गई है।

ये रहें मौजूद :

कृषि विभागके सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री संजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि हर साल आधे बीज को बदल लेना चाहिए। राज्य के अन्दर गुणवत्तायुक्त बीज के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पहला वर्ष आधार बीज निःशुल्क दिया जा रहा है। किसानों को बीज उत्पादन करने में सहयोग हेतु कृषि विश्वविद्यालयों/ कृषि महाविद्यालयों के वैज्ञानिकों को लगाया जायेगा। हम सब लोगों को मिलकर काम करना है और हमारा लक्ष्य और उद्देश्य ज्यादा-से-ज्यादा अच्छा बीज उत्पादित कर किसानों की आय बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य बीज निगम डॉ आलोक रंजन घोष, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, कृषि मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, अपर निदेशक (शष्य)-सह-निदेशक, बामेती धनंजयपति त्रिपाठी सहित पदाधिकारी, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में पटना एवं जहानाबाद के किसानगण उपस्थित थे।

राज्य के 21 जिले प्रमाणित गेहूं बीज हेतु चिह्नित

कृषि मंत्री ने कहा कि इस रबी में राज्य के 21 जिलों को प्रमाणित गेहूँ बीज हेतु चिह्नित किया गया है, जिसमें से 15 जिलों पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, गोपालगंज, सिवान, शेखपुरा, भोजपुर, अरवल, जमुई, बाँका, मुंगेर, मधुबनी, सारण एवं सीतामढ़ी में गेहूँ बीज उत्पादन कार्य सामान्य किसानों के माध्यम से एवं 6 जिलों दरभंगा, बक्सर, नवादा, जहानाबाद, पटना एवं लखीसराय कृषक उत्पादक संघ के माध्यम से किया जायेगा। सभी चिह्नित जिलों में गेहूँ आच्छादन लक्ष्य, आधार बीज की आवश्यकता एवं अनुमानित उपज का लक्ष्य का निर्धारण किया गया है। इन जिलों में गेहूँ बीज उत्पादन हेतु क्रियान्वयन एजेंसी सहायक निदेशक (शष्य), प्रक्षेत्र को एवं एफपीओ संबंधित जिलों में क्रियान्वयन एजेंसी एफपीओ को बनाया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि बीज उत्पादक किसानों की तकनीकी जानकारी आदि कार्यों के निमित्त प्रखंड/पंचायत स्तर पर किसानों के उत्पादन क्षेत्र से कृषि समन्वयक तथा बीटीएम/एटीएम को संबद्ध किया गया है। जिलों में किसानों द्वारा उत्पादित गेहूँ बीज के संग्रहण एवं प्रसंस्करण कार्य के लिए केन्द्रों को चिह्नित करते हुए जिलावार संबद्ध किया गया है।

बिहार बीज उत्पादन में आत्म निर्भर हो जायेगा :

उन्होंने कहा कि राज्य में 8,750 क्विंटल गेहूँ का आधार बीज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् तथा कृषि विश्वविद्यालयों से मंगाया जा रहा है तथा 6000 क्विंटल आधार बीज पूर्व से ही विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत मंगाया जाता रहा है। इस प्रकार अब राज्य 14,750 क्विंटल गेहूँ का आधार बीज उपलब्ध होगा, जिसे किसानों को मुफ्त उपलब्ध कराया जायेगा। इस प्रकार 3.5 लाख क्विंटल बीज उत्पादन हो जायेगा, जबकि राज्य में 12 लाख क्विंटल गेहूँ बीज की जरूरत है। अगले कुछ वर्षों में बिहार बीज उत्पादन में आत्म निर्भर हो जायेगा तथा दूसरे राज्यों को भी गेहूँ बीज उपलब्ध कराने में सक्षम हो जायेगा। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। गेहूँ बीज के प्रसंस्करण एवं भंडारण की व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने आगे बताया कि ये आधार बीज अच्छी गुणवत्तावाला है, इसलिए इसकी देखभाल उतनी ही आवश्यक है। इसके लिए तकनीकी सहायता मुहैया करायी जायेगी।

शराबबंदी से गरीब के घरों में लौटी हैं खुशियां: शीला

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

परिवहन मंत्री शीला मंडल ने कहा कि गांधी जयंती के दिन शराबबंदी हटाने की बात कर प्रशांत किशोर ने अपनी असली मानसिकता को उजागर किया है। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि शराबबंदी से कितने घरों में खुशियां लौटी हैं और समाज में अमन-चैन का माहौल कायम हुआ है। आज किसी चैक-चैराहे पर कोई भी व्यक्ति शराब पीकर उपद्रव और हुड़दंग करने की साहस नहीं कर सकता है। मंत्री गुरुवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान मीडिया से मुखातिब हुए। श्रीमती शीला मंडल ने कहा कि नीतीश सरकार द्वारा मिड डे मील योजना शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित हुआ है। चुकी श्री प्रशांत किशोर जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ हैं इसलिए, उन्हें इसकी अहमियत का अंदाजा नहीं है। पहले सरकारी स्कूलों की स्थिति खस्ताहाल थी लेकिन आज गरीब परिवार का छात्र भी बेंच और डेस्क पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करता है। इससे पहले मंत्री श्रीमती शीला मंडल ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक पहल की। इस मौके पर पार्टी के वरीय नेता प्रो नवीन आर्या चंद्रवंशी एवं प्रदेश महासचिव विनोद सिंह मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर शराबबंदी हटाने की घोषणा राष्ट्रपिता का अपमान : उमेश

जनसुराज पार्टी की राजनीतिक आयु 2025 के चुनाव तक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आबकारी अधिनियम के तहत गांधी जयंती के दिन देशभर में शराब की खरीद-बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध रहता है और ऐसे मौके पर जनसुराज पार्टी के संयोजक प्रशांत किशोर द्वारा बिहार से शराबबंदी कानून हटाने की बात कहना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का राजनीतिक अपमान है। उन्होंने इस तरह का वक्तव्य देकर पूज्य बापू की आत्मा के साथ-साथ जनभावनाओं को भी गहरा ठेस पहुंचाया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून से महिलाओं के विरुद्ध हो रहे घरेलू हिंसा में काफी कमी आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार शराबबंदी लागू होने से यौन हिंसा के मामलों में 21 लाख (3.6 फीसदी) की गिरावट दर्ज की गई है लेकिन प्रशांत किशोर को सामाजिक सुधार के विषयों से कोई लेनादेना नहीं है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी शराब के सेवन को एक सामाजिक बुराई मानते थे इसलिए हमारा सीधा प्रश्न है कि क्या प्रशांत किशोर शराबबंदी को खत्म कर प्रदेश में सामाजिक दुर्गंध फैलाना चाहते हैं? अगर यही उनकी मंशा है तो बिहार की जनता और खासकर महिलाएं इसे कत्तई स्वीकार नहीं करेगी। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि जनसुराज पार्टी की राजनीतिक आयु 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव तक ही है। उसके बाद उनकी झूठ की दुकानदारी पर स्थायी ताला लग जाएगा। प्रशांत किशोर स्वयं इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि उनका अगला ठिकाना कब और कहां होगा। उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता हमेशा से सवालों के घेरे में रही है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी सिद्धांत विहीन राजनीति के मुखर विरोधी थे और बिहार बापू की कर्मभूमि रही है, लिहाजा यहाँ प्रशांत किशोर सरीखे मौसमी नेताओं को कभी राजनीतिक सफलता नहीं मिलेगी। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी 2025 विधानसभा चुनाव में राजनीतिक छुरछुरी साबित होगी और बिहार की जनता उन्हें राजनीति का बोरिया-बिस्तर समेटने के लिए मजबूर कर देगी।

डबल इंजन सरकार ने बापू के सपनों को किया साकार : विजय

● कहा-राजीनीतिक स्वार्थ के लिये बापू के नाम का उपयोग अनुचित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मैकाले की मानसिकता से प्रेरित लोग कभी गांधीजी के रास्ते पर नहीं चल सकते । गांधीजी का नाम, उपनाम और उनसे जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल कर अपना हित साधने वालों को देश की जनता भलीभांति पहचान चुकी है। 2012 में भी गांधी जयंती के दिन दिल्ली में बड़े जोर-शोर से एक पार्टी बनी थी। उनकी कथनी और करतूतों को आज दिल्ली और पंजाब के साथ-साथ पूरे देश के लोग देख रहे हैं। बापू के प्रति सच्ची आस्था जिनके भीतर है वे उसे अपने आचरण और व्यवहार में उतारने का प्रयास करें। अधिकारों से पहले अपने कर्तव्य को निभाने का , समाज को बांटने की जगह जोड़ने का और तुष्टिकरण की जगह संतुष्टिकरण की राह पर चलने का प्रयास करें। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि गांधीजी का पूरा जीवन और दर्शन भारत की सनातन संस्कृति से जुड़ा रहा है। इसीलिए जब 1980 में भारतीय जनता पार्टी का अभ्युदय हुआ तो हमने गांधीवादी समाजवाद को एक निर्देशक सिद्धांत के रूप में अपनाया । जब श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में ठऊअ का गठन हुआ तब भी गांधी-मार्ग के अनुसरण पर सभी घटक दलों की सहमति बनी। अटल जी की सरकार ने सुशासन के गांधीवादी संकल्पों को ही धरातल पर उतारने का प्रयास किया। श्री सिन्हा ने कहा कि विगत एक दशक से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र की ठऊअ सरकार ने अपनी हर योजना को सबका साथ सबका विकास के भाव से क्रियान्वित करने का प्रयास किया है। जो कहीं न कहीं बापू का ही दिखाया मार्ग है। चाहे जनधन योजना हो, स्वच्छ भारत अभियान हो, आवास योजना हो, मेक इन इंडिया हो,आत्मनिर्भर भारत योजना हो, विश्वकर्मा योजना हो, चाहे नीति आयोग के गठन से लेकर नई शिक्षा नीति जैसे पहल हों। हमारी केंद्र सरकार की प्राथमिकता अंत्योदय और स्वदेशी के गांधीवादी सपनों को पूरी तत्परता से साकार करना रहा है। श्री सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य की सरकार ने 2005 से ही बापू सपनों को बिहार में साकार करने का सतत प्रयास किया है। चाहे पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े पहल हों, महिला सशक्तिकरण हो, जीविका हो,शराबबंदी हो या न्याय के साथ विकास से जुड़े कार्यक्रम हों। हमने पूरी ईमानदारी से बिना लोकलुभावन प्रचार किये हुए गांधीवादी विकास मॉडल को राज्य में उतारने का ईमानदार प्रयास किया है।

सूबे की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने पार्टी के प्रदेश महासचिव पंकज यादव को मुंगेर में मॉर्निंग वॉक के दौरान बेखौफ अपराधियों द्वारा गोली मारे जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। सरकार अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। जिसके कारण पूरे बिहार में हत्या, लूट, बलात्कार, अपहरण और रंगदारी की घटनाएं चरम पर है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि दिनदहाड़े अपराधी अपराध कर रहे है। लोग भय के साये में जीने पर मजबूर है। घर में लोग सुरक्षित नहीं है। अपराधी घर में घुस कर लोगों को गोली मारकर हत्या और लूटपाट कर रहा है। अपराधियों में शासन और प्रशासन का भय समाप्त हो चुका है। इसलिए अपराधी बेखौफ होकर खुलेआम आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बिहार में अपराधियों का राज कायम है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आपराधिक घटनाओं पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जब सरकार को आईना दिखाने का काम करते हैं तो सत्तापक्ष के लोग तिलमिला उठते हैं। तिलमिलाहट में तेजस्वी और राजद के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप करने लगते हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि पिछले दो-तीन महीनों के अंदर राज्य के विभिन्न जिलों में हजारों आपराधिक घटनाएं घटी है। जिसमे सबसे ज्यादा हत्या और बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। आपराधिक घटनाओं से राज्य की जनता कराह रही है। फिर भी शासन प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है। बिहार अब नीतीश कुमार से संभलने वाला नहीं है। बिहार की जनता भगवान भरोसे है।

बिहार के खिलाड़ी भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा निखारेंगे : श्रवण

कहा- सीएम नीतीश ने सूबे में खेल के स्तर को आगे बढ़ाया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपने प्रतीभा निखारने तथा युवाओं को खेल के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से बिहार के नालन्दा जिला अंतर्गत राजगीर में खेल विश्वेविद्यालय की स्थापना का निर्णय लिया है तथा इस विश्वदविद्यालय के स्थापना के उपरान्त यहां गतिविधियाँ भी प्रारम्भ हो गयी है। इससे खिलाड़ियों एवं युवाओं को खेल का अवसर प्राप्त होगा। इसके साथ ही राजगीर में अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के निर्माण पर भी मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति कृतज्ञता जाहिर की है। ज्ञातव्य हो कि बिहार हॉकी के अध्यक्ष के रूप में भी श्रवण कुमार अपने ओर से खिलाड़ियों को समय-समय पर प्रोत्साहित करते रहते हैं। मंत्री के इसी पहल एवं प्रयास को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने 11 से 20 नवम्बर तक राजगीर में हॉकी एशियन चैम्पियन ट्रॉफी (महिला) 2024 की सहमति दी है तथा बिहार सरकार द्वारा हॉकी इंडिया को प्रायोजन हेतु 10 करोड़ रुपए की सहमति के प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति देते हुए इसे राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पारित कराया है। इसके लिए भी श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया है। श्री श्रवण कुमारने आगे बताया कि अब से राज्य खेल एकेडमी राजगीर में नवनिर्मित स्टेडियम में कुल 6 देश की टीम यथा- भारत, चीन, जापान, मलेशिया, थाइलैंड एवं दक्षिण कोरिया से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग ले रही है। बिहार के खिलाड़ियों को लगभग 20 तरह के खेल का आऊटडोर एवं इण्डोर स्टेडियम में अभ्यास का लाभ मिलेगा। जिससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को निखारेगें। इस तरह की सुविधा मिलने से बिहार के युवाओं/युवतियों को खेल के प्रति रूझान बढ़ेगा एवं बिहार से भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगें। विशेष रूप से खेल के आयोजन हॉकी एशियन चैम्पियन ट्रॉफी (महिला) 2024) के लिए बिहार राज्य हॉकी एसोशियन के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने बिहार हॉकी टीम की ओर से बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी ललन मोहन जदयू में हुए शामिल

पटना। गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी ललन मोहन प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए जदयू का दामन थामा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उन्हें पर्ची देकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस मौके पर बिहार सरकार की परिवहन मंत्री शीला मंडल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व मंत्री श्याम रजक, विधानपार्षद ललन कुमार सर्राफ, विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह सहित कई अन्य नेतागण मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि ललन मोहन प्रसाद ने विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवा का निर्वहन करते हुए समाज को गहराई से जाना और समझा है। निश्चित ही उनकी क्षमता और अनुभव का लाभ आने वाले दिनों में जदयू परिवार को होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि बातौर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी अद्भुत कार्यशैली से प्रदेश में सर्वांगीण विकास का जो नया मानक स्थापित किया है, उसका आज हर कोई कायल है।

बाढ़ प्रभावितों के बीच राहत व बचाव का कार्य जारी : लोजपा आर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोजपा (रा) ने बिहार में नेपाल से आने वाली नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण उत्तर बिहार के 16 जिलों में बाढ़ की भयावह स्थिति के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बाढ़ की विभीषिका के बीच स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जा कर लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने आम लोगों को राहत और मदद पहुंचाया है। श्री चिराग ने अपने दो दिवसीय प्रवास में बाढ़ से प्रभावित सहरसा, पूर्णिया सहित कई जिलों में स्थिति का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री के दौरे के बारे बताते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का संगठन बिहार के सभी बाढ़ प्रभावित जिलों में भीषण बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहे बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच राहत और बचाव के कार्य में निरंतर जुटी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष ने जन सुराज पार्टी के गठन और राजनैतिक भविष्य पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बिहार की जनता आने वाले समय में चार विधानसभा के उपचुनाव में एनडीए के पक्ष चारों सीट जीता कर सभी प्रकार के कयासों पर पूर्ण विराम लगा देगी। आगामी 08 अक्टूबर को लोजपा के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मभूषण रामविलास पासवान जी कि पुण्यतिथि पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों की संख्या में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता दिवंगत संस्थापक की जन्मभूमि खगड़िया के शहरबन्नी में जुट कर अपने नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके साथ ही आगामी 28 नवंबर को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के स्थापना दिवस पर पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने वाले विशाल जनसभा की तैयारियों में पार्टी पूरी तरह से जुटी हुई है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने बताया कि उक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शंकर झा बाबा ,प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी ,विष्णु पासवान, ललन पासवान, संजय कुमार सिंह ,लोजपा युवा के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ,पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह, विनीत सिंह ,जितेंद्र यादव ,राजेश सिंह ,मनीष सिंह ,प्रदेश महासचिव रविरंजन प्रसाद सिंह, मिथिलेश निषाद,दिनेश पासवान, प्रकाश कुशवाह, पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार, मौजूद थे ।

मुसीबत के समय विदेश यात्रा पर रहते हैं नेता प्रतिपक्ष : अरविन्द

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि कोरोना महामारी हो या बिहार बाढ़ जैसी भीषण आपदा से जूझ रहा हो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी हमेशा बिहार के लोगों की जरूरत के समय में विदेश यात्रा पर रहते हैं। आज भी जब बिहार बाढ़ जैसी भीषण आपदा से जूझ रहा है तो तेजस्वी यादव जी दुबई यात्रा पर हैं, और रोहिणी आचार्य सिंगापुर यात्रा पर है। लालू परिवार हमेशा से बिहार की जनता के बीच में सिर्फ चुनाव के समय में अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए सिर्फ वोट मांगने के लिए जाता हैं। और बिहार के आपदा-विपदा जनता की पीड़ा के समय विदेश यात्रा पर चला जाता है। नेता प्रतिपक्ष पुनः बिहार में बाढ़ जैसी भीषण आपदा के समय में भी अपना गैर जिम्मेदराना रवैया प्रदर्शित कर रहे हैं। और सिर्फ विदेश से सोशल मीडिया एक्टिविस्ट बन कर खाना पूर्ति कर के चेहरा चमकने का काम कर रहे हैं यहां तक की अपने विधानसभा राघोपुर की भी उनको याद नहीं आ रही है। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार को बाढ़ से राहत और बचाव कार्य के लिए 655.60 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि देने का काम किया हैं। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार पूरी तत्परता के साथ बाढ़ पीड़ितों के दुख के समय में कदम से कदम मिलाकर बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम कर रहा हैं। साथ ही वहीं बिहार भाजपा भी अपने बिहार के लोगों के प्रति पूरी तत्परता के साथ उनके पीड़ा के समय बाढ़ पीड़ितों के जरूरी संसाधनों के साथ खड़ा है। और बाढ़ पीड़ितों तक पूरी जिम्मेदारी के साथ राहत सामग्री पहुंचाने का काम कर रहा है।

सक्षम नहीं हैं तो तेजस्वी को सरकार सौंप दीजिए : गगन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल द्वारा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि यदि सरकार चलाने और बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने की जिम्मेदारी तेजस्वी यादव की हीं है तो भाजपा और जदयू सरकार चलाने की जिम्मेदारी तेजस्वी यादव को सौंप दें। तेजस्वी ने तो सत्रह महीने उपमुख्यमंत्री के पद पर रहकर बता दिया है कि जनता के दुख-दर्द में सरकार कैसे उसके साथ खड़ी रहती है और कैसे जनहित के लिए काम किया जाता है। उन्होंने तो कभी तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष से कोई सवाल नहीं किया। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार का एक बहुत बड़ा हिस्सा बाढ़ की विभीषिका से प्रभावित हैं। राहत का काम केवल फाइलों और भाजपा जदयू नेताओं के बयानों तक हीं सिमीत है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में त्राहीमाम की स्थिति है। मुख्यमंत्री जी एक दिन हवाई सर्वेक्षण कर अपनी जिम्मेदारी की औपचारिकता पूरा कर चुके हैं। सरकार के बाकी मंत्री और सत्ताधारी दल के नेता विपक्षी दलों के नेताओं के संदर्भ में अनर्गल बयानबाजी कर अपनी अक्षमता और निष्क्रियता पर पर्दा डालने के प्रयास में लगे रहते हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार के लिए अजीब विडंबना है कि सरकार विपक्ष से हीं सवाल करती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल जी से जब सवाल पुछा जाता है तो शायद वे भूल जाते हैं कि सरकार में वे मंत्री हैं, बिहार में उनकी हीं पार्टी की सरकार है। तेजस्वी जी की सरकार नहीं है वे नेता प्रतिपक्ष हैं। और यदि उन्हें इतना भी ज्ञान नहीं है तो निश्चित रूप से ऐसे नेता बिहार के लिए हीं नहीं बल्कि राजनीति के लिए भी अभिशाप है।

खादी आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का प्रतीक है : दिलीप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने खादी मॉल से की खादी उत्पादों की खरीदारी

● बोलें-खादी को अपनाएं और अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

खादी के प्रति जागरूकता और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए आज पटना के गांधी मैदान स्थित खादी मॉल में एक विशेष आयोजन किया गया। मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा, खादी न केवल हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का प्रतीक भी है। महात्मा गांधी के सपनों के भारत को साकार करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने खादी उत्पादों की खरीदी के माध्यम से लोगों से खादी अपनाने और इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। इस अवसर पर डॉ दिलीप जायसवाल ने खादी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खादी वस्त्र न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि ग्रामीण कारीगरों और बुनकरों के रोजगार का भी प्रमुख साधन हैं। डॉ जायसवाल ने कहा कि खादी को अपनाकर हम ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, और ऐसे आयोजनों से खादी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है। डॉ दिलिप जायसवाल ने यह भी कहा कि खादी न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी है, बल्कि यह हमारे देश की आत्मनिर्भरता की पहचान भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत खादी को बढ़ावा देने की इस मुहिम का उद्देश्य छोटे कारीगरों और स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाना है। उन्होंने इस मौके पर खादी मॉल के महत्व और इसके जरिए खादी उत्पादों को बड़े स्तर पर बाजार में लाने की बात कही। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को खादी के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसके उपयोग के लिए प्रेरित करना था। खादी मॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने खादी के विभिन्न उत्पादों में रुचि दिखाई। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से खादी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा रही है, जिससे यह उद्योग और अधिक सशक्त हो सकेगा। इस आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने खादी उत्पादों की खरीदारी कर खादी उद्योग को समर्थन देने की अपील की। उनके साथ इस महत्वपूर्ण अवसर पर विधायक अरुण सिन्हा, बिहार विधान परिषद मे भाजपा के मुख्य सचेतक संजय मयूख,महामन्त्री जगन्नाथ ठाकुर,विधान परिषद सदस्य प्रमोद चंद्रवंशी,उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह,संजय गुप्ता,दानिश इकबाल,अमित प्रकाश बबलू,ज्ञान प्रकाश ओझा,आशुतोष शंकर,राजीव रंजन,भारती पासवान उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावितों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बाढ़ पीडितों को यथाशीघ्र आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो : अखिलेश

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के कल्याण और प्रभावितों के पुनर्स्थापना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। अपने पत्र में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने लिखा कि राज्य में कोशी, गंडक, महानन्दा, कमला बलान, बागमती एवं अन्य सहायक नदियों के जल स्तर में अचानक वृद्धि होने के कारण सीतामढ़ी, दरभंगा, पश्चिमी चम्पारण,पूर्वी चम्पारण, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, पूर्णियाँ, कटिहार, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर आदि जिले में अनेक गाँव जलमग्न होने के कारण लगभग 15 लाख परिवार प्रभावित हुए हैं। अप्रत्याशित जल वृद्धि के कारण जनजीवन के साथ-साथ पशुओं तथा खेतों में लगे फसलों की भी क्षति हुई है जिसके कारण वहां के निवासियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त स्थिति में राज्य के प्रचलित प्रावधानों के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को ऊँचे स्थानों पर पुर्नवासित करने के साथ-साथ अन्य आवश्यक सुविधाएँ यथा सामुदायिक किचन, पशुओं के लिए चारा, फसल क्षति के लिए मुआवजा, नावों की समुचित व्यवस्था, बाढ़ पीड़ितों को जी आर राशि का भुगतान, चिकित्सा की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार का चूंकि यह स्पष्ट निर्णय है कि राज्य के संसाधन पर प्रथम हक आपदा पीड़ितों का है। इसलिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के बाढ़ पीडितों को यथाशीघ्र आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री से जरूरी कदम अविलंब उठाने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट में दो लोग जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमेहसी थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए। परिजनों के सहयोग से जख्मी को समुदाय का अस्पताल कल्याणपुर में ईलाज कराया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर बीके ठाकुर ने बताया कि ईलाज के दौरान जख्मी की पहचान सैदपुर गांव के मदन सहनी के पुत्र 50 वर्षीय किशुन सहनी एवं किशन सहनी की पत्नी 40 वर्षीय रीना देवी के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष दिव्य ज्योति कुमारी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

जेसीबी से कटे गड्ढा में डूबने से चौथी वर्ग की छात्रा की मौत

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के चकहबीब पंचायत में जेसीबी से किए गड्ढा में डूबने से चौथी वर्ग की छात्रा की मौत हो गई।मृतका की पहचान शाहपुर परोही वार्ड तीन निवासी रविंद्र सदा की 11 वर्षीय पुत्री मंजूला कुमारी के रूप में की गई है। मंजूला उत्क्रमित मध्य विद्यालय शाहपुर परोही में चौथी वर्ग की छात्रा थी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंजुला बुधवार की संध्या गांव के ही कुछ बच्चों के साथ घास काटने गई, जहां शौच के दौरान जेसीबी के गड्ढे में पैर फिसल जाने से गहरे पानी में चले गई। जहां डूबकर उसकी मौत हो गई।छात्रा की डूबने की सूचना पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पर गुरुवार की अहले सुबह पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका मंजूला दो भाई राजा राम दास व राम लाल दास से छोटी थी। मंजूला की मौत की खबर मिलते ही माता अरुण देवी व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था।

अलग-अलग गांव से दो बाइक चोरी,थाना में दिया आवेदन

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव से दो बाइक चोरी की मामला प्रकाश में आया है।एक ओर जहां महम्मदपुर सकड़ा वार्ड 05 निवासी नन्कू महतो के पुत्र गौतम कुमार ने मोटरसाइकिल चोरी को लेकर थाना में एक आवेदन दिया है। बताया है कि बुधवार की रात्रि मेरे घर पर से अज्ञात चोरों ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली। गाड़ी का पंजीयन संख्या बीआर 33 ए के 1216 हैं।यह गाड़ी दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मालपुर निवासी रामशरण पासवान के पुत्र उमेश पासवान के नाम से है। जिससे मैं कुछ दिन पहले ही खरीदा था। वहीं दूसरी ओर समर्था वार्ड 11 चैनपुर निवासी शिवकुमार सिंह के पुत्र अखिलेश कुमार ने बाइक चोरी की आवेदन स्थानीय थाना में दी है। बताया है कि मंगलवार की रात्रि दरवाजे से अज्ञात चोरों ने ग्लैमर बाइक चोरी कर ली। खोजबीन करने पर कुछ लोगों ने बताया कि रात्रि में गाड़ी घर से पूरब दक्षिण दिशा में गयी है। काफी खोजबीन किया परन्तु कुछ पता नहीं चल सका।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में विभूतिपुर के छात्र हुए चयनित

विभूतिपुर/समस्तीपुर जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता क्रिकेट में प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय बेलसंडी तारा के छात्र व पंकज सहनी के पुत्र शुभम कुमार सहनी का चयन हुआ है। इस चयन पर प्रधानाध्यापक डॉ राम प्रमोद राय, शिक्षक शंभू कुमार, मुकेश कुमार, प्रियंका कुमारी, आरती कुमारी आदि ने बधाई दी है।

समाजसेवी विश्वनाथ चौधरी उर्फ तूफान ने मृतक के परिजनों से मिलकर की आर्थिक मदद

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरा टभका पासवान टोल वार्ड 6 निवासी मनोज पासवान के मजदूर पुत्र कुंदन कुमार की मौत गुजरात से घर लौटने के क्रम में कोटा जंक्शन के समीप ट्रेन में हो गई थी। वहां टीटीई की सूचना पर रेल पुलिस ने शव का अंत्यपरीक्षण करवा कर स्वजनों को सौंपा था। तब एम्बुलेंस पर मृतक का शव लादकर गांव लाया गया। घटना की सूचना के बाद गुरुवार को समाजसेवी विश्वनाथ चौधरी तुफान ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दिया और आर्थिक मदद की। मौके पर रामबाबू राय, पंसस संजीत शर्मा, पंचा विनोद कुमार साह, प्रह्लाद साह, उदगार पासवान, विमल देवी, गौतम कुमार आदि मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ितों को भोजन शुद्ध पेयजल, शौचालय व प्रकाश की व्यवस्था हो : उपमुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

बिरौल(दरभंगा)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जयसवाल के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पुनाच एवं मलय गांव का दौड़ा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से हाल चाल ली। जहा बाढ़ पीड़ितों ने डिप्टी सीएम से प्रशासन को ओर व्यवस्था के नाम पर कोताही बरतने की शिकायत की। यह सुनकर श्री चौधरी प्रशासन पर भड़क उठे। उन्होंने मौजूद एसडीओ उमेश कुमार भारती एवं सीओ अभिषेक आनंद से कहा कि आपकी व्यवस्था से हम खुश नही है। आप कोई बाढ़ पीड़ितों पर कृपा नहीं कर रहे है।शाम तक यदि व्यवस्था में सुधार की रिपोर्ट नहीं आती है। तो करवाई निश्चित है।उन्होंने एसडीओ से बाढ़ पीड़ितों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था,प्रकाश की व्यवस्था,भोजन खिचड़ी छोड़ कर चावल,दाल,सब्जी देने , सबेरे में सूखा नास्ता देने,दो समयभोजन,प्लास्टिक,शौचालय का निर्माण एवं जगह जगह विस्थापित परिवार है,वहां चापाकल गाड़ने का आदेश दिया।मालूम हो कि डिप्टी सीएम चौधरी पटना से हेलीकॉप्टर से सुपौल के खोरा गाछी में लैंड किये। वहां से सड़क मार्ग से पुनाच के समुदायिक किचेन पहुचे, और बाढ़ पीड़ितों से हाल चाल ली।इसके बाद वे मलय गांव गये जहा बाढ़ पीड़ितों से मिले। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से इस आपदा की घड़ी में सरकार की ओर से हर सम्भव मदद किये जाने की बात कही। इसके बाद के पुनः सुपौल खोरा गाछी पहुँचे, और वहा से हेलीकॉप्टर से बांका के लिए निकल गये। वही डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जिला भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष संजय सिंह ऊर्फ पप्पू सिंह ने फूलों की गुलदस्ता भेंट कर भव्य स्वागत किया।

मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जयसवाल, भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू,धर्मेंद्र सिंह, सुजीत सिंह, शत्रुध्न सहनी,कुशलेन्द्र कुमार,विकास प्रसाद,सोनू सिंह,महावीर सिंह,भगवान ठाकुर समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे डीएम, एसएसपी, राहत कार्य का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम, एसएसपी लगातार दौरा कर रहे हैं तथा बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा ले रहे हैं। बाढ प्रभावित क्षेत्रों मे शिविर बना वहां साफ सुथरा, सुरक्षित एवं खुशनुमा माहौल में भोजन के साथ नियमित पढ़ाई लिखाई की भी व्यवस्था की गई है। उन्हें दूध और फल भी दिए जि रहे हैं। दौरे के क्रम में डीएम , एसएसपी नेबाढ़ प्रभावित क्षेत्र के पीड़ित परिवारों के लिए राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने तथा उनके लिए संचालित कार्यों के समुचित प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग का सख्हेत निर्देश दिया है।जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने औराई, कटरा एवं गायघाट क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने आपदा कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बाढ़ पीड़ितों के प्रति पूरी सहानुभूति संवेदना एवं जवाबदेही के साथ तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया। बाढ़ पीड़ित परिवार के बच्चों के भविष्य के प्रति संवेदनशील जिलाधिकारी ने राहत शिविर में बच्चों के लिए न केवल भोजन बल्कि उनके स्वास्थ्य एवं पोषण की चिंता से लेकर पढ़ाई लिखाई की समुचित व्यवस्था की है। इसके लिए जिलाधिकारी ने उन बच्चों को राहत शिविर में घर जैसा माहौल पैदा कर खाने-पीने तथा खेल खेल में पढ़ने लिखने की व्यवस्था की है। ऐसी स्थिति में उन बच्चों के लिए शिविर में घर जैसा अनुकूल एवं खुशनुमा वातावरण मिला है तथा उनकी पढ़ाई लिखाई का विशेष ध्यान रखा गया है। जिलाधिकारी ने इन बच्चों के लिए आईसीडीएस के द्वारा दूध फल तथा सही समय पर खाने-पीने की व्यवस्था की है। ऐसे केंद्रों पर सीडीपीओ को सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है तथा डीपीओ आईसीडीएस को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए की गई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग करते रहने का दायित्व दिया गया है।राहत एवं बचाव कार्य में एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ सक्रिय एवं तत्पर है। गर्भवती महिलाओं, वृद्ध जनों, तथा बीमार एवं लाचार व्यक्तियों की सेवा में पूरी टीम तत्पर है।

बाढ प्रभावित कटरा, औराई, गायघाट में कुल 63 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित हैं जहां दोनों टाइम भरपेट भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। बताया गया है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कुल 64 नाव परिचालित है तथा 1 एंबुलेंस बोट भी कार्यरत है। जरूरत के अनुसार नाव बढ़ायें जायेंगे। अंचलाधिकारी द्वारा इस कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।प्रभावित लोगों के बीच अब तक 7972 पॉलिथीन शीट्स का वितरण किया गया है। कटरा औराई एवं गायघाट में पर्याप्त संख्या में मेडिकल कैंप संचालित हैं जहां पर डॉक्टर ,नर्स , पारामेडिकल स्टाफ आवश्यक दवा के साथ तैनात हैं। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को सभी मेडिकल कैंप में तैनात डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने का सख्त निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने बाढ़ के पानी के घटते ही युद्ध स्तर पर ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव करने का निर्देश दिया है। इसके लिए जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक को कार्य योजना तैयार कर समुचित मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता रखने तथा छिड़काव की समुचित प्लानिंग करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त पशुओं की चिकित्सा एवं दवा हेतु भी पर्याप्त संख्या में पशु चिकित्सा कैंप लगाए गए हैं जहां पर पशुओं के इलाज एवं दवा की मुफ्त व्यवस्था की गई है।

डीएम ने सभी प्रखंड के पदाधिकारियों को बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।जिलाधिकारी राजीव रौशन ने सभी संबंधित प्रखंड के वरीय पदाधिकारियों को लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर निष्क्रमित आबादी के बीच बाढ़ राहत कार्य चलवाने एवं बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी दरभंगा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक दरभंगा लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारियों को बेहतर ढंग से आपदा प्रबंधन के कार्यों के बारे में निर्देश दिए। जिला आपदा प्रबंधन शाखा, दरभंगा द्वारा बताया गया है जिला के किरतपुर प्रखंड के झगरुआ तरवाड़ा, नरकटिया भंडरिया, कुबौल ढांगा, खैसा जमालपुर, जमालपुर, झगरुआ, किरतपुर,रसियारी साथ ही गौड़ाबौराम प्रखंड के आधारपुर, गौड़ामानसिंह, बौराम बघरासी, मानसरा तथा घनश्यामपुर प्रखंड के बुढैप इनायतपुर,लगमा एवं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के ईटहर, उजवा सिमरटोका, तिलकेश्वर, सुघराईन,भिंडुआ एवं उसरी पंचायत बाढ़ प्रभावित हो गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 47 स्थलों पर सामुदायिक रसोई चलाई जा रही है, जिनमें कुल 01 लाख 27 हजार 52 बाढ़ प्रभावित लोगों को सुबह -शाम भोजन करवाया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों के आवागमन के लिए 93 निःशुल्क नावों का परिचालन कराया जा रहा है।बाढ़ प्रभावित निष्क्रमित आबादी के बीच अब तक 15 हजार 342 पॉलीथिन शीट्स का वितरण करवाया गया है।560 बाढ़ राहत शिविर में रह रहे हैं तथा 05 बाढ़ राहत शिविर संचालित है। 4050 फूड पैकेट/ड्राई राशन पैकेट वितरित किया गया है साथ ही एक बोट एंबुलेंस कार्यरत है।आज इंदौर स्टेडियम लहरिया सराय में 6000 से अधिक भोजन सामग्री की पैकिंग किया गया। जिसमें चूड़ा ,चना ,चीनी ,मोमबत्ती माचिस ,ओआरएस आदि दिया गया। चार ट्रैकों के माध्यम से खाद्य सामग्री वितरण शिविर में पहुंचाया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सशस्त्र सीमा बल 48वी वाहिनी ने दो घंटे का किया श्रमदान

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कमाडेंट गोविद सिंह भंडारी 48वी वाहिनी जयनगर के पर्यवेक्षण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दिवस के अवसर पर सुबह के समय 07 से 09 बजे तक उप कमांडेंट संतोष कुमार निमोरियां एवं संबंधित समवाय कमांडरो के नेतृत्व मे निम्नलिखित स्थानो पर स्वच्छता के लिए दो घंटों का श्रमदान किया गया। बता दें कि इस साफ सफाई अभियान को मधवापुर बाजार से लेकर नो मेन्स लैंड तक किया गया, दूसरादेवी भगवती मंदिर परिसर उच्चैठ बेनीपट्टी में साफ सफाई की गई तथा दिगीयाटोल गाव एवं शहीद सिकंदर यादव सरोवर के आस- पास तक सफाई की गई, आगे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमगाँव हरलाखी में साफ सफाई हुई, आगे दुबही बाजार जानकीनगर व आस- पास के ईलाके की साफ सफाई की गई तथा आगे सीमा चौकी कमला के जवानो के द्वारा जयनगर अनुमंडल अस्पताल तथा इसके आसपास के क्षेत्र की साफ सफाई हुई, आगे बता दे की जयनगर के पास दो किलोमीटर नेपाली रेलवे ट्रैक एवं उसके आस- पास की सफाई की गई। इस स्वच्छता कार्यक्रम में स्टेशन मास्टर एस.अल.मीना, वरिष्ठ प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश होंबल, नेपाली रेलवे स्टेशन जयनगर, राजकीय रेलवे पुलिस के कार्मिक एवं स्थानीय नागरिक व सशस्त्र सीमा बल के कार्मिको ने बड़े उत्साह से भाग लिया। आगे कमांडेट गोविद सिंह भण्डारी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नही है, बल्कि यह सामूहिक प्रयास से ही सफल हो सकती है। आगे उन्होने बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि इसे रोजमर्रा की दिनचर्या में अपनाना अति आवश्यक है।

शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा कलश स्थापना के साथ हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो में गुरुवार को शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा का शुभारंभ मन्दिरो और घरो में भक्ति मय माहौल में आस्था पूर्वक विधिविधान के साथ मंत्रोच्चारण पूजा पाठ कर कलश घट स्थापना के साथ प्रारंभ हो गया। क्षेत्र के दुर्गा मन्दिरो को पूजा समितियो के द्वारा भव्यता के साथ रंग बिरंगे आकर्षक पंडाल के निर्माण और फूलो एवं झिलमिलाते लाईट बती से सजाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पूजनोत्सव के पहले दिन शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्थित दुर्गा मंदिर परिसर से बैंड बाजे ढ़ोल नगारे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओ के द्वारा हाथो में ध्वय लिए जय माता दी दुर्गा माता की जयकारे लगा रहे थे। मंदिर परिसर से शुरू होकर कलश शोभा यात्रा क्षेत्र भर्मण करते हुए कमला नदी और विभिन्न सरोवरो के तट पर पहुँच कर माँ कमला समेत सरोवरो की पूजा अर्चना कर कलशों में जल बोझकर जय कारे के साथ क्षेत्र भर्मण करते हुए पूजन स्थल पहुँच कर मन्दिरो के पूजन स्थल पर कलशो को पंडितो के द्वारा विधिविधान के साथ मंत्रोच्चारण पूजा अर्चना पाठ कर पूजन स्थल पर कलशो को स्थापित किया गया। नवरात्र के पहले दिन की पूजा अर्चना प्रारंभ हुआ। कलश शोभायात्रा में श्रद्धालुओं के काफी भीड़ आस्था का जनसैलाब उमड़ी रही। वही दूसरी ओर श्रधालुभक्त जनो के द्वारा अपने घरो में भी दुर्गा पूजनोत्सव को लेकर माता का दरबार सजाया है ।घरो में दुर्गा पूजनोत्सव को लेकर भी पहले दिन कलश स्थापना को लेकर कमला नदी और सरोवरों कलश में जल लेने को लेकर अहले सुबह से की श्रद्धालुओ की काफी भीड़ देखी गई। कमला नदी में स्नान कर पूजा अर्चना के बाद कलश में जल बोझकर घरों और दुकानो में भी कलश स्थापना कर दुर्गा पूजा के प्रथम दिन माँ शैल पुत्री की पूजा की गई। कई दुर्गा मन्दिर में स्थापित माता समेत देवी देवताओ की प्रतिमाओ की पूजा और दर्शन को लेकर सुबह से ही श्रद्धालुओ की भीड़ रही। कई पूजा पंडालो में माँ दुर्गा समेत अन्य देवी देवताओ की प्रतिमाओ को भी अंतिम रूप देने और सजाने में कलाकारो के द्वारा किया जा रहा है। पूजनोत्सव को लेकर क्षेत्र के लोगो में काफी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है ।भक्ति में डूबे श्रद्धालु भक्तजन हर्षोल्लास धूमधाम के साथ दुर्गा पूजनोत्सव मना रहे है। क्षेत्र मे भक्तिमय का माहौल बना हुआ है और भक्ति मय गीत संगीत की धुन सुनाई दे रही है। माता रानी के आगमन को लेकर पथ सड़को को भी रंगोली बना कर सजाया गया । क्षेत्र आस्था और भक्ति मय के माहौल में डूबा हुआ है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का सीपीआई प्रतिनिधि मंडल ने किया दौरा, राहत कार्यों पर जताया असंतोष

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की प्रतिनिधिमंडलों ने राष्ट्रीय सचिव के नारायणा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य मिथिलेश झा, राजश्री किरण, जिला सचिव नारायण जी झा के नेतृत्व में जिला के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया। जिसमें पाया गया कि जिले के किरतपुर प्रखंड के सभी पंचायत, कुशेश्वरस्थान, गौड़ाबौराम, अलीनगर आदि प्रखंडों के दर्जनों पंचायत पूरे तरह से बाढ़ के चपेट में आ गया है। लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई लोग पानी के बाहऊ में बह गए हैं। कमला नदी के तटबंध टूटने से यह भीषण बाढ़ आई है। प्रतिनिधि मंडलों ने यह पाया कि अगर जिला प्रशासन पहले से सतर्क रहता बांध की अच्छी तरह से मरम्मती हुई रहती तो यह विभिशका लोगों को झेलना नहीं पड़ता। इस दौरान विमला देवी की बाढ़ के पानी में डूब जाने से मौत हो गई है। जिसका जिला प्रशासन ने अभी तक पोस्टमार्टम भी नहीं कराया है। वहीं परिवार को कोई मुआवजा देने की पहल तक नहीं की है। उनके पति बिन्नो साह अभी तक लापता है। उन्हें जीवित या मृत खोज पाने में जिला प्रशासन असफल है। प्रशासन और सरकार की तरफ से राहत में कोई व्यापक प्रयास नहीं किया जा रहा है। वही जो थोड़ी-सी राहत का कार्य चल रहा है वह पर्याप्त नहीं है। क्षेत्र में काफी अफवाहें भी फैली हुई है। सत्ता दल के सांसद, विधायक और मंत्री इस प्रलय को देखकर जिला छोड़ फरार हो चुके हैं। प्रतिनिधिमंडलों ने सरकार और प्रशासन से राहत कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया हैं। वहीं मृतक परिवारों को 50 लाख अभिलंब मुआवजा व बाढ़ से पीड़ित सभी परिवारों को 10000 प्रति परिवार मुआवजा राशि अभिलंब खाता में भेजना व जगह-जगह ऊंचे स्थान पर रह रहे बाढ़ पीड़ित को स्वच्छ पेयजल, पौष्टिक भोजन अति आवश्यक दवा सहित सभी स्तर की सुविधा मुहैय्या कराने का अपील किया। सरकार अगर पार्टी के मांगों पर पूर्व से ही अगर विचार करती तो यह स्थिति देखने को नहीं मिलता। इस दौरान पार्टी के नेता चंदेश्वर सिंह, राणा जवाहर सिंह, राम श्रृंगार सिंह, राम चरित्र राम आदि उपस्थित थें।

जिलाधिकारी लदनिया प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा अपने क्षेत्र भ्रमण के क्रम में लदनिया प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने साफ सफाई पर काफी असंतोष व्यक्त करते हुए नियमित रूप से साफ सफाई का निर्देश दिया। जांच के क्रम में कुछ पंजीयों एवं अभिलेख अधतन संधारित नही पाई गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि सभी पंजियो को हर हाल मे अधतन रखें। उन्होंने आंगनबाड़ी केदो के भवन निर्माण को लेकर भी प्रखंड विकास प्राधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आरटीपीएस, लोक शिकायत ,सूचना का अधिकार एवं न्यायालय मे लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए इसका ससमय निष्पादन सुनिश्चित करे।उन्होने कहा कि जनशिकायतों को पूरी गम्भीरता से लेकर उसका ससमय निष्पादन करे।उन्होने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले थाना दिवस पर प्राप्त शिकायतों के आलोक में उसका त्वरित निष्पादन करना सुनिश्चित करे।

बागमती के सुरक्षा तटबंध में रिसाव से मचा हड़कंप

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला के गायघाट प्रखंड क्षेत्र के पिरौंछा गांव में बाढ़ का पानी का दबाव बना हुआ है। बांध में कई जगहों पर अचानक रिसाव होने लगा। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रखंड उप प्रमुख जय प्रकाश सिंह ने बताया कि कांटा पिरौंछा उतरी पंचायत के वार्ड संख्या चार में माने सिंह व भोगी सिंह के घर के समीप एक तरफ बागमती नदी का पानी भरा हुआ है। गुरूवार की दोपहर बांध में अचानक रिसाव होने लगा। इसके बाद बीडीओ व अंचलाधिकारी को इस घटना की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे जल संसाधन विभाग की टीम बांध की सुरक्षा में जुटी हुई हैं। बताया कि यह बांध टूट गई तो लगभग पांच सौ परिवार तबाह हो जाएंगे। बागमती नदी की जलस्तर में लगातार उतार- चढ़ाव जारी है। जिस वजह से यह समस्या उत्पन्न हो रही है। इधर कांटा पिरौंछा दक्षणी पंचायत के महुआरा मन्दिर के समीप पानी ओवर फ्लो हो गया। इसके बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोग बांध की मरम्मत में जुट गए। पंचायत समिति सदस्या रीना देवी ने बताया कि जिस तरह से बागमती नदी के जलस्तर में उतार चढाव हो रहा है, इस तरह कभी भी सुरक्षा बांध टूट सकता है। बताया कि इसकी सूचना बीडीओ व सीओ को दी गई, लेकिन अबतक न कोई जांच करने पहुंचे हैं और नही कोई कार्रवाई हुई है।

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर निकाली गई विशाल कलश शोभा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)।अलीनगर विधानसभा के इजरहट्टा गांव में आयोजित शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा को लेकर गुरुवार को विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गई। पूजा की शुरूआत 351 कन्याओं द्वारा कलश में जल भरकर एवं पुरोहित विभाकर पंडित के द्वारा वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ कलश यात्रा का आरंभ किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला श्रद्धालु शामिल रहे। इस मौके पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। उन्होंने कलश यात्रा की शुरूआत फीता काटकर किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जी ने कहा कि इस साल शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर से लेकर 12 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। नौ दिनों तक चलने वाला यह महापर्व देवी दुर्गा की पूजा अर्चना के लिए समर्पित होता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधिवत पूजा की जाती है। इस दौरान उपवास, देवी के मंत्रो का जाप और दुर्गा सप्तशती का पाठ करने की भी परंपरा है। उन्होंने आगे कहा कि नवरात्रि के पावन दिनों में हर घर में विशेष रूप से कलश स्थापना अखंड ज्योति और कन्या पूजन जैसी धार्मिक क्रियाएं की जाती है। धार्मिक अनुष्ठान से लोगों के जीवन में जहां सद्गुणों का संचार होता है। वहीं समाज में शांति और सद्भावना आती है। जिला अध्यक्ष जी ने कलश यात्रा को लेकर कहा कि कलश सुख-समृद्धि का प्रतीक है। जो लोग कलश यात्रा में जाते हैं, सुख समृद्धि उनका साथ कभी नहीं छोड़ता और ऐसे लोग माता की विशेष कृपा के पात्र माने जाते हैं। उन्होंने इस पावन पर्व के मौके पर लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इस यात्रा में पूजा समिति के अध्यक्ष सत्तो साहू, मुखिया टुनटुन साहू, ठेंगहा पंचायत के मुखिया सियाराम ठाकुर, पूजा समिति के सचिव मनोज यादव, पंचायत समिति भगवान यादव, सरपंच केदारनाथ पूर्वे, विजय यादव, नवीन साहू, कामिनी कुमारी, शोभा कुमारी, उषा कुमारी एवं पूजा कुमारी के साथ साथ सैकड़ों श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

वैष्णवी दुर्गा पूजा कलश शोभा यात्रा को फीता काटकर उद्घाटन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी शुक्रवार से नवरात्रा दुर्गा पूजा को लेकर कलश शोभा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया.वही नव यात्रा दुर्गा पूजा के अवसर पर श्री - श्री - 108 मां वैष्णवी दुर्गा पूजा समिति खजौली गांव के अध्यक्ष ललित कुमार महतो के नेतृत्व में 351 कन्याएं का भव्य कलश शोभा यात्रा निकाला गया.इस भव्य कलश शोभा यात्रा का फीता काटकर प्रसिद्ध स्वर्ण व्यावसायिक व प्रदेश भाजपा नेता अमरनाथ प्रसाद पूजा समिति के अध्यक्ष , निदेशक, सचिव ,कोषाध्यक्ष ,पूजा प्रभारी द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन कर भव्य कलश शोभा यात्रा का रवाना किया गया . कलश शोभा उद्घाटन के बाद गाजे बाजे के साथ मां दुर्गा जी के जय कारा लगाते हुए खजौली मल्लिक टोल कन्हौली गांव होते हुए चतरा कमला नदी घाट पर सभी कलश यात्री पवित्र नदी जल बोझ कर पुनः वापस मां वैष्णवी दुर्गा पूजा स्थल पर पहुंच कर पंडित पंकज झा द्वारा पुजारी सत्यनारायण महतो को वैदिक मंत्र उच्चारण करके सभी कलश को पूजा पंडाल में स्थापना कराया गया.साथ ही लगमा गुरुकुल के विद्वान पंडितो द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना शुरू की गई.इस दौरान अमरनाथ प्रसाद ने कहा की मां दुर्गा की असीम कृपा से सभी भक्त जनों को हमेशा मां भगवती दिया दृष्टि बने रहने की मनोकामना की.वही श्री- श्री 108 महा वैष्णवी दुर्गा पूजा समिति रसीदपुर हाई स्कूल रसीदपुर, फूलचनिया चौक स्थित 551 कन्याएं के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकाला गया. कलश शोभा यात्रा का फीता काटकर मुख्य आचार्य प्रबोध झा अध्यक्ष, समाजसेवी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया.इस मौके कमेटी के सदस्य समाज सेवी, ग्रामीण ,पंडित ,सहित संपूर्ण रसीदपुर ग्रामवासी मोजूद रहे

वेतरकीब मिट्टी कटाई से हो रहे हैं हादसे

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर अंचल क्षेत्र में जेसीबी से मिट्टी कटाई करने का कोई मानक तय नहीं है।लोग अपनी निजी जमीन में इस कदर मिट्टी की कटाई जेसीबी से करवाते हैं कि वह जगह मौत का कुआं बन जाता है। लोग अंधाधुन मिट्टी की कटाई अपने निजी उद्देश्य के लिए कम, बिक्री के उद्देश्य से ज्यादे करवाते हैं। खेतों में इस कदर 10 से लेकर 15 फीट गहराई तक मिट्टी की कटाई कर मिट्टी बेच लेते हैं। परंतु इस ओर किसी का ध्यान नहीं जाता है। चुकी मिट्टी बेचने वालों की संख्या बहुतायत में है। अंचल क्षेत्र के विभिन्न चौरों में जेसीबी से मिट्टी कटाई के कारण बने गहरे गड्ढे की पता ही नहीं चलता कि इसकी गहराई कितनी है। फलतः किसी काम अथवा शौच के वास्ते जो इस गड्ढे के निकट जाते हैं वे हादसे का शिकार हो जाते हैं। अगर सरकारी नियमानुसार जेसीबी से मिट्टी की कटाई की जाती तो इतने गहरे गड्ढे मिट्टी की कटाई नहीं होती और इस तरह का हादसा नहीं होता। थाना क्षेत्र के चकहबीब पंचायत के शाहपुर परोही गांव में जेसीबी से कटे गहरे गड्ढे में डूबकर छात्रा मंजुला कुमारी की मौत कोई पहली घटना नहीं है। थाना क्षेत्र अंतर्गत ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जो जेसीबी से खोदे गड्ढे में डूबने से हो चुकी है। इसी वर्ष 1 अप्रैल को थाना क्षेत्र के आलमपुर कोदरिया पंचायत के नरकटिया चौर में जेसीबी से खोदे गड्ढे में एक छात्रा की डूबकर मौत हो गई थी। करीब 12 घंटे बाद उसकी लाश गड्ढे में उपलाती मिली थी। मृतका छात्र नैना कुमारी भी घास लेने के लिए चौर में निकली थी और वह लापता हो गई थी। दूसरे दिन जेसीबी से खोदे गड्ढे में उपलाती उसकी लाश मिली थी। यदि जेसीबी से मिट्टी काटने कि सरकारी मापदंड पर लोग खड़े नहीं उतरते हैं तो इस तरह के हादसे प्रायः होते रहेंगे।

घरों से लेकर मंदिरों व पंडालों में मां दुर्गा की पूजा अर्चना शुरू, नरहन में निकली कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर शारदीय नवरात्रा महाअनुष्ठान में आज कलश स्थापना के साथ ही घर-घर में दुर्गा शप्तशती का पाठ शुरू हो गया है। वही प्रखंड के नरहन बड़ी दुर्गा पूजा समिति की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। जो बूढ़ी गंडक नदी से जल भरकर नरहन बाजार के विभिन्न मुहल्ले से होकर मंदिर परिसर में पहुँचकर कलश स्थापित किया गया। कलश यात्रा का नेतृत्व प्रभु नारायण राय, शंभु कुमार राय, राज कुमार दास, शोभाकांत राय, घनश्याम राय आदि कर रहे थे। प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्रा के प्रथम दिन आज गुरुवार को पहले दिन घरों से लेकर मंदिरों व पंडालों में कलश व मां दुर्गा की प्रतिमा अथवा फोटो स्थापित कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। जगह-जगह दुर्गा पूजा के लिए भव्य पंडाल सजाए जा रहे हैं। वहीं मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने जुटे हुए हैं। प्रखंड क्षेत्र में कल्याणपुर, मुस्तफापुर, चकहवीब, सिंघियाघाट, नरहन, बेलसंडीतारा, पतैलिया, माधोपुर, चकविदौलिया, टभका, नरहन, साखमोहन, देशरी, कर्रख आदि सहित लगभग सभी पंचायत में मां दुर्गा की प्रतिमा मंदिरों व पंडालों स्थापित की गई। मेले की भी तैयारी जोरों पर है। वही प्रशासन की ओर से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सख्त हिदायत दी गई है। सिंघियाघाट, माधोपुर, मुस्तफापुर आदि जगहों पर रावण दहन का कार्यक्रम और कल्याणपुर दैंता पोखर भीम अखाड़ा के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता को लेकर अधिक भीड़ जुटने को लेकर प्रशासनिक तैयारी भी विशेष रूप से की गई है। जगह-जगह पर लगातार आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शुरू हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

जिला के प्रभारी जिला संचालन समिति की बैठक एवं काकन में शराबबंदी पर निर्धारित कार्यक्रम में होंगे शामिल

जमुई बिहार सरकार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा 04 अक्टूबर शुक्रवार को पूर्वाहन 11:00 बजे समाहरणालय के संवाद कक्ष में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की जिला संचालन समिति की बैठक में भाग लेंगे । बिहार सरकार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा संवाद कक्ष में बैठक के बाद जमुई प्रखंड अंतर्गत अपराह्न 1:30 बजे काकन गांव जाएंगे और महादलित बस्ती में शराबबंदी पर कला जत्था एवं जीविका के द्वारा आयोजित जागरूकता अभियान में हिस्सा लेंगे। वे लोगों को शराबबंदी के लाभ को गिनाएंगे और लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

गिद्धौर के महुली गांव में स्थित आईटीआई कॉलेज का दो मंजिला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

फीता काटकर उद्घाटन किया विधायक दामोदर रावत व अन्य

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत महुली गांव में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का दो मंजिला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किये जाने के बाद परिसर में उद्घाटन शिलापट्ट लगाया गया। वहीं स्थानीय झाझा विधायक दामोदर रावत के द्वारा फीता काटकर प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास किया गया। इस ऐतिहासिक पल को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर संस्थान के प्रिंसिपल श्याम नंदन प्रसाद,मुख्य अनुदेशक मोहम्मद जावेद अहमद एवं राजेंद्र कुमार,नीतीश कुमार,भास्कर भूषण, संदीप कुमार सिंह,हिमांशु शेखर, जदयू नेता शैलेंद्र रावत,जय नंदन सिंह,कृष्णा रावत,हीरा सिंह,प्रमोद मंडल,शिवेंदु कुमार,विक्की कुमार आदि मौजूद रहे। मौके पर विधायक दामोदर रावत ने कहा कि विद्यार्थियों का हाई लेवल स्किल डेवलपमेंट हो पाएगा एवं युवाओं को नौकरी पाने में मददगार साबित होगा। बता दे की इस औधौगिक प्रशिक्षण संस्थान के क्षेत्र व आसपास के छात्रों को अपने इलाके में ही अपना भविष्य संवारने का मौका मिल रहा है। साथ ही इस संस्थान के खुलने से तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र का सपना पूरा हो रहा है। और अब उन्हें तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है। वहीं उक्त प्रशिक्षण केंद्र दो मंजिला होने पर छात्रों को और लाभ मिलेगा।

नल जल योजना की टूटी पाइप से रोजाना बर्बाद हो रहे हैं हजारों लीटर पानी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या है। जल संरक्षण को लेकर शासन-प्रशासन गंभीर तो है लेकिन जमीनी स्तर पर यह उतर नहीं पाई है। सरकार इसके संरक्षण के लिए जल-जीवन-हरियाली सहित अन्य कई योजनाएं चला रखी है। जबकि प्रत्येक घरों को नल का जल देने के लिए मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल योजना संचालित है। घरों में सही तरीके से पानी मिल रहा है या नहीं यह देखने वाला कोई नहीं है। नल जल योजना का पानी बेतरतीब तरीके से सड़कों पर बहाया जा रहा है। अनदेखी की वजह से जल की बर्बादी खुलेआम हो रही है। गिद्धौर प्रखंड के अंतर्गत रतनपुर पंचायत की वार्ड संख्या 02 में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल योजना पानी की बर्बादी का सबब बना हुआ है। पीएचडी विभाग के द्वारा बिछाई गई नल जल योजना की पाइप जगह-जगह से लीकेज है जिससे प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है उक्त वार्ड में करीब 1 साल पहले ही पाइप बिछाया गया था लेकिन गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने कारण पाइप कई जगह से लीकेज होने लगी है। कई जगह पर नल जल योजना का पाइप टूटा हुआ है जिसके कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी सड़के एवं गलियों में बह रहा है जिससे जगह-जगह पर पानी का जल जमाव हो गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पीएचडी विभाग के लापरवाही कारण यहां पानी की बर्बादी हो रही है जबकि मामूली खर्च में टूटे हुए पाइप की मरमती करकर प्रतिदिन हजारो लीटर हो रही पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है। पाइप लीकेज होने के कारण पानी का प्रेशर भी कम रहता है जिस कारण मोहल्ले में पानी सही से नहीं पहुंचता है। जबकि नियमित पानी भी नहीं आने से लोगों को परेशानी होती है।

खनन टीम के द्वारा अवैध खनन को रोकने के लिए लगातार छापेमारी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निदेर्शानुसार खनन टीम द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को रोकने के लिए लगातार छापमारी अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा द्वारा बताया गया कि सितंबर माह में खनन टीम द्वारा कुल 79 छापामारी, 7 प्राथमिकी एवं 2 गिरफ्तारी की गई और अवैध खनन तथा परिवहन में प्रयुक्त कुल 11 वाहनों को जप्त कर लिया गया। जप्त वाहनों में से पांच गाड़ियां कोयले की हैं, जिन्हें जिला स्तरीय संयुक्त छापेमारी दल के द्वारा जप्त किया गया । इस माह में अब तक कुल 36.15 लाख रुपए का दंड की राशि वसूल की गई है। जिले के सभी बालू भंडारणों की सघन जांच की जा रही है, अभी तक कुल 9 बालू भंडारणों की जांच ड्रोन के माध्यम से करवाई गई है तथा बालू भंडारणों में विसंगति पाए जाने पर कुल 1654690.00 रुपए का दंड अधिरोपित किया गया है। बालू के शेष भंडारणों की सघन जांच तथा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर त्वरित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

चोरों का आतंक जारी तीन दुकानों के ताले तोड़ लाखों की चोरी, एक दुकान की ताला तोड़ने में चोर नाकाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- चंद्रदीप थाना क्षेत्र के झप्पू मोड़ के समीप इन दिनों चोरों का आतंक फैला हुआ है। चोरों ने जमकर धमा-चौकड़ी मचाई। चंद्रदीप झप्पू मोड़ दरावां सड़क मार्ग पर बीते बुधवार रात्रि में अज्ञात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए एक साईकल पाट्र्स की गूंगटी एक जेन्स पार्लर, और एक जेनरल स्टोर की ताले तोड़कर नगद सहित लाखों की सामान चोरी कर लिया । चौथा दुकान का ताला तोड़ने में चोर नाकाम रहा,दुकानदारों को घटना की सूचना सुबह मिलने पर सभी दुकानदारों में अफरातफरी मच गया। वहीं दुकानदार सुधीर ठाकुर , प्रमोद कुमार, रिशुल रविदास,प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की हमलोग रोज की तरह शाम मे अपना अपना दुकान बंदकर घर गए थे। लेकिन बुधवार की रात्रि मे कई दुकान की ताला तोड़ नगद सहित लाखो का सामान चुरा लिया वहीं रिशुल रविदास ने कहा की मै विगत दस वर्षो से गूंगटी मे साईकल पाट्र्स एव मरम्मती दुकान चला कर अपना परिवार का भरण पोषण कर रहा था। अपने परिवार का जीवन यापन का मात्र यही गूंगटी सहारा था,जिसे रात्रि मे चोरो ने गूंगटी मे रखा हावा भरने वाली बडी मशीन एवं सारा सामान के साथ पचीस सौ नगदी भी ले भागा। चार दिन पहले भी एक दुकान मे चोरी हुई थी, चारो दुकान मिलाकर लाखो रुपए की सामान चोरो ने चुराई,सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची, और जानकारी ली। इस घटना के बाद दुकानदारों में रोष व्याप्त है जिसको लेकर दुकानदारो ने थाने मे आवेदन देकर,ठोस कदम उठाने एवं गस्ती करने का निवेदन किया, वहीं इस सम्बन्ध मे थाना अध्यक्ष राजेंद्र सह ने बताया की झप्पू मोड़ स्थित तीन दुकानों मे चोरी की घटना हुई,इसको लेकर झप्पू मोड़ पे चौकीदार की तैयनाती किया जायेगा,और इस मामले मे पुलिस छानबीन में जुट गई।

प्रारंभ हुआ शारदीय नवरात्र कलश स्थापना के साथ प्रखंड क्षेत्र का वातावरण बना भक्तिमय

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र में सभी दुगार्मंदिर में बड़ी संख्या में कलश स्थापना करने वाले श्रद्धालुओं की भीड लगी रही। रेलवे इंडियन इंस्टीच्यूट, बड़ी दुर्गा मंदिर, बारोवारी दुर्गा मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य दुर्गा मंदिर के अलावे घरों में भी कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा विधि विधान के साथ करते हुए सुखमय जीवन की कामना किया। तक का पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है और हर जगह मईया दुर्गा की भक्ति भजनों से मंत्रमुंग्ध हो रहे है। या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्ए नमस्तस्ए नमस्तस्ए नमों नमः के मंत्रोच्चारण के साथ नगर क्षेत्र के अलावे पूरे प्रखंड क्षेत्र में कलश व घट स्थापना कर शारदीय नवरात्र को श्रद्धालुओं के द्वारा विधि विधान के साथ प्रारंभ किया गया। रेलवे इंडियन इंस्टीच्यूट, बड़ी दुर्गा मंदिर, बारोवारी दुर्गा मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य दुर्गा मंदिर के अलावे घरों में भी कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा विधि विधान के साथ करते हुए सुखमय जीवन की कामना किया।

विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में स्वच्छता सेवा 2024 अभियान चलाया गया

मुंगेर। पटना उच्च न्यायालय पटना के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुंगेर के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय एवं एडीआर भवन मुंगेर परिसर में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान चलाया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आलोक गुप्ता जिला एवं सत्र न्यायाधीश व्यवहार न्यायालय मुंगेर के द्वारा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा चलाया गया है जिसे हम लोगों को अपने में उतरने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत स्तर पर स्वच्छता को अपना कर ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है इस अवसर पर अरविंद कुमार शर्मा प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अवनीश कुमार द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम प्रवाल दत्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय श्रीमती रूम्पा कुमारी अपर मोजूद थे।

खेत में मिला एक युवक का शव, पुलिस जुटी छानबीन में

- मृतक बुधवार की शाम को अपने घर से निकला था बाहर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] गुरूवार की सुबह एक युवक का शव मिला । जिससे आसपास के क्षेत्रों में लोगों के बीच शव मिलने की सूचना आग की तरह फैल गई । बुधवार की शाम को अपने घर से निकले एक युवक का शव घर से महज एक किलोमीटर दूर स्थित एक खेत में मिला। मृतक के एक कान के पास जख्म का निशान भी पाया गया। शव की शिनाख्त के बाद पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ किया लेकिन ग्रामीणों के द्वारा बताया कि सुबह में कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ा तो हो हल्ला हुआ। जिसके बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर लग गई और लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दिया। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय सिंह, पुअनि नंदन राय दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जें में लेकर शव की शिनाख्त कि तो मृतक की पहचान गोंगाकुरा मांझी टोला के वार्ड संख्या एक के रहने दौरिक मांझी का 35 वर्षीय पुत्र संजय मांझी के रूप में हुई। घटना स्थल पर एफएसएल टीम भी पहुंची और घटना स्थल पर साक्ष्य जुटाया। एसडीपीओ ने बताया कि खेत में शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची तो पहले अज्ञात लगा लेकिन आसपास के लोगों से पूछताछ में शव की शिनाख्त हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि प्रथम दृष्टी से ऐसा प्रतित होता है कि तेजधार हथियार से सिर पर प्रहार कर हत्या किया गया। फिलहाल पुलिस हत्या का क्या कारण सहित अन्य बिंदुओं पर पुलिस अनुसंधान करने में जुटी हुई है ताकि हत्या का कारण और घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान कर पूरी सच्चाई सामने आए। घटना सुनकर मृतक की बहन मौके स्थल पर पहुंची जिससे पुलिस ने उनसे हर बिंदुओं पर पूछताछ किया। मृतक की बहन ने बताया कि संजय बुधवार की शाम लगभग सात बजे घर से निकला था जिसके बाद घरवालों को लगा कि संजय कहीं गया हो गया लेकिन रात्रि में संजय के घर नही आने पर घरवालों ने खोजबीन भी किया। वही गुरूवार की सुबह हमलोगों को संजय का शव मिलने की जानकारी मिली।

वृद्ध जन सम्मान समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत संग्रामपुर के कार्यालय में वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज ने किया। कार्यक्रम के मौके पर उपस्थित नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आए वृद्ध जन को नगर पंचायत संग्रामपुर के कार्यपालक पदाधिकारी सहित नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। वृद्ध जनों को सम्मानित करते हुए कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज ने कहा कि वर्तमान दौर में हमारे परिवार व समाज के बाद संस्कृति तेजी से हावी होती जा रही है । लिहाजा हमारे बुजुर्ग उत्पीड़न,उपेक्षा व हिंसा के शिकार हो रहें हैं । बुजुर्गों के हित में काम करना सरकार के साथ साथ समाज की भी नैतिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि वृद्ध जनों को सम्मानित कर अपने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सहायक और समावेशी समाज बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है। जिससे वह सम्मान और प्यार के साथ-साथ गरिमामई जीवन व्यतीत कर सके। नगर पंचायत संग्रामपुर प्रशासन लगातार वृद्ध जनों के लिए सरकार के तरफ से दिए जाने वाले सुविधाओं को धरातल पर लाने का काम करेगी और समाज के सभी वृद्ध जनों को सरकारी सेवाओं का लाभ मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा वही इस मौके पर समाजसेवी नंदकिशोर यादव, वार्ड पार्षद मुकेश कुमार राजेश केसरी सहित क्षेत्र से आए वृद्ध जन नगर पंचायत कर्मी उपस्थित थे।

युवक के खाते से साइबर अपराधियों ने 3 लाख 43 हजार का किया लेनदेन

प्रात : किरण संवाददाता

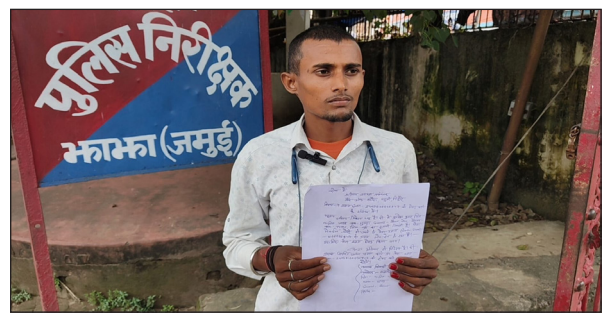

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के बैजला पंचायत के जुगड़ा गांव के रहने वाले कमलेश कुमार ने थाना में आवेदन दिया। एक युवक का मोबाइल चोरी होने के बाद उसके मोबाइल नंबर का उपयोग करते हुए साइबर अपराधी ने उसके खाते से रूपए का लेन देन किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने बताया कि मै बर्द्धमान में वाहन चलाने का काम करता हूं और बीते 5 अगस्त को मिथिला एक्सप्रेस से झाझा आ रहा था कि तभी झाझा रेलवे स्टेशन के गाड़ी घुसतें ही दो-तीन युवक मेरा मोबाइल छिनकर भाग निकला जिसकी शिकायत जीआरपी थाना में किया गया। युवक ने बताया कि मैने सीम को बंद करवा दिया था लेकिन मेरे खाते से साईबर अपराधियों ने लेन देन का कार्य जारी रखा था। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने युवक का आवेदन लेते हुए साइबर थाना में इसकी जानकारी युवक को देने के लिए कहा। उसके बाद 6 अगस्त को पहली बार मेरे खाते में 1 रूपए का लेन देन हुआ जिसका मैसेज मेरे ईमेल पर आया और उसके बाद अलग अलग तिथियों में मेरे मोबाइल का उपयोग करते हुए साइबर अपराधियों ने मोटी रकम का लेनदेन जारी रखा जिसका मैसेज लगातार ईमेल पर आ रहा था उसके बाद ईमेल के माध्यम से चार सितंबर तक मेरे खाते पर कुल 343803 रूपए का लेन देन हुआ है। युवक ने बताया कि मेरा खाता एसबीआई झाझा शाखा का है जिसका आधार कार्ड और मेरे ईमेल, मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ ह। फिलहाल झाझा पुलिस मामले की छानबीन प्रक्रिया में जुट चुकी है।

शारदीय नवरात्र को ले 501 कन्याओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- प्रखंड के विभिन्न गाँवों में दुर्गा मां की हर वर्ष प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना बड़े हर्षोल्लास के साथ की जाती है नवरात्रा का पर्व भक्ति, उमंग और श्रद्धा का प्रमुख प्रतीक है। यह नौ दिनों का त्योहार देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रा को लेकर गुरुवार को पूरे प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। इस दौरान अलीगंज अंदर बाजार स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर एवं सोनखार गांव स्थित दुर्गा महारानी मंदिर के पूजा समिति के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा 501 कन्याओं द्वारा निकाली गई। इससे पहले पुजारियों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर से भ्रमण करते हुए अलीगंज बाजार होते हुए मानपुर कैलाश धाम पहुंचकर 501 महिलाएं एवं कुमारी कन्याओं ने जल भरा, इस दौरान गाजे-बाजे के साथ निकले कलश यात्रा में महिलाएं व युवतियों ने पूरे आस्था के साथ सिर पर कलश लिए निकली। भक्तों के जयकारों के साथ नवरात्र के प्रसिद्ध भजनों से पूरा अलीगंज बाजार गुंजायमान होता रहा। और युवतियों द्वारा डांडिया खेलती नजर आई वहीं कलश शोभा यात्रा में शामिल युवाओं की भीड़ जय दुर्गे, जय भवानी उद्घोष करते चल रहे थे। वहीं युवाओं ने भगवान के रूप धारण कर झूमते नजर आये,मां आदि शक्ति के प्रति मन मे श्रद्धाभाव लेकर निकले कलश यात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक रूप से नवरात्र को लेकर निकले कलश यात्रा का दृश्य अलौकिक छटा बिखेरता दिखा। कलश यात्रा जिस-जिस रास्ते से गुजरी उन रास्तों पर भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय रहा। घर मे रह रही महिलाएं व बच्चे कलश यात्रा को देखने बाहर खड़े नजर आए। सिर पर कलश मुख में मां भगवती का जयकारा, महिलाएं व युवतियों ने मौके पर पूरे अलीगंज बाजार का भ्रमण कर अंदर बाजार पुरानी दुर्गा मंदिर व सोनखार दुर्गा मंदिर पहुंची। नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने दुर्गा मां के प्रथम स्वरूप शैलदेवी की पूजा अर्चना की। इसके साथ हीं पूजा पंडालों, मंदिरों व घरों में दुर्गा सप्तशती के मंत्र गूंजने लगे हैं। जिससे संपूर्ण क्षेत्र में वातावरण भक्तिमय हो चला है। इस दौरान प्रखंड के इस्लामनगर,अवगिला चौरासा,नोनी,मैनाचातार,ताजपुर, कैयार सहित अन्य कई गांवों में भी पूजा समिति के द्वारा कलश यात्रा निकालकर मां दुर्गा की पूजा आराधना प्रारंभ की गई। वहीं पूजा समिति अध्यक्ष मनोज मेहता, रुद्रनारायण सिंह ने कहा की अलीगंज मे बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ कई वर्षो से माँ दुर्गा की भव्य मूर्तियाँ स्थापित की जाती हैं।और भव्य मेले का आयोजन होता है,भक्त नौ दिनों तक व्रत रखते हैं, मां दुर्गा के विभिन्न रूपों का पूजन करते हैं, और देवी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इसके साथ ही भजन, कीर्तन और दुर्गाऔर पूरे समाज में उत्सव का माहौल रहता है। सप्तशती का पाठ भी होता है। नवरात्रि के अंतिम दिन को ह्यविजयादशमीह्न या ह्यदशहराह्न के रूप में मनाया जाता है, जो अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर रावण दहन किया जाता है, जो राम की रावण पर विजय का प्रतीक होता है।नवरात्रि का यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि समाज में उत्साह, एकता और सामूहिकता का भी प्रतीक है।

मां पतसंडा वाली दुर्गा को दंडवत देने से भक्तों का होता है कल्याण

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर के ऐतिहासिक मां दुर्गा मंदिर परिसर में मां के अराधना को लेकर बिहार व झारखंड के श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया है। नवरात्र के अवसर पर कलश स्थापना से महानवमी तक पौराणिक काल से चली आ रही है। दंडवत देने की प्रथा व मां भगवती के प्रति असीम आस्था के साथ प्रथम पूजा को दंडवत देने आए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गे की भक्ति में लीन हो उन्हें नमन कर कंचन काया व अपने स्वजनों के लिए कुशल व मंगल जीवन की कामना की। सदियों से चली आ रही इस दंडवत देने की प्रथा को लेकर इस इलाके में एक ही कहावत प्रचलित है गिद्धौर के पावन उलाय नदी तट पर स्नान ध्यान कर मां को दंड प्रणाम करने से मां परसंडा अपने भक्तों के सारे कष्टो को हर लेती है। और सच्ची मन से भक्तों द्वारा मांगी हर मुराद को मां पुरी करती है। दशहरे में दंडवत देने के लिये दूरदराज से आ रहे श्रद्धालुओं में बच्चे, जवान व बुढे सभी एकाग्रचित होकर मां परसंडा की भक्ति में लीन हो जाते है। ऐसा माना जाता है कि जैन धर्म में वर्णित उज्वलिया नदी वर्तमान में उलाय नदी व नाग्नी नदी के संगम जल में स्नान कर जो दंपति मां को दंड प्रणाम करते है उन्हें गुणवान पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। इस तरह से पौराणिक काल से ही कई धार्मिक ग्रंथों में भी गिद्धौर के मां दुर्गा मंदिर की ऐतिहासिकता का भी वर्णन है। दंडवत देने आनेवाले श्रद्धालुओं द्वारा दंडवत देने के उपरांत फुल, बेलपत्र सहित कई तरह के नवैद्यो को अर्पण कर मां परसंडा की पुजा अर्चना करते है। दंडवत देने की यह प्रथा प्रथम पूजा से लेकर महानवमी तक अनवरत चलती रहती है।

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिवस मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। 02 अक्टूबर को किला क्षेत्र स्थित शहीद स्मारक भवन मुंगेर में राष्ट्र के दो महान विभूति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 155वां एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी लाल बहादुर शास्त्री जी का 120 वां जयंती के अवसर पर प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा मुंगेर की तरफ से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा के संयोजक प्रोफेसर विनय कुमार सुमन एवं संचालन मोर्चा के सहसंयोजक मोहम्मद शकील अहमद ने किया। इस अवसर पर गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मोर्चा के संरक्षक नरेश सिंह यादव ने कहा यूं तो देश की आजादी में हजारों लोगों ने अपना प्राण निछावर किया तथा बहुतों ने अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध की देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाई। पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। इस अवसर पर पूर्व वार्ड पार्षद प्रकाश नारायण सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे माता-पिता दोनों स्वतंत्रता सेनानी थे अतः आजादी की लड़ाई को हमने नजदीक से देखा। लाल बहादुर शास्त्री अत्यंत निर्धन थे इसके बावजूद भी उन्होंने गांधी जी के आह्वाहन पर देश की आजादी की लड़ाई में अपनी पढ़ाई को अधूरी छोड़कर कूद परे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राम बहादुर यादव ने कहा गांधी जी जब पश्चिमी चंपारण की यात्रा पर आए हुए थे तो उनसे मिलने जो लोग आ रहे थे उनके पास मात्र एक धोती था परिणाम स्वरूप एक मिलकर जाता तो इस धोती को दूसरा पहनकर गांधी जी से मिलने आता इस बात की भनक जब गांधी जी को हुई तो उन्होंने उसी वक्त यह संकल्प लिया कि जब तक भारत के प्रत्येक नागरिक के तन को ढकने के लिए वस्त्र नहीं मिल जाता तब तक मैं एक धोती से ही अपना काम चलाऊंगा। इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षक संघ के जिला सचिव वकील राम एवं शंकर दास ने कहा गांधी जी स्वदेशी वस्तुओं का वकालत करते थे तथा विदेशी निर्मित सामानों का बहिष्कार करते थे। इस अवसर पर राजद विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल भूषण ने कहा कि साबरमती आश्रम में गांधी जी खुद अपने हाथों से सुत काटकर उससे बने कपड़े को धारण करते थे ताकि भारत के आम आवाम में देसी कपड़े के प्रति प्रेम बढ़े और लोग स्वावलंबी बने। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था पर आज देश का नेतृत्व गलत हाथों में चले जाने के कारण जवान एवं किसान दोनों परेशान हैं। अंत में श्रद्धांजलि सभा का अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा महात्मा गांधी के बगैर हम स्वतंत्र भारत की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। लाल बहादुर शास्त्री ने आजाद भारत में देश की सुरक्षा एवं खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता के लिए जय जवान जय किसान का नारा दिए थे। इस अवसर पर अशोक रजक, विजय कुमार गुप्ता, मोहम्मद कौसर फैयाज, अशोक चौधरी, नवल किशोर यादव, मंटू कुमार यादव, प्रकाश चंद्र, प्रशांत कुमार चौधरी, नवल यादव, छोटू कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इसलिए जरूरी है एक देश, एक चुनाव का विचार

तो आप कह सकते हैं कि एक देश, एक चुनाव से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे।

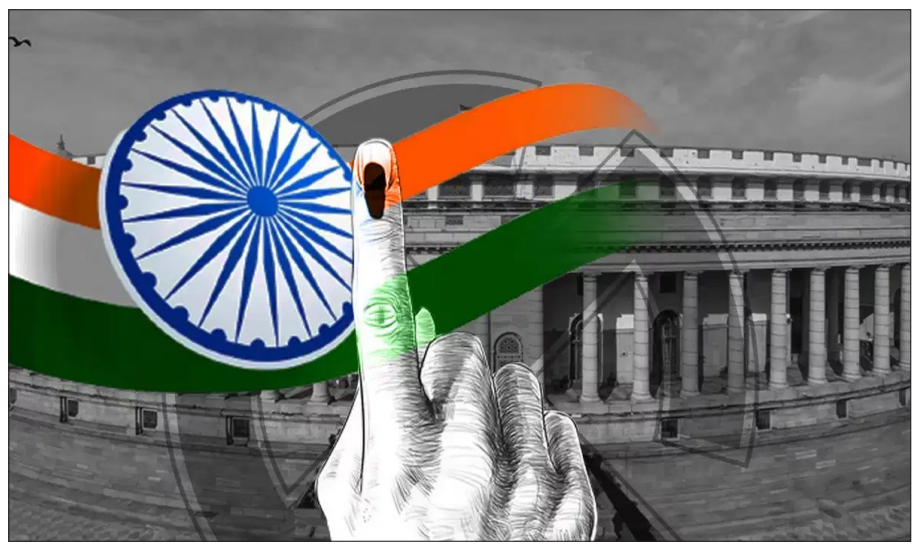

आर.के. सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

एक देश, एक चुनाव का सपना अब तो साकार होता नजर आ रहा है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। मतलब यह कि अब देश में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल की राह का सारा व्यवधान सारा सस्पेंस दूर हो गया है। पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने एक वक्तव्य में साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा। जैसे कि आपको ज्ञात ही होगा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे। अब कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी राजनीतिक मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी। सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी। इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा। फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार-बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि ह्यएक देश, एक चुनावह्ल के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़े। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से शामिल किया था। बेशक, एक साथ चुनाव कराने से चुनाव प्रक्रिया की चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, क्योंकि कई चुनावों के लिए बार-बार तैयारी और कार्यान्वयन करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्या आपको पता है कि कुछ माह पहले देश में हुए लोकसभा चुनाव में कितना खर्चा हुआ? 2024 के लोकसभा चुनाव पर 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब दोगुना से भी ज्यादा खर्चा आया। चुनावी खर्च पर रिपोर्ट जारी करने वाली गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने अनुमान लगाया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल खर्च 55 से 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस तरह देखा जाए तो इस बार दोगुने से भी ज्यादा पैसा चुनाव में खर्च किया गया है। अमेरिका ने भी साल 2020 में हुए राष्ट्रसपति चुनाव में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। क्या आपको पता है कि 1951-52 में भारत के पहले चुनाव के दौरान महज 10.5 करोड़ रुपये था? चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया प्रचार पर खर्च किया जाता है। भारतीय राजनेता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए असाधारण और नए-नए तरीके अपना रहे हैं। यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा। क्योंकि, सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर भी काम का दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि एक देश, एक चुनावह्ल से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक़्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने मनमाने ढ़ंग से राष्ट्रपति शासन लगा दिया। इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। वैसे यह बात भी है कि अगर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इसके लिए मौजूदा संख्या से तीन गुना ज्यादा ईवीएम की जरूरत पड़ेगी। लेकिन, वह तो एक बार ही होने वाला खर्च होगा। क्या बाकी देशों में भी ह्यएक देश, एक चुनावह्ल वाली व्यवस्था लागू है? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल वाली स्थिति हैं। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है। स्वीडन की संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव हर चार साल में एक साथ होते हैं। यहां तक कि नगरपालिका के चुनाव भी इन्हीं चुनावों के साथ होते हैं। वैसे तो कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के चुनाव हर चार साल में कराए जाते हैं, जिसके साथ कुछ ही प्रांत स्थानीय चुनाव को संघीय चुनाव के साथ कराते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत जैस देश के लिए ह्यएक देश, एक चुनावह्ल का विचार बहुत ही उपयुक्त और आदर्श है। पर दिक्कत यह है कि हमारे विपक्षी दल इतने शानदार विचार की बिना सोचे समझे राजनीतिक स्वार्थ साधने के चक्कर में निंदा करने लगे हैं। उम्मीद कीजिए कि वे भी अंत में सरकार का ही साथ देंगे।

रेल मंत्रालय ने 10,000 इंजनों पर कवच 4.0 लगाने को मंजूरी दी

भारतीय रेलवे द्वारा 16 जून, 2024 को कवच 4.0 संस्करण को मंजूरी दी गयी थी और कोटा और सवाई माधोपुर के बीच 108 किमी सेक्शन को दो महीने के भीतर यानी 26 सितंबर 2024 तक स्थापित और चालू कर दिया है। कवच 4.0 को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही भारतीय रेलवे की विशाल विविधता (रेगिस्तान से पहाड़ों तक; जंगलों से तटों तक; शहरों से गांवों तक) को डिजाइन में शामिल किया गया है। रेल मंत्री ने 24 सितंबर, 2024 को इसी खंड में कवच 4.0 के 7 भी किए। कम समय में हासिल की गई इस बड़ी उपलब्धि के साथ, रेलवे अब पूरे देश में मिशन मोड में कवच लगाना शुरू कर देगा। ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम (एटीपी) एक सुरक्षा प्रणाली है जिसका उपयोग रेल परिवहन में ट्रेनों को सुरक्षित गति से अधिक या खतरे में सिग्नल पास करने से रोकने के लिए किया जाता है। यह स्वचालित रूप से ट्रेन की गति को नियंत्रित करता है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यदि आवश्यक हो तो ब्रेक लगा सकता है। एटीपी प्रणाली आधुनिक रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो मानवीय त्रुटि के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करता है। दुनिया भर में ट्रेनों के संरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की सुरक्षा प्रणाली का विकास विभिन्न देशों में चरणबद्ध तरीके से की गयी है । उदाहरणस्वरूप यूएसए में पॉजिटिव ट्रेन कंट्रोल (पीटीसी) और अन्य कैब सिग्नलिंग सिस्टम 1980 में शुरू हुआ तथा 1990 के दशक में कई रेलमार्गों पर लगाया गया । वर्ष 2010 में, फेडरल रेल रोड प्रशासन द्वारा पीटीसी की तैनाती के लिए अंतिम नियम जारी किए गए। इसी तरह यूरोप ने अपने रेलवे में कई तरह की एटीपी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया। ये सभी प्रभावी थीं। लगभग सभी रेलवे प्रणालियों में 1980 और 1990 के दशक में एटीपी प्रणालियाँ स्थापित की गई थीं। हालाँकि, जब ट्रेनें एक देश से दूसरे देश की सीमा पार करती थीं, तो ड्राइवरों को एक एटीपी को बंद करके दूसरी एटीपी प्रणाली को चालू करना पड़ता था। इसलिए सभी देशों ने एटीपी प्रणालियों में सामंजस्य स्थापित करने का फैसला किया। तदनुसार, 21वीं सदी में यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण प्रणाली विकसित की गई। ऑस्ट्रेलिया में 1990 के दशक में एटीपी प्रणाली लागू की गई तो जापान में 1964 में शिंकानसेन एटीपी लागू किया गया। इसी तरह रूस में (एकीकृत ट्रेन नियंत्रण प्रणाली) 1988 में शुरू किया गया। भारत में सहायक चेतावनी प्रणाली (अहर) 1986 से मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में चालू की गई जो एक अल्पविकसित प्रणाली थी । यह एटीपी प्रणाली नहीं थी । इसके उपरांत जुलाई 2006 में पश्चिम बंगाल में अउऊ(टकराव रोधी उपकरण) प्रणाली चालू किया गया। यह ढर पर आधारित प्रणाली थी जिसमें गति नियंत्रण नहीं है। चालक के केबिन में सिग्नल प्रदर्शित नहीं होता। एसीडी के लिए कोई सुरक्षा प्रमाणन नहीं था। अंत में एसीडी विफल हो गई और 2012 में इसे छोड़ दिया गया। इसके उपरांत दिल्ली-आगरा रूट पर ट्रेन सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली (ळढहर) 2010 में शुरू हुआ तथा 2016 में पूरा हुआ जबकि चेन्नई उपनगरीय पर (2012 में शुरू, 2016 में पूरा हुआ) और कोलकाता मेट्रो पर उपलब्ध है। परंतु रेडियो आधारित प्रणाली नहीं होने के कारण परिचालन प्रभावित होता है, लाइन क्षमता कम हो जाती है और केबल बिछाने की बहुत आवश्यकता होती है और प्रति किमी लागत भी काफी अधिक होती है। फरवरी 2012 काकोडकर समिति द्वारा सिफारिश की गई कि भारतीय रेलवे को अत्याधुनिक डिजिटल रेडियो आधारित सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रणाली का लक्ष्य रखना चाहिए, जो कम से कम ईटीसीएस एल-2 की कार्यक्षमताओं के बराबर हो और पूरे भारतीय रेलवे में लागू हो। इस प्रकार एक वैकल्पिक, रेडियो आधारित, ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस अब कवच) के विकास की परिकल्पना एक स्वदेशी, बहु-विक्रेता, अंतर-संचालन योग्य, विफलता-सुरक्षित प्रणाली के रूप में की गई थी। इसके उपरांत 2014-15 में साउथ सेंट्रल रेलवे पर 250 किमी रेलखंड पर पायलट परियोजना की योजना बनाई गई तथा 2015-16 में यात्री ट्रेनों पर क्षेत्र परीक्षण किया गया और 2017-18 में कवच संस्करण 3.2 को अंतिम रूप दिया गया। वर्ष 2018-19 आईएसए के आधार पर आरडीएसओ द्वारा तीन फर्मों को मंजूरी दी गई तथा जुलाई 2020 में कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली घोषित किया गया। मार्च 2022 तक 1200 रूट किलोमीटर रेलखंड पर कवच की स्थापना के साथ ही भारतीय रेल पर कुल 1,465 रूट किमी पर कवच स्थापित किया गया है। अलग-अलग अनुभवों के आधार पर, मार्च, 2022 में बेहतर विश्वसनीयता और कार्यक्षमता के लिए कवच संस्करण 4.0 लागू किये जाने का निर्णय लिया गया। इसके उपरांत इतनी कम अवधि में, मिश्रित यातायात, गति अंतर, लोको की विविधता, भारतीय रेलवे पर कोचिंग और वैगन स्टॉक की विभिन्न चुनौतियों पर विचार करते हुए दिनांक 16.07.24 को कवच संस्करण 4.0 को मंजूरी दी गई ।

नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है

भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हे पति के रूप में प्राप्त अवश्य होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर घर लौट जाओ, शीघ्र ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं। इसके बाद माता घर लौट आई और कुछ दिनों बाद उनका विवाह महादेव शिव के साथ हो गया। मां ब्रह्मचारिणी का रूप काफी शांत और मोहक है। माना जाता है कि जो भक्त मां के इस रूप की पूजा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

लेखक

शारदीय नवरात्र नौ दिन का त्योहार है और प्रत्येक दिन मां दुर्गा के अलग- अलग रूप की स्तुति की जाती है। मां का प्रत्येक रूप अद्भुत और अद्वितीय शक्ति है। नवरात्र के पहले तीन दिन देवी दुर्गा के शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी और चन्द्रघंटा की पूजा होती है। फिर अगले तीन दिन माता की कोमल रूप का पूजा यानि मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता और मां कात्यायनी की पूजा होती है। उसके बाद अंतिम तीन दिन मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की दिव्य रूप की पूजा होती है। शारदीय नवरात्र का दूसरा दिन मां ब्रह्मचारिणी को समर्पित है। मां ब्रह्मचारिणी का रूप तपस्विनी का है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ होता है, तप का आचरण करने वाली। इनका स्वरूप अत्यंत तेजमय और भव्य है। मां ब्रह्मचारिणी अपने दाहिने हाथ में जप की माला और बाएं हाथ में कमंडल धारण करती हैं और श्वेत वस्त्र पहनती है। इनकी पूजा के दिन साधक का मन स्वाधिष्ठान चक्र में स्थित होता है। मां ब्रह्मचारिणी ने अपने पूर्व जन्म में राजा हिमालय के घर में पुत्री के रूप में जन्म ली थी और देवर्षि नारद के उपदेश से इन्होंने भगवान शंकर को अपने पति रूप में प्राप्त करने के लिए अत्यंत कठिन तपस्या की थी। एक हजार वर्ष उन्होंने केवल फल-मूल खाकर जीवन व्यतीत की थी और सौ वर्षों तक केवल शाक पर निर्वाह की थी। कुछ दिनों तक कठिन उपवास रहते हुए खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के भयानक कष्ट भी सही थी। वर्षों की इस कठिन तपस्या के कारण मां ब्रह्मचारिणी का शरीर एकदम क्षीण हो गया था, उनकी यह दशा देखकर उनकी माता मैना अत्यंत दुखी हुई और उन्होंने उन्हें इस कठिन तपस्या से विरक्त करने के लिए आवाज दी उ...मां तब से मां ब्रह्मचारिणी का एक नाम उमा भी हो गया। उनकी इस तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी मां ब्रह्मचारिणी की इस तपस्या को अभूतपूर्व पुण्यकृत्य बताते हुए उनकी सराहना करने लगे थे। ब्रह्मा जी ने आकाशवाणी के द्वारा उन्हें संबोधित करते हुए प्रसन्न स्वर में कहा था ह्ल देवी! आज तक किसी ने ऐसी कठोर तपस्या नहीं की जैसी तुमने की है। तुम्हारे इस कृत्य की चारों ओर सराहना हो रही हैं। तुम्हारी मनोकामना सर्वतोभावेन परिपूर्ण होगी। भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हे पति के रूप में प्राप्त अवश्य होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर घर लौट जाओ, शीघ्र ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं ह्ल इसके बाद माता घर लौट आई और कुछ दिनों बाद उनका विवाह महादेव शिव के साथ हो गया। मां ब्रह्मचारिणी का रूप काफी शांत और मोहक है। माना जाता है कि जो भक्त मां के इस रूप की पूजा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। मां का यह स्वरूप ब्रह्मचर्य का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर या शक्कर से बनी चीजों का भोग चढ़ाया जाता है। शक्कर से कई तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर से बनी खीर का भोग लगा जाता हैं। भोग में साबूदाना का खीर का भी भोग लगाया जाता हैं। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने के लिए सुबह उठकर स्नान कर साफ कपड़े पहनने के बाद मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय सबसे पहले हाथों में एक फूल लेकर उनका ध्यान कर और प्रार्थना कर, पंचामृत स्नान कराया जाता है। फिर अलग-अलग तरह के फूल,अक्षत, कुमकुम, सिन्दुर, अर्पित कर मां को सफेद और सुगंधित फूल चढ़ाया जाता है। इसके मां ब्रह्मचारिणी के इस मंत्र के साथ पूजा करना चाहिए :-

या देवी सर्वभेतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
दधाना कर मद्माभ्याम अक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

नवरात्र में भोजन के रूप में केवल गंगा जल और दूध का सेवन करना अति उत्तम माना जाता है, कागजी नींबू का भी प्रयोग किया जा सकता है। फलाहार पर रहना भी उत्तम माना जाता है। यदि फलाहार पर रहने में कठिनाई हो तो एक शाम अरवा भोजन में अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, और घी से बनी सब्जी का उपयोग किया जाता है।

अब ईरान दोहरे निशाने पर

अंततः ईरान ने पलटवार किया और इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। करीब 180 मिसाइलों का आक्रमण इजरायल पर किया गया, लेकिन उसकी वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम ने अधिकांश मिसाइलों का हमला नाकाम कर दिया। इसके बावजूद मध्य और दक्षिण इजरायल में कुछ मिसाइलें गिरीं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान का हमला आकस्मिक नहीं था। अमरीका इजरायल को सचेत कर चुका था और खुफिया एजेंसी ह्यमोसादह्ल की भी लीड्स मिल रही थीं कि ईरान बहुत जल्द हमला कर सकता है। चूंकि ईरान-इजरायल के दरमियान करीब 2000 किलोमीटर की दूरी है, लिहाजा इजरायल ने यथासमय रणनीति बना ली थी कि आक्रमण को किस तरह ध्वस्त करना है। इजरायल ने यथासमय अपने नागरिकों और निवासियों को भी बंकरों में चले जाने की सूचना दे दी थी। येरुशलम और तेल अवीव जैसे महत्वपूर्ण शहरों में सायरन गूंज रहे थे। भीषण विस्फोटों की आवाजें भी सुनी जा रही थीं। इजरायल छोटा-सा देश है, लेकिन उसका सुरक्षा-कवच वाकई अभेद्य है। आक्रमण कर ईरान ने अपनी कुंठा पूरी कर ली थी कि उसने हमास के मुखिया इस्माइल हनियेह, हिजबुल्लाह के सरगना नसरल्लाह और ईरान के एक कमांडर की हत्याओं का बदला ले लिया, लेकिन इजरायल की ताकत और लडे की क्षमता जस की तस बरकरार है। यही नहीं, इजरायल ने अपनी उत्तरी सीमा से सटे लेबनान में जमीनी ऑपरेशन शुरू कर हिजबुल्लाह के लड़ाई के कई ठिकानों को मिट्टी-मलबा भी कर दिया है। बीते 7 अक्तूबर, 2023 को हमास हमले के बाद उत्तरी इजरायल से 60, 000 से अधिक इजरायली नागरिकों ने पलायन किया था। अब इजरायल उस इलाके को हिजबुल्लाह-मुक्त कर अपने नागरिकों की वापसी तय करना चाहता है। आश्चर्य है कि लेबनान की सेना ने इजरायली ऑपरेशन के लिए रास्ता ही छोड़ दिया। आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायल इस जमीनी ऑपरेशन के जरिए लेबनान में हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूद कर देना चाहता है। बेशक ईरान का हमला स्वाभाविक था, क्योंकि पश्चिम एशिया में उसकी पुरानी धाक का सवाल था। प्रमुख इस्लामी देश भी इजरायल के खिलाफ, ईरान के साथ, नहीं हैं। बहरहाल हमला इतना सिलसिलेवार और जबरदस्त था कि अमरीका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडेन को तुरंत अपनी सुरक्षा-टीम को तलब करना पड़ा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रक्षा मंत्री से विमर्श कर तुरंत रणनीतियां तय की गईं और सेना को निर्देश दिया गया कि वह इजरायल की तरफ जाने वाली मिसाइलों, ड्रोन्स और अन्य विस्फोटकों को बेअसर करे, मार गिराए और इजरायल के अस्तित्व की रक्षा करे। इस हमले से पहले 14 अप्रैल, 2024 को भी ईरान ने 300 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से इजरायल पर हमला किया था। तब भी अमरीका ने उसकी सुरक्षा की थी। इस तरह ईरान-इजरायल टकराव में अमरीका का भी प्रवेश हो गया। इजरायली हमले की योजनाएं बनाई जा चुकी हैं। इजरायली सेना ने समय और स्थान की बात करते हुए कहा है कि ईरान पर पलटवार किया जाएगा। सवाल है कि क्या अब ईरान अमरीका और इजरायल के दोहरे निशाने पर आ गया है? क्या यहां से कथित युद्ध का विस्तार होगा और नए यौद्धिक समीकरण सामने आएंगे? अमरीका को ईरान का परमाणु कार्यक्रम चुभता रहा है। उसके सभी नक्शे अमरीका के पास हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में राजमाता बनी गौमाता

राकेश अचल

आप मानें या न मानें लेकिन मुझे ये लग रहा है कि देश के तमाम चौपाये गाय की किस्मत से जल-भुन रहे होंगे, क्योंकि उसे महाराष्ट्र की सरकार ने राजमाता घोषित कर दिया है। राजमाता कहिये या राज्य माता अर्थ एक ही है। ये सम्मान पाने के लिए पुराने सामंतों परिवारों की महिलाएं तरस जाया करतीं थीं। पशुओं में तो किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कलिकाल में जाकर गाय किसी राज्य की राजमाता बन जाएगी। मैं देश-दुनिया के तमाम चौपाया परिवार की ओर से गाय को इस सम्मान के लिए दिल से बधाई देता हूँ। गाय देश का सबसे निरीह चौपाया है, लेकिन भारतीय समाज में ह्यगायह्ल को माता का दर्जा हासिल है तो एक बड़े हिस्से में उसके मांस को बड़ी लज्जत के साथ भक्षण भी किया जाता है। सनातनी तो गाय की पूंछ पकड़ कर वैतरणी पार करने का यकीन रखते हैं। पहले ये विश्वास मनुष्यों तक सीमित था लेकिन अब सियासत में भी सियासी दल चुनावी वैतरणी पार करने के लिए ह्यगायह्ल को ठीक उसी तरह राजमाता बना रहे हैं जैसे की ह्यगधेह्ल को वक्त पड़ने पर बाप बनाया जाता है। वैसे ह्यगायह्ल और ह्यगधे कीह्ल राशि एक ही है किन्तु दोनों के बीच कोई तुलना, कोई बराबरी नहीं है। गाय को माता बनाया जाता है और गधे को बाप। ये सिद्धांत मेरे या आपके नहीं बल्कि भारतीय समाज के हैं। ये मान्यताएं भी सनातन ही समझिये। जबसे मनुष्य ने गाय और गधे को अपना सहचर बनाया है शायद तभी से ये मान्यताएं, ये कहावतें समाज में प्रचलित हैं। अब यदि ये प्रचलित हैं तो निश्चित ही इनका कोई आधार भी रहा होगा। फिलहाल बात गाय की हो रही है। गाय और गधे में केवल एक ही समानता है कि दोनों बड़े ही धैर्यवान हैं। हालाँकि दोनों को लात मारना आता है। गाय पर हमारे पुरखा पत्रकार स्वर्गीय राजेंद्र माथुर ने भी लिखा और साथी गिरीश पंकज ने भी। महात्मा गाँधी ने गाय के बजाय बकरी को प्राथमिकता दी, लेकिन उनकी कांग्रेस ने गाय को ही नहीं उसके बछड़े को और उसके पति बैल को भी सम्मान दिया। एक जमाना था जब कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी होता था और बाद में ये गाय-बछड़ा भी बना। इस सात्विक चौपाये ने कांग्रेस की हमेशा मदद की। कांग्रेस को अनेक बार चुनावी वैतरणी पार करायीं। कांग्रेस को हुए फायदे को देखकर अब महाराष्ट्र सरकार ने गाय को अपने सूबे की राजमाता घोषित कर दिया। ये इसलिए हुआ क्योंकि महाराष्ट्र नवंबर में विधानसभा के चुनाव होना हैं। गाय सबका सहारा होती है। जब हम सब छात्र हुआ करते थे तब गाय हमारा भी सहारा थी। परीक्षा में हर बार गाय पर निबंध लिखने का विकल्प होता था और हम बच्चे किसी और विषय पर निबंध लिखने के बजाय गाय पर निबंध लिखना पसंद करते थे। गाय केवल एक पशु ही नहीं बल्कि हमारी मान्यता भी है। हमारे समाज में गाय को सबसे सीधा चौपाया माना जाता है। उसके इसी स्वभाव की वजह से कहावत तक बन गयी। हमारे यहां अक्सर सीधे पुरुष और महिला को गाय ही कहा जाता है। कृषि प्रधान देश में एक जमाने में गाय को सचमुच राजमाताओं जैसा सम्मान मिलता था, क्योंकि वे कृषि के लिए बैल जनती थीं। उस जमाने में जिस किसान के घर जितनी ज्यादा गायें और जितनी ज्यादा बैल जोड़ियां होतीं थीं, उसे उतना समृद्ध माना जाता था। घर-घर में गौशालाएं थीं। तब गायों को सड़कों पर गलियों में आवारगी करने की न छूट थी और न मजबूरी। कालांतर में भारत कृषि प्रधान देश तो है किन्तु आज न किसानों का सम्मान है और न गायों का। अब खेती बैलों की जोड़ियों से नहीं मशीनों से होती है। बैलों की जगह ट्रेक्टरों ने ले ली है। कटाई मजदूरों के पेट पर हार्वेस्टर लात मार चुके हैं। ऐसे में गायों और बैलों का बेरोजगार और महत्वहीन होना स्वाभाविक है। अब गाय और बैल पाले कौन? आज के समय में तो आदमी के लिए अपना पेट पालना ही मुश्किल हो रहा है। 85 करोड़ लोग पेट पालने के लिए सरकार पर निर्भर हैं। सरकार अपने वोटर पाले या गाय? यहां तक कि गाय को राजमाता का सम्मान देने वाले भाजपा के कार्यकर्ता और नेता तक गाय या बैल नहीं पालते। उन्हें या तो सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, या वे कत्लगाहों के काम आते है। जहाँ उनके मांस को डिब्बों में बंद कर बाजारों में बेच दिया जाता है। आप हैरान होंगे कि गाय-बैल का मांस बेचने वाले विधर्मी नहीं बल्कि सनातन धर्म के मानने वाले ही हैं। महाराष्ट्र सरकार ने गाय को राज्यमाता का दर्जा दे दिया है। यह बड़ा कदम चुनाव से पहले उठाया गया है। सरकार ने कैबिनेट बैठक में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता रही है। यह फैसला जारी करते हुए कहा गया कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता, आयुर्वेद चिकित्सा, पंचगव्य उपचार पद्धति तथा जैविक कृषि प्रणालियों में देशी गाय के गोबर एवं गोमूत्र के महत्वपूर्ण स्थान को ध्यान में रखते हुए देशी गायों को अब से ह्यराज्यमाता गोमाताह्ल घोषित करने की मंजूरी दी गई है। हम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को इस फैसले कि लिए बधाई देते हैं। हमें उम्मीद है कि अब महाराष्ट्र में तो गाय बच ही जाएगी। देश के जिन राज्यों में डबल इंजिन की सरकारें हैं वे भी आज नहीं तो कल गाय को राजमाता का दर्जा दे ही देंगीं।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा को ले पंडालों में की गई कलश स्थापना

प्रातः किरण संवाददाता

लहलादपुर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित नदियापार, जनता बाजार, बसहीं, ताजपुर, दयालपुर आदि बाजारों में निर्मित लगभग 20 पंडालों के अलावे ग्रामीण इलाके में भी कुछ गृहस्थों के घर में भी माँ शक्ति दुर्गा पूजा के लिये कलश स्थापना किया गया. या देवी सर्वभुतेषु शैलपुत्री रूपेण संस्थिता...... वैदिक मन्त्रोंचारण के साथ दशहरा का नवरात्रि व्रत आरम्भ हो गया. कलश स्थापित करने वालों की बढ़ती संख्या के कारण पूजा कराने वाले पंडित जी की खिंचा-तानी होने लगी. नतीजा यह रहा कि बहुत घरों में शामतक कलश स्थापना हुआ. नवरात्रि के अवसर पर बाजारों में पूजा सामग्रीयां खरीदने वालों की भीड़ रही.

सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, सामग्री बांटा

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।सारण जिला के परसा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा कर प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने जायजा लिया और बालिगाँव पंचायत के बहलोलपुर दियारा मे जाकर पीड़ित परिवार के बीच चुरा मीठा और बिस्किट का लगभग 250 परिवारों के बीच वितरण किया गया और प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने अधिकारी से भी बात कर लोगो को उचित लाभ पहुंचाने और मदद करने की बात कही और कहा की यह प्रेरणा हमें सांसद राजीव प्रताप रूडी मिली और रूडी जी बाढ़ क्षेत्र मे हर संभव मदद पहुंचे। इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग कर रहे है अधिकारी से बात कर पल पल की रिपोर्ट ले रहे है कि सभी बाढ़ पीड़ितो को सहायता मिले।
इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी, महामंत्री संतोष शर्मा ,आईटी सेल मोनू सिंह, भाजपा नेता गया सिंह, चंदन सिंह, बच्चा सिंह, पप्पू गुप्ता ,सुमंत तिवारी, धूमल सिंह ,विक्रम साह ,वार्ड त्रिभुवन मांझी, बच्चा मांझी ,आफताब आलम, बच्ची देवी, मोहन हजरा ,प्रमिला देवी आदि थे।

दुर्गापूजा पर विधि व्यवस्था को ले डीएम और एसपी ने की बैठक
असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश

सभी प्रतिमाओं का विसर्जन व शोभा यात्रा के लिये लाइसेंस होगा अनिवार्य

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। दुर्गापूजा के अवसर पर सामान्य विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर आज समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडल, प्रखंड एवं थाना स्तर के पदाधिकारी भी जुड़े थे।सभी थाना प्रभारी से एक एक कर उनके क्षेत्र अंतर्गत स्थापित की जाने वाली दुर्गा प्रतिमाओं के बारे में जानकारी ली गई।सभी प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन शोभा यात्रा के लिये लाइसेन्स लेना अनिवार्य है। इस संबंध में सभी थाना प्रभारी को सभी आयोजकों से आवेदन प्राप्त कर लाइसेंस की प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया गया। सभी थाना क्षेत्र में आयोजित होने वाले रावण पुतला दहन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी ली गई। इन सभी आयोजकों के साथ पहले ही बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश जारी करने को कहा गया। इन आयोजन स्थलों पर भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सभी थाना स्तर पर स्थानीय शांति समिति की बैठक सुनिश्चित करने को कहा गया। त्योहारों में डीजे का उपयोग वर्जित है। इस संबंध में सभी डीजे संचालकों के साथ बैठक कर इस आशय की पूर्व जानकारी देने को कहा गया। इसका उल्लंघन करने वाले का डीजे उपकरणों को जप्त कर किया जायेगा। सभी विसर्जन मार्गों का भौतिक रूप से अनिवार्य सत्यापन करने को कहा गया। मार्ग में संवेदनशील स्थलों को पहले से ही चिन्हित कर वहाँ के लिए विशेष सतर्कता बरतने का निदेश दिया गया। पूजा के दौरान शहरी क्षेत्र, विशेष रूप से छपरा शहर के लिये विशेष ट्रैफिक प्लान की व्यवस्था की जा रही है। इसकी पूर्व जानकारी सभी लोगों को दी जायेगी।असामाजिक तत्वों के विरुद्ध बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा उपयुक्त मामलों में सीसीए के तहत प्रस्ताव भेजने का निदेश दिया गया। भीड़ प्रबंधन के लिये सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी की जायेगी। आयोजकों के माध्यम से पूजा पंडाल में सीसीटीवी लगाने हेतु प्रयास किया जाय। सभी विसर्जन जुलूस की वीडियोग्राफी प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर सादे लिबास में पुलिस बल भी प्रतिनियुक्त रहेंगे। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थित पूजा पंडालों में कारगर पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को सभी अस्पतालों को अलर्ट मोड में रखने को कहा गया। छपरा शहर में साफ-सफाई हेतु विशेष अभियान चलाने का निदेश नगर निगम को दिया गया। सभी आवश्यक जगहों पर नये स्ट्रीट लाइट लगाने एवं खराब पड़े पुराने लाइट को तत्काल बदलने हेतु कार्रवाई को कहा गया। सभी पूजा पंडालों की सेफ्टी ऑडिट भवन प्रमण्डल, विद्युत विभाग एवं अग्निशमन विभाग को सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सभी विसर्जन मार्ग में बिजली के तारों की सेफ्टी ऑडिट विद्युत विभाग के अभियंता को सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं: डॉ. जगजीत

पिपरहियां बाजार स्थित सत्संग भवन में कैंसर जागरूकता अभियान आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर । कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है। बशर्ते समय रहते बीमारी की पहचान कर उसका इलाज शुरू कर दिया जाय। ये बातें पटना एम्स के कैंसर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर जगजीत कुमार पांडेय ने प्रखंड के पिपरहियां बाजार स्थित सत्संग भवन में कैंसर जागरूकता अभियान कार्यक्रम के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि कही। पूर्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के मौके पर नेताद्वय के तैल चित्र पर माल्यार्पण के साथ उन्हें नमन कर किया गया। उन्होंने कहा कि कैंसर के शुरूआती स्टेज वन, टू और थ्री में अगर बीमारी की पहचान कर ली गई तथा समय रहते उसका इलाज शुरू हो गया, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। वहीं चौथे तथा लास्ट स्टेज में मरीज को बचना मुश्किल हो जाता है। स्तन कैंसर के मामले में उन्होंने कहा कि यह महिलाओं में ही नहीं, पुरुषों के स्तन में भी हो सकता है। स्तन कैंसर के मामले में दावा करते हुए कहा कि इलाज से मरीज को कम से कम 20 वर्षों तक जीवित रखा जा सकता है। साथ ही कहा कि कैंसर किसी भी उम्र के व्यक्ति को शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है। हमारी बदलती जीवन शैली में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। जिससे हमें सजग और जागरूक रहने की जरूरत है। इस बीमारी के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शरीर के किसी भी भाग में सुजन, गांठ या अधिक दिनों तक शरीर के किसी भी भाग में घाव, मवाद या खून आने पर इसकी जांच करा लेनी चाहिए।

चारो ओर से पानी से घिरे वार्ड में एसडीआरएफ की मदद से पहुंचाया गया भोजन का पैकेट

प्रातः किरण संवाददाता

बाढ़ प्रभावितों के बीच सूखा राशन, पॉलीथिन शीट्स का लगातार किया जा रहा है वितरण ।बेतिया(घनश्याम)। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावितों के बीच राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है।
इसी कड़ी में चनपटिया प्रखंड के खर्ग पोखरिया पंचायत के अंतर्गत चारो ओर से पानी से घिरे हुए वार्ड नंबर-01 में एसडीआरएफ की टीम ने मोटरबोट के माध्यम से भोजन का पैकेट आदि पहुंचाया ।वहीं सिकटा प्रखंड के कठिया मठिया पंचायत में बाढ़ प्रभावितों के बीच सूखा राशन का वितरण किया गया। ठकराहां प्रखंड के हरपुर पंचायत में बाढ़ प्रभावितों लोगों के बीच सूखा अनाज का वितरण किया गया। सोहगी बरवा में अंचलाधिकारी द्वारा बाढ़ प्रभावितों के बीच पॉलीथिन शीट्स का वितरण भी किया गया ।इसके अतिरिक्त अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी अधिकारियों द्वारा पॉलिथीन शीट्स, सूखा राशन आदि का वितरण कर प्रभावितों को राहत पहुँचाया गया। कई स्थानों पर कम्युनिटी किचेन का भी संचालन कर बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पानी उपलब्ध कराया गया।

बीडीओ ने कचरा उठाओ को ले ई रिक्शा को हरी झंडी दिखा कर किया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा । लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत बुधवार को सदर प्रखंड के फकुली पंचायत के मुखिया सुमित कुमार सिंह एवं सदर वीडीओ विनोद आनंद ने ठेला व ई रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि पंचायत में डोर टू डोर कचरा का उठाव स्वच्छता कर्मी करेंगे। पंचायत के कुल चौदह वार्डों में एक-एक ठेला और एक ई रिक्शा का वितरण किया गया है। जिसके माध्यम से सभी घरों से निकले ठोस व तरल कचरा का रोज उठाव किया जायेगा। जबकि स्वच्छता कर्मी ठेला के माध्यम से पंचायत में बने कचरा घर में डालेंगे। इसके लिए लोगों के प्रत्येक घरों पर दो-दो डस्टबिन उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें लोग गीला व सूखा कचरा डालेंगे। इसके लिए सभी को पहल करने जरूरत है। हरी झंडी दिखाने के पहले सभी स्वच्छता कर्मियों को ठेला, ड्रेस टोपी, गलब्स, मास्क आदि वितति किया गया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन का सीएम ने किया डिजिटली शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड अंतर्गत हरनाही पंचायत के मसनाडीह में सात निश्चय पार्ट-2 के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रक्सौल के लिए दो मंजिला प्री-फैब संरचना भवन का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने डिजिटल माध्यम से किया। इस दौरान उपस्थित होकर स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने जन-सम्बोधन किया और कहा कि रक्सौल में औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र खुलना रक्सौल वाशियों के लिए हर्ष की बात है। प्री-फैब संरचना की भवन से लैब की सुविधा मिलेगी, यह पहल छात्रों के बेहतरी के लिए सराहनीय कार्य है। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल गीता कृष्णा, कनीय अभियंता नवीन कुमार, हरनाही मुखिया म. जफीर, मण्डल अध्यक्ष मृतुन्जय सिंह, रक्सौल विधानसभा सदस्यता प्रभारी राकेश कुशवाहा, भाजपा नेता मोती बैठा, शक्ति केंद्र प्रमुख चिरंजीवी प्रसाद, कमलेश कुमार, प्रतीक कुमार समेत सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्सौल के कौड़ीहार फीडर की विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रक्सौल। (प्रातः किरण संवाददाता) ।पॉवर सब स्टेशन रक्सौल से चलने वाले कौड़ीहार फीडर कि विद्युत आपूर्ति शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लेकर दिन के 04 बजे तक बाधित रहेगी, जिससे शहर के लक्ष्मीपुर, कौड़ीहार, कॉलेज रोड़, कौड़ीहार चौक सहित ब्लॉक रोड़ कि विद्युत आपूर्ति उक्त अवधि तक बंद रहेगी। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया कि दुर्गा पूजा के मद्देनजर मेंटेनेन्स हेतु विद्युत आपूर्ति सेवा बाधित रहेगी। वहीं दोपहर के 04 बजे के उपरांत पुनः विद्युत सेवा सुचारू हो जायेगी। इसको लेकर सहायक विद्युत अभियंता ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपने सभी विद्युत से जुड़े जरूरी कार्य सुबह 10 बजे से पहले ही निबटा लेने की अपील की है।

इसुआपुर सीएचसी में लगा डिजिटल एक्स-रे मशीन

इसुआपुर । (प्रातः किरण संवाददाता) । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इसुआपुर में गुरुवार को डिजिटल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी ने किया। उद्घाटन के पश्चात 5 मरीजों का डिजिटल एक्स-रे भी किया गया। स्वास्थ्य प्रबंधक नवाब अख्तर जिलानी ने बताया कि ब्रिज हेल्थ फाउंडेशन के द्वारा राज्य स्वास्थ्य समिति के माध्यम से डिजिटल एक्स-रे मशीन लगाया गया है ।अब दुर्घटना में हाथ, पैर तथा सीने में हुए फ्रैक्चर, गिरने व चोट लगने जैसी स्थितियों तथा यक्ष्मा जैसी बीमारियों में इसुआपुर के सरकारी अस्पताल में ही एक्स-रे की यह सुविधा मुहैया करा दी जएगी। पहले इन मरीजों को सीधे सदर अस्पताल छपरा रेफर करना पड़ता था। जिससे मरीजों को काफी परेशानियां होती थीं। वहीं इलाज करने में चिकित्सकों को भी काफी दिक्कतें हो रही थी। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी,स्वास्थ्य प्रबंधक नवाब अख्तर जिलानी, डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर अंकुश कुमार,एक्स-रे टेक्निशियन अभिषेक राय, सीनियर एएनएम प्रियंवदा कुमारी, सुषमा कुमारी, पिंकी कुमारी, संतोष तिवारी,अशोक चौबे व अन्य स्वास्थ्य कर्मी थे।

रीजनल मैनेजर ने किया कई उत्पादों का उद्घाटन

छपरा कार्यालय। (प्रातः किरण संवाददाता) । छपरा के शक्ति नगर हनुमान मंदिर परिसर के सामने फास्ट पावर सॉल्यूशन ईस्टमैन और रिक्सा, इन्वर्टर, सोलर पैनल एनर्जी का उद्घाटन बिहार के कंपनी के रीजनल मैनेजर अखिलेश सिंह सर्विस हेड सुजीत कुमार उनके साथ नीरज, सुभम, गुलाम जी ने बताया कि यह बैटरी लाइफ और सर्विस मे दूसरे से ज्यादा वारंटी और सर्विस देने में अग्रणी भूमिका में हैं। यह सर्विस और सेल्स फास्ट पावर सॉल्यूशन ईस्टमैन और ंङ्कि के खरीद ङ्क स्त्रीशूल्ल३ इंट्रेस्ट पर भी बिक्री शुरू किया गया है। आज के उद्घाटन मे फास्ट पावर सॉल्यूशन के प्रबंधक रवि जी ने बताया कि इसके खुल जाने से टोटो रिक्शा, इन्वर्टर, सोलर बैटरी के बिक्री और सर्विस मे हमलोग पूरे दूर दराज के लोगो को काफी मदद मिलेगी, इस अवसर पर गौतम कुमार और राजन सोनी , मनोज कुमार, संजीव चौधरी भूमिका निभाई।

प्रखंड कांग्रेस कार्यालय का किया गया उदघाटन

एकमा । (प्रातः किरण संवाददाता) । नगर पंचायत के ब्लॉक रोड स्थित कांग्रेस आफिस कार्यालय का उदघाटन कांग्रेस नेता नरेंद्र प्रताप मिश्रा ने फीता काटकर किया । इस दौरान उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अमावस मांझी को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है। यह कार्यालय खुल जाने से पार्टी कार्यकताओं व आम लोगों का काफी सहूलियत मिलेगी इससे पार्टी को धारदार और मजबूत होगी समाज के दबे कुचले लोगों को सरकारी योजनाओं का हक दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे ।इस मौके पर नागेन्द्र मिश्रा श्री निवास उपाध्याय उपाध्याय प्रेम सिंह महादेव ओझा उमेश पांडेय मनजीत तिवारी राज देवगिरी विक्रमा ठाकुर प्रशांत पांडेय आदि लोगों उपस्थित थे । उदघाटन में महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराने में बिहार का छपरा सदर अस्पताल ने पाया प्रथम स्थान

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग संकल्पित है। स्वास्थ्य संस्थानों में लगातार सुविधाएं बढ़ायी जा रही है। छपरा सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए लगातार आधुनिक सुविधाओं में वृद्धि की जा रही है। अब छपरा सदर अस्पताल में मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा मिलने लगी है। सदर अस्पताल के ओपीडी में आधुनिक मशीनों से लैस एक विशेष फिजियोथेरेपी कक्ष बनाया गया है। जिसका लाभ मरीजों को मिल रहा है। सिंतबर माह में मरीजों का फिजियोथेरेपी से इलाज करने में छपरा सदर अस्पताल ने राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है। सिंतबर माह में कुल 781 मरीजों का फिजियोथेरेपी के माध्यम से उपचार किया गया है। जो अन्य जिलों के मुकाबले सबसे अधिक है। दर्द से परेशान मरीजों का इलाज फिजियोथेरैपी से किया जाता है। इसके लिए भौतिक एक्सरसाइज मशीनों के द्वारा कराई जाती है। पारालाइसिस अटैक में शरीर का कई भाग काम करना बंद कर देता है। इसे फिजियोथेरेपी से ठीक किया जा सकता है। शरीर में सूनापन या दर्द या गठिया, साईटिका जैसी बीमारियों को फिजियोथैरेपी से ठीक किया जाता है। कई बार दुर्घटनाओं में हड्डी टूट जाती है। प्लास्टर होने के बाद हड्डी तो जुड़ जाता है। लेकिन जोड़ों का मूवमेंट करने पर दर्द होने लगता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी से इलाज किया जाता है। फिजियोथेरेपी से घुटनों के दर्द का इलाज आसानी से किया जा रहा है।
सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि फिजियोथैरेपी सेन्टर पर सभी नसों व मांसपेशियों से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जाता है। इसके साथ ही साइटिका, सर्वाइकल,, बैंक पेन, स्लिप डिस्क, चक्कर आना, ऑपरेशन के बाद जोड़ों की जकड़न एवं स्पोर्ट इन्जुरी से संबंधित सभी बीमारियों के लिए फिजियोथैरेपी की जाती है। जिस बीमारी का इलाज के लिए लोगों को निजी अस्पताल में हजारों रूपए खर्च करना पड़ता था, अब वह सदर अस्पताल में निःशुल्क मिल रहा है। फिजियोथेरेपी करने के लिए आधुनिक मशीन लगाया है। जिससे कोई परेशानी नहीं होती है। खासकर वैसे लोग जो पैसे की कमी के चलते इलाज नहीं करवा पाते हैं, उनके लिए यह काफी कारगर है। छपरा सदर अस्पताल आकर निःशुल्क फिजियोथेरेपी करा सकते हैं। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल के ओपीडी के फिजियोथेरेपी सेंटर में ट्रैक्शन मशीन से सर्वाइकल और लकवा के मरीजों का उपचार, शरीर में सूजन और कड़ापन को दूर के वैक्सवाथ मशीन के माध्यम से फिजियोथेरेपी दी जा रही है। भागदौड़ भरी जिंदगी और तनाव से लोग कई प्रकार की बीमारियों से घिर रहे हैं। कुर्सी पर बैठकर काम करने वाले, बाइक से लंबा सफर करने वाले, गिरने आदि लोग बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

दशहरा में कई सामाजिक कार्यक्रम करेगा युवा क्रांति रोटी बैंक

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय सेवा योजना राजेंद्र कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनायी गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।
महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री दोनों ही महापुरुष देश के लिए अनुकरणीय हैं। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व समाज में हमेशा आदर्श बने रहेंगे। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके बारे में अधिक से अधिक हमको अध्यवसाय करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बेठियार सिंह साहू ने अपने उद्बोधन में दोनों महापुरूषों की जीवनी से संदर्भित कुछ उद्धरणों के माध्यम से जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का आग्रह किया। उन्होंने सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए वर्तमान संदर्भों में महात्मा गांधी को अत्यंत प्रासंगिक बताया। इसी क्रम में लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन संघर्षों पर चर्चा करते हुए उनकी सामान्य से विशिष्ट तक की यात्रा का जिक्र किया और उन्हें उच्च जीवन मूल्यों से युक्त आदर्श व्यक्तित्व के रूप में निरूपित किया।
अगली कड़ी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता दिवस आयोजित करते हुए बेस्ट आर्ट प्रदर्शनी, डोर टू डोर कैंपेन, नुक्कड़ नाटक, गोद लिए हुए आसपास के गांव में बस्तियों की साथ सफाई आदि विविध कार्यक्रमो में शामिल हुए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. देवेश रंजन, डॉ. जया कुमारी पांडेय, डॉ. कन्हैया प्रसाद एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक नवीन कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही।

देसी कट्टा से केक काटना पड़ा मंहगा, दोनो युवक गिरफतार

एकमा । स्थानीय थाना क्षेत्र में देसी कट्टा के साथ बर्थडे केक काटना दो युवकों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने देसी कट्टा से बर्थडे केक काटने वाले युवक व उसके एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त मामला एकमा थाना क्षेत्र के छित्रवलिया बाजार के समीप एक बगीचे का बताया जा रहा है। जहां बुधवार की शाम बर्थडे पार्टी पर देसी कट्टा के साथ केक काटा जा रहा था। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी कर दी।
इस संबंध में एकमा थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक उदय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की कुछ युवक छित्रवलिया बाजार के समीप एक बगीचा में इक्कठा होकर बर्थडे पार्टी कर रहें है। जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस ने एक टीम गठित कर छापेमारी कर दी। इस दौरान केक काट रहें दो युवकों को एक देसी कट्टा व मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि बाकी युवक फरार हो गए। गिरफ्तार युवक दाउदपुर थाना क्षेत्र के इनायतपुर पंचायत के लहमारी गांव के सनौवर अंसारी का पुत्र निषाद अंसारी तथा नसीब मियां का पुत्र मुन्ना अंसारी बताए जाते हैं।

मोथहा रामपुर में 36 घंटे का रामायण पाठ संपन्न, श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती गांव मोथहा रामपुर स्थित राम जानकी मंदिर में 36 घंटे के भव्य धार्मिक आयोजन का समापन हुआ.इस आयोजन में रामायण और भागवत गीता का पाठ किया गया,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से हिस्सा लिया.मंदिर के महंत ऋषिमुनि ओझा ने बताया कि 36 घंटे तक चले इस अद्वितीय आध्यात्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य समाज में धार्मिकता, सद्भावना और शांति का संदेश फैलाना था.स्थानीय ग्रामीणों के अलावा दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी इसमें भाग लिया.पाठ के समापन के बाद प्रसाद वितरण किया गया,जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान राम-जानकी का आशीर्वाद प्राप्त किया.महंत ने इस आयोजन की सफलता का श्रेय क्षेत्र के श्रद्धालुओं के सहयोग को दिया.प्रसाद वितरण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया.इस अनुष्ठान में स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित थे,जिन्होंने इस आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया.इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालु शामिल थे.

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं को चिकित्सा एवं दवा दी गई

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावितों को लगातार हरसंभव सुविधा, सहायता प्रदान की जा रही है। जिलाधिकारी स्वयं प्रत्येक कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा एवं अनुश्रवण कर रहे हैं ताकि बाढ़ प्रभावितों को ज्यादा से ज्यादा सहायता प्रदान की जा सके ।बाढ़ से प्रभावित पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति भी जिला प्रशासन संवेदनशील है। जिला पशुपालन पदाधिकारी के नेतृत्व में पशु चिकित्सकों एवं कर्मियों द्वारा लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैम्प लगाकर पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ ही दवा भी दिया जा रहा है। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं एवं पशुपालकों को राहत पहुंचाने में 31 पशु चिकित्सकों को लगाया गया है। 43 पशु चिकित्सालय फंक्शनल है। पशुधन सहायकों की संख्या 09 है। 16 एम्बुलेटरी भान की संख्या है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों के लिए एक-एक टीम गठित कर कार्य किया जा रहा है। अबतक बाढ़ से प्रभावित 603 पशुपालकों को राहत पहुंचाते हुए लगभग 4000 पशुओं की चिकित्सा की गयी है एवं उनके बीच दवा का वितरण किया गया है।

मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने पर एसपी का सख्त निर्देश

रक्सौल थाना सहित अन्य थाना का एसपी ने किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर से इन दिनों मादक पदार्थों के तस्करी पर नकेल कसने के लिए जिला पुलिस कप्तान एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जबर्दस्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर असलम मियां को लेकर अब तक लगभग एक दर्जन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। इस कड़ी में पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने कई थानों समेत रक्सौल थाना का बीते दिन निरीक्षण किया और इस दौरान उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को कड़े निर्देश दिया और मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते रहने को कहा। वहीं उन्होंने बॉर्डर इलाकों का भौगोलिक निरीक्षण भी किया। मौके पर एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार, रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर एकता सागर, हरैया थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर अंजन कुमार, सब इंस्पेक्टर प्रीति कुमारी, अंशुली आर्या और उत्तम कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

कोपा में विधायक ने दो सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

कोपा । मांझी विधायक डॉ . सत्येंद्र यादव अपने विधानसभा क्षेत्र में दो सड़को निर्माण के लिए शिलान्यास विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर किया।
राष्ट्रीय राज्य मार्ग एन एच 531 पियानो पोखरा से पियानो रेल गुमटी होते हुए मध्य विधालय तक 54 लाख 77 हजार 681 हजार के लागत से बनने वाली सड़क के साथ हसुलाही बाजार से चतरा बाजार तक 68 लाख 89 हजार के लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। डा .यादव ने बताया कि दो माह में दोनों सड़क बन कर तैयार हो जाएगा ।माँझी विधानसभा के अंदर एक माह में 12 सड़को का शिलान्यास होगा ।वही दिसम्बर माह तक माँझी विधानसभा में 100 सड़को का शिलान्यास किया जाएगा ।विधायक ने बताया कि मेरा यह सपना था ।माँझी विधानसभा में एक भी गाँव टोला टपरी सड़क से बंचित नही रहे आज यह मेरा सपना साकार हो गया ।माँझी विधानसभा में अभी तक किसी भी विधायक के कार्यकाल में इतना ज्यादा संख्या में सड़क का निर्माण नही हुआ था ।मांझी विधानसभा में एक भी गाँव सड़क से बचित नही है। विधायक ने बताया कि चतरा बाजार के समीप तेल नदी का जर्जर पुल भी बहुत जल्द निर्माण होगा ।उन्होंने ने बताया कि मांझी महा पुरुषो की धरती है ।माँझी विधानसभा जो आज करती है ।वह कार्य छह माह बाद बिहार करती है ।मांझी विधानसभा से ही सबसे पहले स्मार्ट मीटर का विरोध हुआ ।अब पूरे राज्य में अन्य पाटिया भी स्मार्ट मीटर का विरोध करने लगा ।बिहार सरकार स्मार्ट मीटर नही लगा रही है ।स्मार्ट चिटर लगा रही है ।इस मीटर के अंदर जिओ का सिम कार्ड है ।जो अडानी अंबानी का ठेका है ।माँझी विधानसभा के अंदर दोनों प्रखण्डों में खाद्य सुरक्षा के तहत गरीबो को अच्छा चावल गेंहू दिलवाने का कार्य किया ।मौके पर सवेदक रामबाबू कुमार,संतोष कुमार यादव,सुनील गिरी,अरुण तिवारी,बटेश्वर कुशवाहा,बच्चा राय,दिनेश पंडित,अरबिंद सिंह,अरबिंद तिवारी,मुन्ना सिंह,विश्वनाथ पंडित,सुनील यादव,राजू साह,डॉ गागा कुशवाहा,प्रमोद कुशवाह सलीम सुफियान,रविन्दर यादव आदि थे।

अति-गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर करें आंगनबाड़ी की सेविका: डीपीओ

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। जिले समय के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास नहीं होने पर उन्हें कुपोषित बच्चों की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे बच्चों की शुरूआत में ही पहचान करते हुए चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए आईसीडीएस विभाग तत्पर रहता है। कुपोषित बच्चें के इलाज के छपरा सदर अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित है। पिछले कुछ महिनों से पोषण पुनर्वास केंद्र में लक्ष्य के अनुरूप में बच्चें नहीं आ रहें है। जिसको गंभीरता से लेते आईसीडीएस के डीपीओ कुमारी अनुपमा ने पत्र जारी कर सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर 102 निशुल्क एंबुलेंस सेवा के माध्यम से पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर कराना सुनिश्चित करें। कुपोषित बच्चों की पहचान कर एनआरसी सेंटर में भर्ती कराना आगनबाड़ी सेविकाओं का कर्तव्य है। आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा नवजात शिशुओं का जन्म के साथ वजन, लंबाई व ऊंचाई के आधार पर उनके पोषण स्थिति की पहचान की जाती है। ऐसे कुपोषित बच्चे जिन्हें केवल शारीरिक कमजोरी है लेकिन चिकित्सकीय समस्या नहीं है उनका इलाज समुदाय स्तर पर संचालित टीकाकरण केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा पोषण और चिकित्सकीय सहायता देकर किया जाता है।
लेकिन ऐसे बच्चे जिन्हें शारीरिक कमजोरी के साथ मानसिक कमजोरी और निर्बलता है उसे अतिकुपोषित की श्रेणी में रखते हुए बेहतर इलाज के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भेजते हुए उसे चिकित्सक द्वारा देखरेख कर इलाज कराया जाता है। ऐसे बच्चों को चिह्नित करते हुए उन्हें समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को आवश्यक निर्देश दिया गया है जिससे कि समय से ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका इलाज किया जा सके और उन्हें सुपोषित बनाया जा सके।
डीपीओ कुमारी अनुपमा ने बताया कि सामान्य बच्चों की तुलना में गंभीर अतिकुपोषित बच्चों की मृत्यु का खतरा नौ गुना अधिक होता है।
100 में 80-85 प्रतिशत ऐसे कुपोषित बच्चे पाए जाते हैं जिनका चिकित्सकीय सहायता समुदाय स्तर पर किया जा सकता है। 10-15 प्रतिशत बच्चों को ही पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों की समय से पहचान कर उनका इलाज करने से कुपोषण के कारण होने वाले बच्चों की मृत्यु को खत्म किया जा सकता है।
एनआरसी इंचार्ज पुष्पा कुमारी ने बताया कि एनआरसी में अतिकुपोषित बच्चे को 21 दिनों के लिए रखा जाता है। डाक्टर की सलाह के मुताबिक ही डाइट दी जाती है। अगर यहां रखा गया कोई बच्चा 21 दिन में कुपोषण से मुक्त नहीं हो पाता है तो वैसे बच्चों को एक माह तक भी यहां रखा जाता है। बच्चों की देखभाल के लिए यहां स्टाफनर्स, केयरटेकर व कुक भी उपलब्ध रहते हैं ।उन्होंने बताया यहां पर जीरो से 5 साल तक के बच्चों का 15 फीसद वजन बढ़े तक इलाज किया जाता है। बच्चे के साथ एनआरसी में रह रहे परिजनों को दैनिक भत्ते के रूप में प्रतिदिन 100 रुपए दिए जाते हैं। साथ ही दोनों टाइम का खाना भी मिलता है। इलाज के बाद पुनः फालोअप के लिए भी बुलाया जाता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम क्षेत्र में चला अतिक्रमण अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।आरा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत धरहरा चौक से अबरपुल तक एवं बेगमपुर में डॉ अनवर आलम का अतिक्रमित भाग में प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी विनोद कुमार, उप नगर आयुक्त, आरा नगर निगम की उपस्थिति में अतिक्रमण अभियान चलाया गया। अतिक्रमण अभियान के दौरान धरहरा चौक से लेकर अबरपुल तक के सड़क के दोनों तरफ नाले पर किये गये अवैध अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया एवं अतिक्रमण कारियों को निर्देश दिया गया है कि अगर दुबारा अतिक्रमण किये हुए पकड़े जाते है तो जुमार्ना लगाते हुए बिहार नगर पालिका अधिनियम-2007 के तहत कार्रवाई की जायेगी। विदित हो कि प्रत्येक माह आरा नगर निगम के द्वारा विभिन्न सड़कों पर अतिक्रमण अभियान चलाया जाता है। 4.10.2024 को नगर थाना से लेकर गोपाल चौक होते हुए शीशमहल चौक तक, 05.10.2024 को गोपाली चौक से शिवगंज होते हुए बड़ी मठिया तक तथा 07.05.2024 को नवादा थाना से पंचमुखी हनुमान मंदिर होते हुए आरक्षी अधीक्षक के आवास तक अतिक्रमण अभियान चलाया जायेगा। अतिक्रमण अभियान में नगर प्रबंधक श्री ओम प्रकाश, सहायक लोक स्वच्छता अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी श्री विकास कुमार, सहायक अवर निरीक्षक श्री धीरज कुमार कोईलवर थाना, पुलिस अवर निरीक्षक रफीक आलम नगर थाना सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं नगर निगम सभी सफाई निरीक्षक / वार्ड जमादार/सपुरवाईज / कर्मी आदि उपस्थित थे।

शतरंज चैंपियनशिप का पुरस्कार वितरण संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सरत जैन मेमोरियल बिहार राज्य सब जूनियर ओपन और बालिका शतरंज चैंपियनशिप श्री मैना सुन्दर धर्मशाला जेल रोड आरा के सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि ऑल बिहार शतरंज संघ के सचिव धर्मेंद्र कुमार के द्वारा संपन्न हो गया ।

उन्होंने आपने सम्बोधन ने कहा शतरंज खेल खेलने से एकाग्रता आती है मनोरंजन के साथ साथ बच्चो के मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने भोजपुर मेंअगले वर्ष बिहार स्टेट सब जूनियर के चैंपियनशिप को रेटिंग टूनार्मेंट के रूप में आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ एस के रूंगटा और संरक्षक शुभ्रज सौम्य, दीपक प्रकाश जैन, धीरेन्द्र चंद्र जैन उपस्थित हुए। स्वागत और मंच संचालन सचिव डॉ मो सैफ अध्यक्षता डॉ के एन सिन्हा धन्यवाद ज्ञापन निशि जैन ने किया।

शम्भु शरण पांडे ने उप विकास आयुक्त का पदभार किया ग्रहण

प्रातः किरण संवाददाता

मोतीहारी। बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी शम्भु शरण पांडे ने गुरुवार को उप विकास आयुक्त, पूर्वी चंपारण सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद, पूर्वी चंपारण मोतिहारी के पद पर योगदान देते हुए पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व श्री पांडे अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा के पद पर पदस्थापित थे।पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्री पांडे ने बताया कि चंपारण की इस ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण धरती का नमन कर मैंने पदभार ग्रहण किया है। यहां के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जिला में विकास के कार्यों को गति देने का प्रयास करूंगा। उप विकास आयुक्त श्री पांडे ने कहा कि जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सरकार की प्राथमिकता वाले क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जाएगा। सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को समय रहते सभी के सहयोग से पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला में पूर्व में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। ज्ञातव्य है कि श्री पांडे इसके पहले अरेराज एवं चकिया अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं।

कृषि बीज उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज में रबी फसलों के बीज उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन की तकनीकों से अवगत कराना है । प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. आर के जलज ने बताया कि उचित गुणवत्ता वाले बीज फसल की उत्पादकता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। फसलों के बीज उत्पादन करने से किसानों को अनाज उगाने की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक मुनाफा मिलता है। वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षक संजू कुमारी ने उन्नत बीज की विशेषता एवं बीज प्रमाणन के मानकों के बारे में किसानों को बताया। जो किसानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे आना चाहिए और धान, गेहूं, दलहन एवं तिलहन के बीजों का उत्पादन स्वयं करना चाहिए । इसके लिए बिहार सरकार द्वारा निबंधन कराया जाता है ।जिसे कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किया जा सकता है । डॉ रामाकांत सिंह ने बीज उत्पादन के लिए भूमि की तैयारी, खाद-बीज अनुपात पर विस्तृत रूप से जानकारी दी । डॉ रतन कुमार ने किसानों को बीजों के संरक्षण और भंडारण के तरीकों के बारे में बताया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया ।

डॉ डी पी कुशवाहा ने किसानों को बीज प्रसंस्करण में उपयोगी अभियंत्रों के बारे में बताया। विशेषज्ञों ने आशा व्यक्त किया है कि यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण किसानों को बीज उत्पादन करने में सफलता दिलाएगी ,जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।जिसमें बिक्रमगंज, दिनारा, कोचस एवं संझौली प्रखंड के 40 महिला एवं पुरुष किसानों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जो महिला प्रशिक्षणार्थियों में जीविका समूह की सदस्य शारदा देवी,अनीता देवी, सुमंती कुमारी, शोभा देवी, गीता देवी सहित अन्य लोग शामिल हुए।कार्यक्रम दौरान पुरुष कृषकों में अंकित कुमार, संदीप कुमार, रविश कुमार, रवि कुमार, विनोद महतो, मनीष कुमार सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

रोहतास एसपी ने दुर्गा पूजा स्थलों पर विधि व्यवस्था को लेकर किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) रोहतास एसपी रौशन कुमार ने दुर्गा पूजा में बिधी व्यवस्था को लेकर विभिन्न थाना क्षेत्र में निरीक्षण किया।

एसपी रौशन कुमार ने बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान दुर्गा पूजा में बिधी व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरा रौशनी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती को लेकर निर्देश दिए। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के थाना क्षेत्र का दौरा करने के क्रम में सूर्यपुरा थाना पहुंचे। एसपी रौशन कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा हेतु बना पंडालों का सत्यापन,लाइसेंसधारियों का सत्यापन वोलेंटियर का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही रूट का सत्यापन भी किया जा रहा है कि पूजा के दौरान पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति पूर्ण रूप सुनिश्चित हो सके।

संबंधित थानाध्यक्ष और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा किए गए रूट सत्यापन के मोताबिक पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वही एसपी ने शांति सौहार्द के साथ दुर्गा पूजा मनाने के लिए लोगों से अपील की।

निरीक्षण के दौरान विक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय,थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, आदि मौजूद रहे। जहां एसपी ने अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों कि गिरफ्तारी के लिए निरंतर अभियान जारी रखने हेतु निर्देश दिया।

भोजपुर पुलिस द्वारा गिधा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्म कांटा संचालकों पर विरुद्ध कार्रवाई कि गई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर पुलिस द्वारा अतिक्रमण को लेकर गिधा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्म कांटा संचालकों पर एवं प्रमाण को के विरुद्ध कार्रवाई की गई जिसको लेकर भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने बताया कि गीधा थाना अंतर्गत फोरलेन ठल-922 पर संचालित होने वाले धर्मकांटा 1. जय माता दी धर्मकांटा 2. सुरज धर्मकांटा 3. बाबा धर्मकांटा एवं 4. खुशी धर्मकांटा के संचालक एवं प्रबंधकों के विरुद्ध फोरलेन पर अवैध तरीके से बड़ी वाहनो को सड़क पर लगाकर अतिक्रमण एवं जाम करने, मुख्य सड़क पर बालू एवं अन्य पदार्थ फैलाकर दूसरे के जीवन को संकट में डालने, लोक मार्ग को क्षति पहुचाने एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने को लेकर गीधा थाना पुलिस के द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए इन सभी संचालकों एवं प्रबंधकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कारवाई की जा रही है। इस संबंध में गीधा थाना कांड स0 140/24 दिनांक-02.10.2024 धारा-125/221/285 भा0 न्या0सं0 में प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

माता रानी के कलश स्थापना के दिन निकली भव्य शोभा यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड में लगभग हर पंचायत में मां का डोली यात्रा निकाला गया, जिसमें रघौता, भवानीपुर, गम्हरिया एवं सिहोरवा में ढोल ताशा के साथ हजारों महिलाएं कलश लेकर बंगड़ी नदी के किनारे पहुंचे। नदी में जल भरी के लिए ढोल ताशा के साथ निकले और पुनः अपने पंडाल में वापस आएं, जहां मां की कलश स्थापना किया गया। जहां महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रामबाबू यादव, जिला परिषद पति मंजू साह, पूजा समिति संदीप कुमार, मुमताज आलम, बृजेश कुशवाहा, विंध्याचल साह, जोखन साह, विनोद साह, रामू राम, प्रमोद साह, हरीश, दिनेश कुशवाहा, रामरूप राम, रामपुकार ठाकुर, विनोद साह, दिनेश राम, संतोष सर्राफ सहित पूजा समिति के सदस्य आदि मौजूद थे।

मवेशी व्यापारी के साथ पशुपालक ने मारपीट कर 1.50 लाख रु छीना

काराकाट/(रोहतास) (प्रातः किरण संवाददाता) । काराकाट थाना क्षेत्र में गाय व भैंस के व्यापारी से एक लाख पचास हजार रुपए छिनने का मामला प्रकाश में आया है। बता दें कि थाना क्षेत्र के भरथाडीह निवासी अजय कुमार सिंह विगत 30 सितंबर को सर्वदानंद ने डिहरी निवासी बूढ़ा गोसाई के पुत्र संतोष गोसाई को भैंस खरीदने के लिए 509 रु अग्रिम राशि दिया था। लेकिन व्यापारी को मवेशी पसंद होने के कारण उसने नही खरीदा। इसके बाद पुनः 3 अक्टूबर को अपनी अग्रिम राशि मांगने उसके गांव पहुंचा। इसी क्रम में पशुपालक संतोष ने मवेशी व्यापारी जनार्दन और अजय को अपने घर में बुलाकर मारपीट करते हुए हथियार के बल पर 1 लाख 50 हजार रु छीन लिया। बता दें कि अजय कुमार सिंह और जनार्दन सिंह दोनों गाय और भैंस खरीदने व बेचने का कार्य करते हैं। हालांकि इस मामले में थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी द्वारा जानकारी लेने के बाद रुपए छीनने का मामला उनके संज्ञान में आया है। लेकिन अभी तक पीड़ित मवेशी व्यापारी के द्वारा कोई आवेदन थाना में नही दिया गया है।

दो बाइक चोर को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट/ (रोहतास) काराकाट थानो क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर गांव में बाइक चोरी करते ग्रामीणों ने दो चोरों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया । घटना के संबंध में बताया जाता है कि मोहनपुर गांव में राजेश कुमार पिता स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह की बाइक दरवाजे पर खड़ी थी। मौका पाकर दो चोरों ने मास्टर चाबी से बाइक को चालू कर दिया । बाइक जैसे हीं लेकर आगे बढ़े तब ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया। दोनों चोरों की पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि चोरों के पास से मास्टर चाबी बरामद किया गया है । चोरों की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवर्षा निवासी गाया सिंह के पुत्र अमित कुमार उर्फ चंदन कुमार और कौपा निवासी शत्रुधन राम के 17 वर्षीय पुत्र विधि विरुद्ध बालक के रूप में की गई है ।

आरा में दिखेगा पंडाल का अद्भुत नजारा

45 फीट ऊंची होगी पंडाल , नवरात्र की हुई शुरूआत

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र की शुरूआत गुरुवार से शुरू हो गई है। मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ सभी श्रद्धालु पूजन कार्य में लग गए है। वहीं शहर में दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। पहली बार डॉक्टर ईशा गली के समीप संकट मोचन क्लब के द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा रखी जायेगी। जिसे लेकर पंडाल समिति के सहयोगी बड़े बादशाह ने बताया कि पंडाल और मूर्ति में लगभग साढ़े सात लाख तक लागत का अंदाजा लगाया गया है। यहां खुद से कुछ नया क्रिएट कर पंडाल बनाया जायेगा। लाइट की व्यवस्था पक्की मोड़ से लेकर जज मोड़ तक की गई है।

ताकि पंडाल आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी झेलनी ना पड़ें। पंडाल को 45 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है।

पंडाल समिति के अध्यक्ष अनिकेत राज ने बताया कि पिछले दो सालों से हमलोग दुर्जा पूजा रखने का सोच रहे थे। लेकिन किसी कारण से नहीं हो पा रहा था। सचिव जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस बार संकट मोचन क्लब के द्वारा सामूहिक बैठक दो महीना पहले किया गया था, जिसमें यह फैसला लिया गया कि इस बार कई जगहों पर मां का पंडाल या पूजा किसी कारणवश नहीं हो पा रहा है। जिसके बाद हम सभी ने सोचा क्यों न हम लोगों को ही दुर्गा पूजा रखा जाना चाहिए।

सदस्य रजत सिंह ने बताया कि काफी दिन तक सोचा आखिर पंडाल कैसा होना चाहिए। जिसके बाद अलग-अलग थीम के तहत पंडाल बनाने का फैसला हुआ। अब पंडाल का अंतिम रूप दिया जा रहा है। सभी कारीगर बंगला के रहने वाले है। जो पंडाल के अंतिम चरण तक पहुंच गए है।

कोषाध्यक्ष भोला कुमार ने बताया कि यहां के पूजन पंडालों में श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ देवी के दर्शन के लिए उमड़ती है। इसलिए सुरक्षा को लेकर समिति के सदस्यों को तैनात रखा जायेगा। ताकि जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हो। संकट मोचन क्लब मां दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों में उपाध्यक्ष रोहन सिन्हा, महासचिव सुनील कुमार के साथ शिवम, अमरनाथ, राजकुमार मंटू, विकाश कुमार, प्रकाश, विष्णु, राहुल समेत अन्य सदस्य मौजूद है।

कारीसाथ गांव में नव दिवसीय श्रीमन भागवत कथा का शुभारम्भ

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर :उदवंत नगर प्रखंड के करीसाथ गांव के शिव देवी हनुमत धाम के प्रांगण मे नव दिवसीय श्रीमन भागवत कथा का शुभारम्भ स्वामी के अन्यय भक्त श्रीमान आचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र जी द्वारा किया गया आज नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी इसमें डॉक्टर अर्चना अध्यक्ष विष्णु सेक्रेटरी मेजर राणा प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष अवधेश पांडे जी रामकुमार पूर्वी डीएसपी अविनाश बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी जिसमें मुख्य संरक्षक गोपाल रवि शंकर कार्य साथ हॉस्पिटलके डॉक्टर कारी साहब हाय स्कूल के प्रिंसिपल दुबे जी इत्यादियों ने पूजा पाठ करके प्रोग्राम को शुरू किया आरती की बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट से आए हुए सैकड़ो चुनरी हमारी गांव के महिलाओं को दिया गया शिवादेवी हनुमत धाम कमेटी द्वारा आगुंतोक सभी को अंगवस्त्र और मां का प्रसाद देखकर सम्मानित किया गया साथी जितने हमारे पत्रकार भाई लोग आए थे उनको भी अंग वास्तव देखकर सम्मान किया गया आज आचार्य जी द्वारा 3:00 बजे से लेकर 6:00 बजे तक भागवत कथा काअध्याय शुरू किया गया और विस्तार रूप में किया गया लोग मगन बुद्ध होकर देखें सैकड़ो सैकड़ो लोग आए हुए थे गांव के सभी माताए बहने भाई बंधु सब कोई भी लगा हुआ था 7:30 मंदिर कमेटी खेलो जिसमें भैया राणा प्रताप सिंह सुरेंद्र कुमार सिंह बीरबल कुमार अशोक सिंह आदि मौजूद थे

नवरात्र कलश स्थापन के साथ महाविद्यालय में मां दुर्गा पाठ का आयोजन

भाजपा नेता डॉ. मनीष बोलें शक्तिपीठ मां अम्बे पूजन से होते है कष्ट दूर

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में गुरुवार को शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ होते ही विधि- विधान,मंत्रोचारण एवं धूम धाम से कलश स्थापित किया गया। भाजपा नेता डॉ मनीष रंजन ने बताया कि 11 बजकर 48 मिनट पर विधि विधान एवं मंत्रोचारण के साथ पंडित हरिशंकर मिश्रा के द्वारा कलश स्थापन एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। डॉ रंजन ने कहा कि शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग अलग स्वरूपों का पूजन किया जाता है। शास्त्रीय नवरात्रि नारी शक्ति का पर्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा की आराधना का सबसे श्रेष्ठ समय नवरात्रि है। नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान मां के अलग-अलग नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि का हर दिन मां के विशिष्ट स्वरूप को समर्पित होता है और हर स्वरूप की अलग महिमा होती है। आदिशक्ति जगदम्बा के हर स्वरूप से अलग-अलग मनोरथ पूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि कलश स्थापना एवं पाठ का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों की मंगल कामना हेतु तथा काराकाट विधानसभा की समस्त जनता के खुशियों की कामना हेतु किया जा रहा है.मां का आशीर्वाद हम सभी पर ऐसे ही बना रहे.पाठ के दौरान पूरा महाविद्यालय परिवार भक्ति रस में डूब गया है। साथ ही डॉ रंजन ने कहा कि नौ दिनों तक मां का पाठ चलेगा और नवमी के दिन विधिवत रूप से हवन एवं पूर्णाहुति किया जाएगा। पूजा में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह एवं अभय कुमार सिंह शामिल हैं। साथ ही वीर बहादुर सिंह,उमाशंकर सिंह,प्रियतम कुमार,रंजीत कुमार चौधरी,शशिभूषण प्रसाद,अनिल कुमार, रमेश कुमार,नरेंद्र कुमार सिंह,रोहित कुमार तिवारी,मंटू कुमार चौधरी,चंदेश्वर पांडे,आलोक राम सहित समस्त कर्मी उपस्थित थे।

आरण्य देवी के दर्शन के लिए भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

शाम में महिलाओं और युवतियों ने माता के मंदिर में जलाए दीप

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन गुरुवार को देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। पूजन करने के लिए मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी रही। आरा शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर गुरुवार की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पडा। लोग देवी दर्शन के लिए कतार में खड़े दिखे। मां आरण्य देवी की मूर्ति एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया है। ह्यआरण्य देवी मैया की जयह्न तथा ह्यसच्चे दरबार की जयह्न के जयकारे से पुरा वातावरण गुंजायमान रहा। मां अरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा माता के मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। जिसमें सभी ट्रस्टी बंधुओ ने भाग लिया। शाम में महिलाओं और युवतियों ने माता के मंदिर में दीप जलाया। दीप जलाने का सिलसिला शाम 4 बजे से संध्या 8 बजे तक चलता रहा। 8 बजे मां आरण्य देवी की संध्या आरती हुई। इस दौरान मां को मेवा, दूध से निर्मित खीर का भोग लगाया गया। आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण श्रद्धालु भक्तों में हुआ। बता दें कि आरा का आरण्य देवी का मंदिर सिद्धपीठ है। ऐसा कहा जाता है कि द्वापर युग में यहां पांडवों ने देवी का दर्शन किया था। उस समय आरा शहर आरण्य वन के नाम से मशहूर था। इस मंदिर सालों भर श्रद्धालु भक्तों की भीड़ उमड़ी रहती है। चैत्र तथा शारदीय नवरात्र में यहां तिल रखने की जगह नहीं होती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां पशु बलि नहीं दी जाती है। बल्कि मां को नारियल चढ़ाया जाता है।

जयप्रकाश आंदोलन के दौरान शहीद हुए माल बाबू महाराज की 50 वीं जयंती समारोह मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा । स्थानीय मिलन पैलेस के प्रांगण में जेपी सेनानी एवं प्रबुद्ध लोगों ने एकमा नगर पंचायत के वार्ड संख्या चार निवासी स्व गोपाल जी राय का पुत्र शहीद माल बाबू का 50 वां जंयती समारोह पूर्वक मनाई गई। आज ही के दिन 3 अक्टूबर 19 74 ई में जेपी आंदोलन के दौरान पुलिस के गोलियों से जान गंवानी पड़ी थी उनकी 50 वीं शहादत पर सामान समारोह आयोजित की गई । जिसकी अध्यक्षता जेपी सेनानी संघ के जिला अध्यक्ष सांवलिया गिरी ने किया वहीं संचालन अजय श्रीवास्तव ने किया । इस दौरान उपस्थित जेपी सेनानियों एवं अन्य वक्ताओं में प्रो ओम प्रकाश सिंह माहेश्वर तिवारी रामजी तिवारी रामायण जीवन दानी अरविंद श्रीवास्तव दरोगा सिंह नागेंद्र सिंह आदि वक्ताओं ने अपनी-अपने विचार रखा इसके पूर्व उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय माल बाबू की तेलिया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया । इस कार्यक्रम में उपस्थित सीओ राहुल शंकर ने शहीद माल बाबू महाराज के परिजन व वार्ड प्रतिनिधि चंदन महाराज व छोटे भाई संतोष महाराज को फूल माला पहनकर उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया । वहीं नगर अध्यक्ष श्वेता रानी ने जेपी आंदोलन के सर्वजीत श्रीवास्तव की पत्नी आशा देवी को फूल माला व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नगर के वार्ड प्रतिनिधि विजय सिंह जयप्रकाश शर्मा राकेश कुमार अमित चौधरी उमेश प्रसाद बैठा राजू सिंह नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक राज के अलावे समाज सेवी एवं प्रबुद्ध लोगों में बच्चा महाराज तेज प्रताप पाण्डेय आदि थे।

13 दिवसीय रामलीला का मंचन प्रारंभ

प्रथम दिन गणेश पूजन व नारद मोह का कलाकारों ने किया मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा भोजपुर। 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के द्वारा रामलीला मैदान के मंच पर आज से 13 दिवसीय रामलीला मंचन का कार्य कर्म प्रारंभ हुआ वृंदावन की मंडली ने प्रथम दिन गणेश पूजन के साथ नारद मोह की प्रस्तुति की सैकड़ो संख्या में दर्शकों ने रामलीला का आनंद उठाया सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने मंच पर प्रभु श्री राम की आरती की कार्यक्रम में मौजूद श्री श्री 1008 श्रीरामकिंकर दास जी और अयोध्या नाथ जी ने आशीर्वचन देकर कार्यक्रम का शुभ आरंभ किया. अध्यक्ष सोनू राय ने कहा कि आधुनिक युग में मोबाइल व अन्य आधुनिक उपकरणों के जंजाल में युवा पीढ़ी भटक रही है उनको सही मार्ग दिखाना ही हमारे कार्यक्रम का उद्देश्य है. प्रभु श्री राम की लीला को देखकर उनके आदर्श व उपदेशों को अपनाना ही मानवीय जीवन का आधार है. इसलिए आज की युवा का ऐसे कार्यक्रमों में रुचि लेना अनिवार्य बनता है .उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता जी ने कहा कि इस कार्यक्रम में किसी भी तरह की कोई आर्थिक परेशानी नहीं होगी सारी तैयारियां करीब करीब पूरी हो चुकी है इस साल की रामलीला भव्य व आकर्षक होगी. मंच संचालन अधिवक्ता दिलीप गुप्ता जी ने किया कार्यक्रम के प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने बताया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज हकीम प्रसाद, संजीव गुप्ता, शंभू नाथ प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, मदन प्रसाद, और संस्था के सभी सदस्य कार्यक्रम में मौजूद थे ।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर व नॉर्मल मीटर का टैरीफ उपभोक्ता के लिए एक समान

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत पांच प्रशाखा है एवं सभी उपभोक्ताओ के परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर सभी उपभोक्ताओं के परिसर मे निःशुल्क लगाया जा रहा है तथा मीटर लगाते समय कर्मियों का सहयोग करें एवं किसी भी प्रकार के अवरोध उत्पन्न न करें। एसडीओ के द्वारा आगे बताया गया की उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर पहली बार मीटर रिचार्ज करने हेतु मैसेज प्राप्त होने के बाद दो दिनों का समय दिया जाता है तथा बैलेंस शून्य अथवा निगेटिव होने पर उपभोक्ता को एसएमएस के माध्यम से रिचार्ज करने हेतु सुचना दी जाती है। उपभोक्ता द्वारा रिचार्ज नहीं करने पर वे दो दिनों तक बिजली का उपभोग कर सकते हैं, इसके बाद भी रिचार्ज नहीं करने पर तीसरे दिन केवल कार्य दिवस को सुबह 10 बजे से दिन के 1 बजे के बीच ही बिजली स्वतः काट जाती है साथ ही साथ रिचार्ज होने के बाद बिजली स्वतः चालू हो जाती है। बता दें की राज्य सरकार द्वारा निर्धारित छुट्टी एवं रविवार के दिन बिजली नहीं काटी जाती है एवं रात मे भी विद्युत विभाग द्वारा बिजली नहीं काटी जाती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर एवं नॉर्मल मीटर का टैरीफ एक सामान है, उपभोक्ता किसी भी भ्रान्ति का शिकार न हों। स्मार्ट मीटर से सम्बंधित एप्प के माध्यम से उपभोक्ता दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक बिजली खपत की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हुए उपभोक्ता को बिजली बिल जमा करने हेतु बिजली कार्यालय काउंटर पर जाने की आवश्यकता भी नहीं है। उपभोक्ता ऑनलाइन के माध्यम से बिजली बिल जमा कर सकते हैं। आपको बता दें की बिक्रमगंज शहरी क्षेत्र मे कुल 9890 एवं ग्रामीण क्षेत्र मे 81127 उपभोक्ता हैं। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा अखबार के माध्यम से उपभोक्ताओं से आग्रह की गयी है स्मार्ट मीटर बदलने के दौरान सहयोग की जाय, उक्त कार्यों मे किसी भी उपभोक्ताओं के द्वारा बाधा उत्पन्न किया जाता है तो बिहार विद्युत आपूर्ति संहिता की धारा 8.2 एवं 8.6 (सी) के तहत्त कम्पनी हित में कर्तव्य निर्वहन का उल्लंघन मानते हुए परिसर की विद्युत आपूर्ति को काटते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने के विरूद्ध कानूनी कार्यवाई की जा सकती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, शुक्रवार,04 अक्टूबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

संतोष अग्रवाल के निधन पर वैश्य समाज ने जताया शोक

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में वैश्य समाज के सदस्यों द्वारा युवा व्यवसायी,सामाजिक कार्यकर्ता,वैश्य समाज के सदस्य संतोष अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। वैश्य समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखा एवं मृतक की आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। लोगों ने कहा कि इस संकट की घड़ी में भगवान उनके परिवार को संबल प्रदान करें। सदस्यों ने यह भी कहा कि संतोष अग्रवाल एक सामाजिक व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। हमेशा जरूरतमंदों को मदद किया करते थे। कर्मठी एवं नेक दिल इंसान थे।अश्रुपुरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए उपाध्यक्ष राजू वर्मा, सचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष पन्ना प्रसाद गुप्ता,कोषाध्यक्ष रामध्यान प्रसाद एवं अशोक प्रसाद शौंडिक ,सक्रिय सदस्य घनश्याम प्रसाद खत्री,राकेश अग्रवाल, सुरेश विद्यार्थी ने कहा कि उनके असामयिक निधन से सामाजिक क्षेत्रों में अपूरणीय क्षति हुई है।

चिरैला ग्राम में नवरात्रि पूजा के ले जलभरी का आयोजन

प्रातः किरण संवाददात

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के चिरैला ग्राम में शारदीय नवरात्र पूजा के निमित ग्राम देवी मंदिर के प्रांगण में नौ दिवसीय मां दुर्गा पूजा कार्यक्रम के अवसर पर जलभरी कलश यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग्य आचार्यों के सान्निध्य में जलभरी के बाद मंडप प्रवेश कराया गया। तत्पश्चात मां दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया।आचार्य श्रीराम पाठक ने बताया कि प्रथम दिन मां शैलपुत्री का पूजन किया जाता है।यजमान के रूप में विवेक यादव ने भूमिका निभाई।नवरात्रि पूजा के सफल क्रियान्वयन में अध्यक्ष संतोष यादव,उपाध्यक्ष कौशल यादव कोषाध्यक्ष,रंजीत यादव उपकोषाध्यक्ष विनोद यादव सदस्य नीरज यादव,रोहित कुमार, राहुल कुमार,गोलू कुमार अशोक यादव,संदीपयादव गोपाल सिंह प्रिंस यादव संजय यादव ने सराहनीय भूमिका निभाई।

प्राचार्य ने स्वतंत्रता आंदोलनों की विस्तारपूर्वक चर्चा की

प्रातः किरण संवाददात

गया।मध्य विद्यालय बाजितपुर ,अनुटोला टिकारी जिसमे विद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा गांधी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि दी गई है। प्रधानाध्यापक सह सी आर सी समन्वयक कमलेश प्रसाद ने गांधीजी के जीवनवृत्त पर विस्तार से चर्चा कि और इन्होंने अजादी की लड़ाई मे गरम दल और नरम दल की भूमिका से छात्रो को अवगत कराया है। वही अध्यापक सुधीर कुमार राज ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनो की विस्तारपूर्वक चर्चा की और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर किस प्रकार से रंग-भेद का शिकार गांधी जी हुए इस पर प्रकाश डाले हैं।इसी कड़ी मे सहायक शिक्षिका प्रिया कुमारी गांधी के जीवन और उनके द्वारा किए गये कार्यो पर विस्तार से चर्चा की गई है।इस मौके पर बाजितपुर प्रांगण मे वरीय शिक्षक भुषण प्र.यादव ,विद्यालय अध्यापिका वंदना कुमारी ,प्रियंका पाल , शिक्षक संटु गोप एंव विद्यालय के छात्र-छात्रा मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल द्वारा 97.95 मिलियन टन का हुआ लदान

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहली छमाही में अप्रैल से सितम्बर माह तक माल ढुलाई सहित अन्य सभी स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ कुल 15871 करोड़ रूपए से अधिक की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है । यह आय पिछले वर्ष के समान अवधि में प्राप्त प्रारंभिक आय 15181 करोड़ रुपए के तुलना में 4.55 प्रतिशत अधिक है।

चालू वित्तीय वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से सितम्बर माह तक पूर्व मध्य रेल द्वारा 97.95 मिलियन टन का माल लदान किया गया जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में किये गये माल लदान 96.99 मिलियन टन की तुलना में लगभग 01 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार अप्रैल से अगस्त माह तक किये गये कुल माल लदान से पूर्व मध्य रेल को कुल 13125 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि के दौरान किये गये माल लदान से प्राप्त आय 12810 करोड़ रुपए की तुलना में 2.46 प्रतिशत अधिक है । अप्रैल से सितम्बर के दौरान मक्का, गेहूं, बॉक्साइट एवं मिनरल ऑयल के लोडिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है । पिछले वर्ष 2023 में मक्का के 265 रेक की तुलना में सितम्बर, 2024 तक मक्का के 400 रेक लोड किए गए, जो 50.94 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले वर्ष गेहूं के 19 रेक की तुलना में सितम्बर, 2024 तक गेहूं के 40 रेक लोड किए गए, जो 110 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह पिछले वर्ष 128 रेक की तुलना में सितम्बर, 2024 तक बॉक्साइट के 143 रेक लोड किए गए, जो 11.72 प्रतिशत की वृद्धि है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना व मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की समीक्षात्मक बैठक

● डीएम ने प्रभारी मंत्री को पौधा देकर स्वागत किया

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय सभाकक्ष में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार सह अरवल जिला प्रभारी मंत्री हरि सहनी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना एवं मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की समीक्षात्मक बैठक जन प्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों के साथ आयोजित की गई। प्रभारी मंत्री के आगमण के पश्चात जिला पदाधिकारी, कुमार गौरव द्वारा पौधा देकर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात बैठक की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम बंदोबस्त पदाधिकारी द्वारा मंच का संचालन करते हुए अरवल जिले का परिचय दिया गया। तत्पश्चात कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, अरवल द्वारा ‟मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना” के तहत बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टीविटी बढ़ाने हेतु चयनित पुल एवं पुलियों आदि के निर्माण से संबंधित योजनाओं से अवगत कराया गया। इसके पश्चात कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, अरवल द्वारा मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना का परिचय दिया गया तथा इसके अंतर्गत चयनित योजनाओं यथा नाला निर्माण, सड़क निर्माण, पार्क निर्माण इत्यादि से अवगत कराया गया। समीक्षा के क्रम में माननीय विधायक अरवल महानन्द सिंह तथा माननीय विधायक कुर्था, बागी कुमार वर्मा द्वारा दोनों योजनाओं से संबंधित सुझाव दिए गए साथ ही चयनित योजनाओं के प्राथमिकता क्रम के बारे में चर्चा किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा सभी को संबोधित करते हुए बताया गया कि किसी भी कार्य को करने के लिए संसाधन से ज्यादा संकल्प की जरूरत होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्य करें और अरवल को प्रगति व उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन से समाज का विकास, रोजगार के अवसर में वृद्धि, आधारभूत संरचना के विकास आदि में अहम योगदान साबित होगा। उनके द्वारा सुझाव दिया गया कि चयनित योजनाओं को आवश्यक, अति आवश्यक अथवा अनिवार्य आवश्यकता के आधार पर प्राथमिकता दी जाए। दोनों योजनाओं के माध्यम से विकसित अरवल की संकल्पना पूरी की जा सकती है, जो कि राज्य एवं राष्ट्र के विकास में सहयोग प्रदान करेगा। इसके लिए जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को समन्वय स्थापित कर ससमय कार्यों का निष्पादन सुनिश्चि कराना होगा। इसी तरह माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के आशाओं एवं अकांक्षाओं के अनुरूप लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष संध्या देवी, पुलिस अधीक्षक अरवल, जिला स्तरीय पदाधिकरी उपस्थित रहे।

राजद जिलाप्रभारी द्वारा बैठक सम्पन्न हुई

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।गोगरी चार्ट संबोधि होटल के सभागार में राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष मुर्शीद आलम भाई के अध्यक्षता में गया जिला राष्ट्रीय जनता दल का एक दिवसीय बैठक किया गया है ।जिसमें गया जिले के प्रभारी सह मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य सह मुख्य अतिथि डॉक्टर उर्मिला ठाकुर की उपस्थिति में की गई है ।ठाकुर ने सरस्वती की बात पर मुक्त से उठाया विस्तार पूर्वक प्रदेश के द्वारा निर्देशित संगठन मजबूती की विचार व्यक्त की इस बैठक का संचालन जितेंद्र प्रकोष्ठ गया महानगर राष्ट्रीय जनता दल कुमार सरबजीत , विधायक मंजू अग्रवाल , पूर्व विधायक शिव बचन यादव, विधायक समता देवी गोपाल कृष्ण उर्फ जुगनू यादव प्रवक्ता राष्ट्रीय जनता दल गया सरस्वती देवी जिला अध्यक्ष महिला राष्ट्रीय जनता दल गया मोहम्मद यूजर अहमद बरिए राजद नेता वीरेंद्र गोप, ऐश महासचिव बिहार राष्ट्रीय जनता दल अशोक आजाद ज्ञानेंद्र प्रजापत प्रदेश उपाध्यक्ष माटी कला प्रकोष्ठ प्रभात कुमार जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ समीर यादव युवा अध्यक्ष गया महानगर इलियास अंसारी अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ नंदकिशोर यादव जिला अध्यक्ष राजकुमार यादव जिला अध्यक्ष योगी झोपड़ी प्रकोष्ठ उषा पासवान हैप्पी यदुवंशी युवा रा ज द नागेंद्र यादव जिला उपाध्यक्ष राष्ट्रीय जनता दल हरि कृष्ण यादव जिला महासचिव राष्ट्रीय जनता दल श्रीधर यादव जिला महासचिव यादव कृष्ण देव यादव प्रखंड अध्यक्ष बाराचट्टी रिश्तेदारी यादव प्रखंड अध्यक्ष मोहनपुर कृष्ण देव यादव प्रखंड अध्यक्ष बेलागंज बिंदेश्वरी मंडल प्रखंड अध्यक्ष फतेहपुर मोहम्मद भोला भाई प्रखंड अध्यक्ष मानपुर दिनेश यादव प्रखंड अध्यक्ष वजीरगंज लक्ष्मी देवी प्रखंड अध्यक्ष वजीरगंज महिला इत्यादि हजारों की संख्या मे पहुंचे।

सेवा पखवाड़ा के समापन पर भाजपा के कई कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददात

अरवल। भारतीय जनता पार्टी के जिला इकाई के द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में अरवल में स्वच्छ भारत अभियान को 10 वर्ष पूर्ण होने पर एवं सेवा पखवाड़ा के तहत अरवल स्थित अहियापुर लख के समीप मंदिर परिसर में साफ-सफाई की गई साथ ही साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सादर नमन किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा सह प्रदेश संगठन मंत्री शिवनारायण महतो गांधी जी के जयंती पर खादी वस्त्र का खरीददारी कर उन्होंने ने बताया कि अपने पौराणिक परंपरा में शामिल है खादी वस्त्र ,इसे अपने दैनिक जीवन में धारण कर हम सभी को अपनी परंपरा को जीवंत रखना है । सेवा पखवाड़ा के प्रमुख भास्कर कुमार ने बताया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ कर कार्य को विभिन्न विभिन्न रूप से किया जा रहा था आज गांधी जी के जन्म जयंती के साथ सेवा पखवाड़ा का समापन किया गया है साथ ही साथ वासिलपुर,मदन सिंह के टोला वैद्य गांव में सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को भाजपा का सदस्य बनाया गया। भारी संख्या में लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया इस अवसर पर बिहार भाजपा के पूर्व सह प्रदेश संगठन मंत्री आदरणीय श्री शिव नारायण महतो जी,पूर्व जिलाध्यक्ष श्री रामबिनय शर्मा जी ,भाजपा जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार जिला महामंत्री चंदन कुशवाहा युवा भाजपा के नेता अमित राय ,राहुल जायसवाल ,चंदन खत्री, सहित भाजपा पदाधिकारीगण और कार्यकर्तागण उपस्थित रहें

लोजपा नेता ने पार्टी नेताओं से की मुलाकात,किया चुनावी चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) लोजपा रामविलास किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामाज्ञा यादव ने कुर्था विधानसभा क्षेत्र के तकेया गाँव में कुर्था बाजार के सच्चई मोड़ पर अपने साथियों से मुलाकात कर राजनीतिक पर चर्चा किया, इस दौरान रामाज्ञा यादव ने तकेया गांव में स्थापित देवी मंदिर के चरणों में आशीर्वाद लिया एवं अपने क्षेत्र वासियों के लिए सुख समृद्धि के लिए कामना किया, इस दौरान लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पासवान के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामाज्ञा यादव ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी के नेता पूरे तन मन के साथ जुट जाएं और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने को लेकर लोगों से अपील करें साथ ही उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन लगातार विकास की ओर अग्रसर है जिससे स्पष्ट होता है कि इस बार बिहार में भी एनडीए की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता अभी से ही सरकार के तमाम उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें इस मौके पर लोजपा के कुर्था प्रखंड अध्यक्ष जयप्रकाश पासवान, डोमन पासवान, नाजीर पासवान, लोजपा युवा प्रखंड अध्यक्ष अनिल कुमार पासवान, राजेश कुमार बुटन, रामदेवन पासवान, विनय कुमार पासवान,जमुना पासवान सुनील यादव संतोष कुमार अरुण कुमार विकाश कुमार सुनील कुमार समेत दर्जनों की संख्या में लोजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मग कुल के गौरव विनय मिश्रा के निधन पर शोक सभा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददात

औरंगाबाद। । औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड के बरपा ग्राम निवासी सेवानिवृत्त हेडमास्टर त्रिपुरारी मिश्रा के पुत्र विनय मिश्रा के आकस्मिक निधन पर समकालीन जवाबदेही परिवार द्वारा एक शोकसभा का आयोजन किया गया। सिंहा कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के नेतृत्व में आयोजित शोकसभा में उपस्थित सदस्यों ने विनय मिश्रा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने बताया कि विनय मिश्रा झारखंड राज्य के सिंहभूम जिला में एडसी के पद पर कार्यरत थे। वे मगकुल के गौरव थे।उनके आकस्मिक निधन से समाज एवं परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है। इस संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को कष्ट सहने की शक्ति दें। अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए धनंजय जयपुरी,आशुतोष मिश्रा,चंदन पाठक,पुरुषोत्तम पाठक, उज्जवल रंजन, मुरलीधर पांडेय, सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य लोगों ने कहा कि विनय मिश्रा सेवा में रहते हुए भी सामाजिक कार्यों में हमेशा संलग्न रहने वाले व्यक्ति थे।जरूरतमंदों को हमेशा मदद किया करते थे।

औरंगाबाद का साहित्यिक अवदान के प्रथम दिन डॉ रविंद्र कुमार के साहित्य पर संवाद

प्रातः किरण संवाददात

औरंगाबाद ।जिला मुख्यालय औरंगाबाद में सामयिक संवाद परिवार के तत्वावधान में औरंगाबाद जिले का साहित्यिक अवदान में योगदान देने वाले साहित्यकारों की भूमिका विषय पर संवाद के क्रम में प्रथम दिन औरंगाबाद जिले के साहित्य एवं संगीत के सेतु दानिका परिवार के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार के समग्र साहित्य पर संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामयिक संवाद परिवार के संरक्षक धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि बचपन में ही रविंद्र को विरासत में संगीत मिली।साथ ही साथ उन्होंने साहित्यिक रचनाओं को संगीत की धारा से जोड़कर मूर्त रूप करने का प्रयास किया। मगध क्षेत्र के लोक संगीत का तात्विक अध्ययन,संगीत साधना के सहयात्री, मेरी जीवन यात्रा, औरंगाबाद जिले में कला एवं संगीत के बढ़ते कदम,दानिका एक घराना कृतियां लेखक की प्रमुख कृतियां हैं।जिसमें,उन्होंने अपने जीवन के अनछुए पहलुओं को बताया है।संगीत के क्षेत्र में औरंगाबाद जिले के प्रमुख व्यक्तियों के बारे में संस्मरण को लोगों के सामने परोसा है। मगध क्षेत्र के लोक संगीत के बारे में उनका जो शोध परक तथ्य लोगों को काफी प्रेरित करती हैं।संगीत के उन पहलुओं से साहित्यकार लोगों को रूबरू कराता है जिसमें शुरूआती दौर की परंपरा का पता चलता है। लेखक संगीत को वहां पहुंचना चाहता है जहां साहित्य और संगीत में पारंपरिक संबंधों की व्याख्या होती है। हिंदी भाषा के विकास एवं जिले के साहित्यिक अवदान में लेखक का महत्वपूर्ण योगदान है।

लखनऊ के कलाकारों द्वारा रामलीला का गया में 7 से 12 तक किया जाएगा आयोजन: कुमार गौरव

प्रातः किरण संवाददात

गयाः श्री आदर्श लीला समिति के तत्वावधान में पिछले 54 वर्षों से आयोजित होने वाले रामलीला की तैयारी जोरों पर है। इसको लेकर हुई बैठक में फाइनली निर्णय लिया गया कि किस तरह से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा और क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।इस बैठक को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा ने बताया कि लखनऊ से आ रहे रिदम म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों द्वारा यह आयोजन 7 अक्टूबर षष्ठी से लेकर 12 अक्टूबर विजयादशमी तक किया जाएगा। इस आयोजन से समाज में आपसी सौहार्द देखने को मिलता है। इस कार्यक्रम में सभी की भूमिका अहम होती है। रामलीला के लिए आने वाले कलाकारों द्वारा जो प्रस्तुति की जाएगी वो इसबार और आकर्षक होगी, जिससे गया नगर पूरी तरह से भक्तिमय हो जाता है। गया शहर में इस मंच के माध्यम से रामलीला का समिति आयोजन करती आ रही है, इस आयोजन का तात्पर्य है कि समाज में आपसी मिल्लत की मिसाल कायम रह सके। पहले स्थानीय छात्र इस कार्यक्रम को किया करते थे लेकिन अब बच्चे अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण समय नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए समिति ने बाहर के कलाकारों द्वारा रामलीला के आयोजन का निर्णय लिया है ।

प्रभारी मंत्री को बुनकर कल्याण संघ पटवा ने ज्ञापन देकर की मांग

प्रातः किरण संवाददात

गया ।उद्योग विभाग एवं पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से लोकल फोर भोकल के तहत स्थानीय बुनकरों द्वारा उत्पादित कॉटन टेक्सटाइल प्रोडक्ट शॉप का स्थाई रूप से आवंटित करने से गया जिला अंतर्गत मानपुर पटवाटोली सूती वस्त्र उत्पादन का हब है जहां कार्यरत लगभग 12000 हैंडलूम और पावरलूम की 1000 घरेलू कुटीर उद्योग की इकाइयां कार्यरत है यहां सुती खादी वस्त्र गमछा , चादर , बेडशीट , रजाई खोल ,, गद्दा कपड़ा , साड़ी , लेडीज स्टॉल आदि का उत्पादन बुनकरों द्वारा होता है। मानपुर पटवाटोली को बिहार का मिनी मैनचेस्टर भी कहा जाता है बुनकरों द्वारा उत्पादित सुती वस्त्र का उत्पाद , गया जी बिहार आने वाले तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों को उचित दर पर उपलब्ध हो इसके लिए गया रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म , गया एयरपोर्ट , बोधगया महाबोधि मंदिर , बिष्णु पद मंदिर , सीता कुंड मंदिर परिसर में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को प्रमोट करने की योजना के तर्ज पर बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ को स्थाई रूप से विभर्श टैक्सटाइल्स प्रोडक्ट शॉप का निर्माण करवाकर , विभर्श कॉटन प्रोडक्ट सेलिंग शॉप आवंटन किए जाने से गया जी बिहार आने वाले पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों को बेस्ट कॉटन क्लॉथ मुहैया होगा। जिससे बुनकरों को बढ़ावा मिलेगा ,इनका समेकित समुचित विकास होगा , बुनकरो का सशक्तिकरण होगा।

आत्मनिर्भर बुनकर होंगे तो बिहार आत्मनिर्भर होगा , बिहार टेक्सटाइल के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। उपरोक्त उधोग को बढ़ावा देने वाला , बेरोजगारी दूर करने वाला , बिहार गया आने वाले पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों को बिहार का उत्पाद मुहैया कराने के लिए गंभीरता पूर्वक विचार करने की आवश्यकता है।गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने नीतीश मिश्रा मंत्री उधोग विभाग व पर्यटन विभाग सह गया जिला प्रभारी मंत्री बिहार सरकार को ज्ञापन देकर मांग किया है सकारात्मक विषय उद्योग विभाग एवं पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से चिंतन मनन करते हुए स्थानीय बुनकरों द्वारा उत्पादित कॉटन टेक्सटाइल प्रोडक्ट को प्रमोट करने एवं पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों को लोकल फार भोकल को बढ़ावा प्रदान करने हेतु वर्णित स्थलों पर बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ को स्थाई विमर्श टेक्सटाइल शॉप आवंटन हेतु अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई किया जाय। उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने वाले सकारात्मक कार्य हेतु बुनकर संघ सदैव आपका आभारी रहेगा।

शिलापट पर हो गई मरम्मत लेकिन धरातल पर बह रहे हैं नाली का पानी

प्रातः किरण संवाददात

कुर्था (अरवल) नगर पंचायत का विकास देखना है तो सिर्फ शिलापट पर ही अपना नजर दौडाइये चुकी धरातल पर वह सब दिखाने वाला नहीं है सुनने में तो जरूर अटपटा लग रहा है लेकिन यही हकीकत है कुर्था नगर पंचायत का जी हां हम बात कर रहे हैं कुर्था नगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन का जहां विगत दिनों बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग बिहार पटना कार्यालय नगर पंचायत कुर्था अरवल के योजना वार्ड संख्या तीन में कृष्णा सोनार के घर से बीएसएनएल कार्यालय के गेट तक नाली मरमत आरसीसी ढक्कन मरमती एवं पीसीसी रोड कार्य का जो 9.93.800 रुपए की लागत से निर्माण कराया गया है जैसा कि शिलापट में अंकित किया गया है लेकिन धरातल पर देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि अभी तक एक भी काम नहीं हुआ है हालांकि यही हालत नगर पंचायत द्वारा कराए गए कार्यों का सभी जगह देखने को मिल रहा है जहां नगर पंचायत के अधिकारियों के मिली भगत से इस तरह के कार्यों का अंजाम दिया जा रहा है हालांकि कुर्था नगर पंचायत के अभिकर्ता कनीय अभियंता मृत्युंजय कुमार द्वारा इन कार्यों को अंजाम दिया गया है जिसकी हकीकत धरातल पर बयान कर रही है हालांकि जैसे ही उक्त योजना को लेकर योजना स्थल पर शीलापट लगाए गए तो लोग उक्त शिलापट को देखकर अवाक रह गए कि आखिर इस तरह के शिलापट भी नगर पंचायत क्षेत्र में लगाए जा रहे हैं जो लोगों के बीच हंसी का पात्र बनकर रह गया है कुर्था नगर पंचायत के लोगों की माने तो नगर पंचायत के द्वारा कई ऐसे पीसीसी का निर्माण कराया गए हैं जो महज खानापूर्ति कराया गया है जिसमें नगर पंचायत के सभी अधिकारियों की संलिप्ता को उजागर करती है इस संबंध में वार्ड संख्या तीन के लोगों ने अरवल जिलाधिकारी से उक्त मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की है।

टैगनी गांव में हम पार्टी की सदस्यता अभियान की महत्वपूर्ण बैठक

प्रातः किरण संवाददात

गया। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा पार्टी की सदस्यता अभियान की महत्वपूर्ण बैठक फतेहपुर प्रखंड के टैंगनी गांव में संपन्न हुई है। इस बैठक में आसपास के ग्रामीणों ने भाग लिया है। बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संतोष मांझी बोधगया विधानसभा के अंतिम छोर पर बसे गांव टैंगनी से सदस्यता अभियान की शुरूआत करेंगे। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं।पार्टी के प्रवक्ता ई. नंदलाल मांझी ने कहा कि हमारे नेता जीतन राम मांझी और डॉ. संतोष मांझी गरीबों की वकालत करते हैं और उनके अधिकारों की आवाज उठाते हैं। समाज के सबसे अंतिम पायदान रहने वाले लोगों को नेतृत्व का मौका देती है। इसीलिए हमारी पार्टी बोधगया विधानसभा के सबसे अंतिम छोर पर बसे गांव टैंगनी से इसकी विधिवत शुरूवात की जायेगी । जिसमें 16 अक्टूबर को गरीबों के नेता और युवा आदर्श डॉ.संतोष मांझी शामिल होंगे।इस अवसर पर दलित प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दिना मांझी , विनोद भारती ,सुनील यादव ,प्रखंड अध्यक्ष विकास मांझी पंचायत अध्यक्ष अजय मांझी , नरेश मांझी अंजू कुमारी, महेंद्र मांझी, राजू मांझी, सूकर मांझी, नंदकिशोर घटवार, रेणु मांझी, मानती देवी, मीना देवी, देवांति देवी, अशोक घटवार, चंदर घटवार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

बहालियों में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ दोहरी नीति अपना रही केंद्र सरकार: बीरेन्द्र गोप

प्रातः किरण संवाददाता

गया।ओबीसी महासभा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल बिहार के प्रदेश महासचिव एड० बीरेन्द्र कुमार उर्फ बीरेन्द्र गोप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स एवं केंद्र अधीनस्थ अस्पतालों में निकाले गये बहाली के आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के छात्रों के बराबर ओबीसी वर्ग के छात्रों का रखा जाना एवं ईडब्ल्यूएस के तहत वही सामान्य वर्ग के छात्रों का आवेदन शुल्क कम रखकर केन्द्र सरकार पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ दोहरी नीति अपना रही है। बीरेन्द्र गोप ने कहा कि आठ लाख प्रतिवर्ष आय वाले छात्रों का आवेदन शुल्क 2400 और छः लाख प्रतिवर्ष आय वाले छात्रों का आवेदन शुल्क 3000 रखा जाना कहीं से न्यायोचित नहीं है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ सबका विकास की बात करती हैं तो दूसरे तरफ पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव कर खुद पर पिछड़ा विरोधी होने का मुहर लगा दी है,जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम होगी। बीरेन्द्र गोप ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समान्य वर्ग के छात्रों की तरह पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति के छात्रों को भी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी कर सरकारी एवं नीजि संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की है। इसके साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं तो दूसरे तरफ उनके ही मंत्री वर्चस्व की लड़ाई में एक दूसरे पर आरोप लगाकर आपस में सर फुटव्वल करने में लगे हुए हैं जो बाढ़ पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा कार्य है।

गरीब संकल्प सभा की सफलता के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने पार्टी द्वारा प्रस्तावित 6 अक्टूबर 24 को बांके बाजार के मगध विद्यापीठ स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले गरीब संकल्प सभा को सफल बनाने के लिए प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांव में चलाया जनसंपर्क अभियान। जनसंपर्क अभियान में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं बिहार के सांसद प्रतिनिधि रोमित कुमार ने कहा जीतन राम मांझी के कार्यकाल में इमामगंज विधानसभा में विकास के कार्यों में काफी तेजी आई है और आज पूरे विधानसभा में लोग भय मुक्त होकर रह रहे हैं आने वाले समय में कई अहम बड़ी परियोजनाएं क्षेत्र के लोगों को सौगात के रूप में मिलने वाली है इसके लिए हमारे नेता मांझी की पूरी तरह से प्रयत्न है।पार्टी के जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मजे ने कहा 6 अक्टूबर को होने वाले संकल्प सभा ऐतिहासिक होगा पूरे क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग अपने लोकप्रिय नेता को सुनने के लिए उपस्थित होंगे। पार्टी के महिला जिला अध्यक्ष रूबी देवी ने कहा जीतन राम मांझी गरीबों की बात सीना ठोक कर कहने का साहस रखते हैं इसलिए गरीबों का आकर्षण और भरोसा बढ़ा है ।मगधा,बेलवा टांग नारायण डीह कोटिल्वा , हरदिया , केवला, दोहरी आदि कई गांव में जनसंपर्क किया है। इस मौके पर रोहित कुमार सांसद प्रतिनिधि नारायण प्रसाद मौर्य जिला अध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष इकराम खान महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रवि देवी ,पूर्व जिला अध्यक्ष टुटू खान, जिला सचिव राकेश कुमार प्रखंड अध्यक्ष अजमत खान विनय मंडल ,महेंद्र मांझी, मो० साजिद हुसैन आदि।

मोथहा रामपुर में 36 घंटे का रामायण पाठ संपन्न, श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण

प्रातः किरण संवाददात

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती गांव मोथहा रामपुर स्थित राम जानकी मंदिर में 36 घंटे के भव्य धार्मिक आयोजन का समापन हुआ.इस आयोजन में रामायण और भागवत गीता का पाठ किया गया,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से हिस्सा लिया.मंदिर के महंत ऋषिमुनि ओझा ने बताया कि 36 घंटे तक चले इस अद्वितीय आध्यात्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य समाज में धार्मिकता, सद्भावना और शांति का संदेश फैलाना था.स्थानीय ग्रामीणों के अलावा दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी इसमें भाग लिया.पाठ के समापन के बाद प्रसाद वितरण किया गया,जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान राम-जानकी का आशीर्वाद प्राप्त किया.महंत ने इस आयोजन की सफलता का श्रेय क्षेत्र के श्रद्धालुओं के सहयोग को दिया.प्रसाद वितरण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया.

इस अनुष्ठान में स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित थे,जिन्होंने इस आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया ।

एनडीए के शासन काल में कुशवाहा समाज के लोगों के हत्या गोलीबारी पर सरकार चुप क्यों?: सांसद अभय कुशवाहा

प्रातः किरण संवाददाता

गया।राष्ट्रीय जनता दल के संसदीय दल के नेता अभय कुशवाहा ने कहां कि मानपुर के खंजाहापुर में माइक्रोफाइनेंस कंपनी से 500000 लूट लिए और दिनदहाड़े अपराधियों ने कुशवाहा समाज के चार लोगों पर तवा- तोड़ गोली मारकर करके गंभीर रूप से घायल कर दिया सभी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। लगातार हो रहे कुशवाहा समाज के नेताओं और कुशवाहा समाज के लोगों के हत्या पर कुशवाहा के नेता मानने वाले उपेंद्र कुशवाहा एवं सम्राट चौधरी चुप क्यों है? कुशवाहा समाज की लोगों की हत्या हो रही है आज तक 5 सालों में विभिन्न जिलों में 20 से अधिक कुशवाहा नेताओं की हत्या हुई लेकिन किसी भी अपराधी का आज तक नितीश कुमार की सरकार ने अपराधियों को पकड़ने का काम नहीं किया है। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं दिन के उजाले में 10:00 बजे सरेआम घटना का अंजाम दे रहे हैं और नीतीश कुमार का पुलिस मुख्य दर्शक बनी है।अभय कुशवाहा ने कहा कि जिस तरह से बिहार में कुशवाहा समाज के नेताओं के साथ-साथ कुशवाहा समाज के लोगों को टारगेट करके हत्या की जा रही है इससे साफ साबित होता है कि इस एमडीए के शासनकाल में अपराधी बेलगाम है।गया जैसा शहर में खंजाहापुर में विजय अमीन के साथ-साथ अन्य चार लोगों को जिस तरह से टारगेट करके गोली मारा गया इससे यही दशार्ता है की सुनियोजित तरीके से कुशवाहा समाज के लोगों पर एक-एक करके हत्या करने का कोशिश की जा रही है। लगातार 5 साल से कभी गोपालगंज कभी सिवान कभी दानापुर, अरवल हाल के दिनों में फुलवारी शरीफ में कुशवाहा समाज के नेताओं की हत्या हुई आज तक मुख्यमंत्री की सरकार हथियारों को पकड़ने का काम नहीं किया। एवं पीड़ित परिवार को आज तक इंसाफ नहीं मिला है।

रनवे रिदीम डांडिया नाइट और फेशन शो 9 को

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। फैशिनो ग्रुप और दस्तक बिहार के संयुक्त तत्वावधान में 9 अक्टूबर की शाम बेली रोड मेट्रो पिलर नंबर 154-155 के पास मान्या प्रीमियर रिजॉर्ट में रनवे रिदीम डांडिया नाइट और फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। शो के ऑर्गनाइजर शुभम कुमार ने बताया कि बिहार में पहली बार फैशन शो और डांडिया नाइट होने जा रहा है, वो भी एक टिकट पर। डांडिया नाइट पास की कीमत सिंगल 399, युगल 699 और फैमिली पास 1099 रुपए में उपलब्ध है। इस मौके पर राज कुमार, शुभम कुमार, गौरव सिन्हा, दिनेंद्र कुमार मौजूद थे। बताते चलें रनवे रिदीम डांडिया नाइट के एक आकर्षक वैन का लॉन्चिंग होने वाला है, जिसमें मखाने का रबड़ी, लड्डू, मिठाई, ढोकला, समोसा, पिज्जा इत्यादि उपलब्ध रहेगा।

बाजे गाजे के साथ निकाला नवरात्र का कलश यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) बैरिया प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न देवी स्थान एवं पूजा पंडालों में नवरात्र के प्रथम दिन मां भवानी का कलश यात्रा निकाला गया जिसमें बरगछिया गांव के राम जानकी मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भाति इस वर्ष भी नवरात्र के प्रथम दिन बाजा गजा के साथ 205 कुंवारी कन्याओं ने कलश यात्रा लेकर गंडक नदी में गई जहां गंडक नदी के तट पर प्रधान यजमान नथनी यादव एवं उनकी धर्मपत्नी प्रभावती देवी ने पूजा अर्चना की पूजा अर्चना के दौरान पंडित अवधेश पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराया इसके बाद गंडक नदी में जल भरकर कुंवारी कन्याओं ने पुनः पूजा पंडाल में पहुंची जहां कलश रखकर माता का पूजा अर्चना किया गया वहीं आचार्य श्री पांडे ने बताया कि आज नवरात्र के प्रथम दिन माता शैलपुत्री का पूजा अर्चना किया जाता है माता शैलपुत्री पर्वत राज हिमालय के घर जन्म ली थी इसलिए इन्हें शैलपुत्री नाम से जाना जाता है कहा जाता है कि माता शैलपुत्री की पूजा अर्चना करने से कई ग्रहों से बचा जा सकता है वही बैरिया बाजार पूजा पंडाल से 201 कुंवारी कन्याओं ने बैरिया बाजार से निकलिया होते हुए गंडक नदी के तट पर जाकर प्रधान यजमान चंदेश्वर चौधरी एवं उनके धर्मपत्नी ने पूजा अर्चना कर गंडक नदी में जल भरकर बैरिया बाजार पूजा पंडाल तक आए जहां पूजा पंडाल में पूजा अर्चना किया गया मौके पर पूजा कमेटी के रामप्रवेश यादव, गुंजन कुमार, विनय कुमार, राहुल कुमार, गोपाल पटेल विंध्याचल पटेल, करण कुमार सत्यांशु कुमार ,विजय चौधरी, अशोक चौधरी उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा दिवस का हुआ समापन समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

दरियापुर स्थानीय रेल पहिया कारखाना में हिंदी पखवाड़ा दिवस का समापन समारोह आयोजित किया गया।जिसमे सभी प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सह कारखाना के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने कहा की हिंदी हमारी मातृभाषा होने के साथ ही देश की राजभाषा भी है।ऐसे में इसका प्रयोग केवल सरकारी कार्यो में ही नही,बल्कि दैनिक जीवन में भी बढ़ावा चाहिए।हिंदी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और इसके संवर्धन के लिए हमे हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए। वहीं इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा के तहत निबंध लेखन, वर्तनी, प्रश्नोत्तरी समेत कई अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।जिसमे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दस कर्मचारियों तथा हिंदी भाषा का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दो कार्यालय को भी पुरस्कृत किया गया।मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा की हिंदी पखवाड़ा न केवल भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम है,बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है।अंत में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता,प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक,उप मुख्य कार्मिक अधिकारी समेत कई अन्य द्वारा भी हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके विकास में योगदान देने की अपील की गई।

मांझी पुलिस ने टेम्पो से अंग्रेजी शराब किया बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

मांझी। मांझी पुलिस ने मांझी के बलिया मोड़ से गुरुवार की सुबह शराब लदी एक ऑटो को जप्त किया है। ऑटो के तहखाना से लगभग 58 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है जबकि चालक पुलिस पकड़ से बाहर बताया जा रहा है। तू डाल-डाल तो मैं पात पात के तर्ज पर तस्कर शराब की तस्करी कर रहे थे। तमाम चालाकियों के बाद भी पुलिस की पैनी नजर से नहीं बच पाए। तस्करों के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक उक्त ऑटो में शराब तस्करी के लिए विशेष रूप से तहखाना बनाया गया था। जिसमें यूपी से शराब लाद कर बिहार के दूसरे जिलों में पहुंचा जा रहा था।

केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ग्रस्त इलाका का किया दौरा

सरकारी स्तर पर मदद और मुआवजे का दिया भरोसा

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बुधवार को संध्या दिल्ली से केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे दल बल के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने बगहा पहुँचे । इस दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ बगहा से बीजेपी सदर विधायक राम सिंह भी मौजूद रहें।बाढ़ पीड़ितों से एक एक कर मंत्री ने उनके हाल जाना और भरोसा दिलाया की आपदा के इस घड़ी में सरकार पीड़ितों के साथ है,जल्द हीं सर्वे कर बाढ़ पीड़ितों को सरकारी स्तर पर मदद और मुआवजा दिलाया जायेगा । दरअसल नेपाल से बीते दिनों 6.40 लाख क्यूसेक सार्वधिक पानी का 21 वर्षों बाद डिस्चार्ज गंडक नदी में किया गया था जिसके बाद गाँव से लेकर शहर तक सैलाब नें सितम ढाया।बगहा शहर के कैलाशनगर,नारायणापुर घाट और मलपुरवा समेत शास्त्रीनगर व गाँधीनगर समेत दीनदयाल नगर, पुअर हाउस और मलपुरवा में बाढ़ पीड़ितों की परेशानी जाना यहीं वजह है की प्रशासन के साथ साथ खुद सदर विधायक राम सिँह ने चार दिनों तक प्रभावित इलाकों में सूखे राशन के पैकेट बाँटे और अब केंद्रीय मंत्री के साथ विधायक ने चौपाल लगाकर जन जन की समस्याओं से रु ब रु होकर कुदरत के कहर में जिनके घर बार डूबें हैं उनके जख्मों पर मरहम लगाया । केंद्रीय मंत्री नें दावा किया है की जल्द हीं स्थानीय प्रशासन और बिहार सरकार की ओर से क्षतिपूर्ति का आंकलन कर पीड़ितों को मुआवजा दिलाया जायेगा । बतादें की नारायणी नदी अभी कुछ शांत हुई है और बाढ़ का पानी अब धीरे धीरे कम होकर उतरना शुरू हुआ है वहीं गंडक नदी में वाल्मीकिनगर बराज से महज 1 लाख क्यूसेक पानी का बहाव किया जा रहा है, जबकि मौसम का मिजाज भी बदला है जिससे कुछ राहत बाढ़ पीड़ितों के साथ साथ प्रशासन नें भी ली है, लेकिन पीड़ितों का दर्द और उनकी पीड़ा कम नहीं हुई है। लिहाजा राज्य और केंद्र सरकार गंभीर है क्योंकि केंद्र सरकार ने बिहार को आपदा राहत के लिए खास पैकेज दिए हैं, तो वहीं सीएम नीतीश कुमार नें एरियल सर्वे कर साफ कर दिया है की बिहार के खजाने पर पहला हक बाढ़ पीड़ितों का है । ऐसे में अब देखने वाली बात होंगी की बाढ़ प्रभावित इलाकों का प्रशासन और सरकार कब तक सर्वे करवाकर उन्हें उचित मुआवजा देती है जिसका पीड़ितों को बेसब्री से इंतजार है।

सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का होगा परिचालन

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । अगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य दिनांक 04.10.2024 से 02.02.2025 तक एक जोड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 05585/05586 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन किया जायेगा । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 13 कोच तथा साधारण श्रेणी के 07 कोच सहित कुल 22 कोच होंगे ।

गाड़ी सं. 05585 रक्सौल-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 04.10.2024 से 31.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को रक्सौल से 16.55 बजे खुलकर 17.44 बजे बैरगनिया, 18.25 बजे सीतामढ़ी, 21.50 बजे मुजफ्फरपुर, 23.15 बजे हाजीपुर रूकते हुए शनिवार को 00.50 बजे पाटलिपुत्र, 01.18 बजे दानापुर एवं 05.00 बजे डीडीयू रूकते हुए रविवार को 05.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी ।

वापसी में, गाड़ी सं. 05586 लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 06.10.2024 से 02.02.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 16.35 बजे खुलकर सोमवार को 20.05 बजे डीडीयू, 23.40 बजे दानापुर एवं मंगलवार को 00.05 बजे पाटलिपुत्र, 00.55 बजे हाजीपुर, 02.30 बजे मुजफ्फरपुर, 05.20 बजे सीतामढ़ी एवं 05.56 बजे बैरगनिया रूकते हुए 07.45 बजे रक्सौल पहुंचेगी ।

बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिये इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी आगे आई

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। बाढ़ पीड़ितों के मदद हेतु इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी आई आगे।कपड़ा,भोजन सामग्री, दवा,त्रिपाल और मच्छरदानी का किया जायेगा वितरण। जिलाधिकारी राजीव रौशन ने झंडी दिखाकर सामग्री से लदा ट्रक किया रवाना। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सेंट्रल मैनेजिंग कमिटी के सदस्य डॉ.अशोक सिंह एवं राज्यपाल के प्रतिनिधि रोहित ठाकुर के नेतृत्व में किरतपुर प्रखंड के तरवारा गाँव में लगभग 250 बाढ़ पीड़ितों के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी,दरभंगा शाखा के सौजन्य से वितरण कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी सह इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष राजीव रौशन ने रेड क्रॉस के इस पहल की सराहना की। साथ ही जिला प्रशासन के द्वारा किए जा रहे बाढ़ पीड़ितों के मदद में इससे और उत्साह बढ़ेगा। रवाना होने वाली टीम इंडियन क्रास सोसाइटी के राज्य प्रतिनिधि डॉ आर बी खेतान,सचिव मनमोहन सरावगी,संयुक्त सचिव आलोक सिंह, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार, सदस्य आत्मप्रकाश सर्रा,हीरा कुमार झा, कुमार आदर्श,फहद आब्दि,प्रकाश रंजन सिंह,लता खेतान,मनीष कुमार सिंह,रवींद्र कुमार यादव, नारायण चौधरी,सितारे खान,राहुल कुमार, उज्ज्वल कुमार आदि टीम में शामिल थे।

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का हुआ शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी/भोजपुर। नगर पंचायत गडहनी सहित प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न गाँवो में गुरूवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर प्रतिमा स्थापित पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की।वहीं नगर पंचायत गडहनी के बिचली पट्टी, पुरानी बाजार शिव मंदिर, गडहनी गोला बाजार, सहंगी रोड सहित ग्राम पंचायत बगवां के पहरपुर गांव मे, ग्राम पंचायत बलिगांव मे, काउप, लभुआनी मोड पर कलश स्थापन कर माँ भगवती की आराधना एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू की गई।पण्डित राजीव रंजन मिश्र व अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन देवी के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री का दर्शन पूजन किया गया। मां शैलपुत्री भय का नाश कर शांति प्रदान करती है। जगदम्बा शैलपुत्री स्वरूप में पर्वतराज हिमालय के घर में पुत्री रूप में अवतरित हुई थी।कालांतर में जगदम्बा इसी स्वरूप में पार्वती के नाम से भगवान शंकर की अर्धांगनी हुई। देवी शैलपुत्री शांत चित्त रहने व प्रत्येक शुभ कार्य के प्रति उत्साह रखने का संदेश देती है। शारदीय नवरात्र को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। पूजा कमिटी के लोग पूजा पंडाल के निर्माण, साजसज्जा में श्रद्धा भाव से जुट गए हैं।वहीं पहरपुर मे पूजा अध्यक्ष राम कुमार बाबा, पुरोहित नारद बाबा के द्वारा गांव की सुख शान्ति व समृद्धि की कामना को लेकर ग्रामीण महिलाओं व पुरूषो ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापन कर प्रथम दिन शैलपुत्री माता की पूजा अर्चना की गई।इस अ पर पूजा कमिटी के सदस्य राम बदन मेहता, संजय मिश्र ड्राइवर, विजय बहादुर मिश्र, सुदर्शन यादव, सांस्कृतिक पदाधिकारी शैलेन्द्र मिश्र सहित बल वृन्द मातारानी के भक्तो द्वारा जय माता दी और दुर्गा माता की जयकारा लगा वातावरण को भक्तिमय बना दिया।वहीं शैलेन्द्र मिश्र ने बताया कि पूजा को शान्तिपूर्ण माहौल मे सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन से अनुमति ली गई है।इस तरह नवरात्रि के प्रथम दिन नगर वासियों एवं ग्रामीणो के सहयोग से शान्ति व सौहार्द के बीच भक्तिमय माहौल मे पूजारम्भ की गई।

महात्मा गांधी सत्य एवं अहिंसा के पुजारी के रूप में विश्व विख्यात हैं : ए के कश्यप

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। महात्मा गांधी सत्य एवं अहिंसा के पुजारी के रूप में विश्व विख्यात हैं। इन्होंने इस पथ पर चलकर भारतवर्ष को आजादी दिलाई। सामाजिक सद्भावना, एकता एवं मानवता का प्रसार करने वाले बापू आने वाले समय में भी अविस्मरणीय रहेंगे। वहीं लाल बहादुर शास्त्री विनम्रता, सादगी, एवं ईमानदारी के प्रतीक स्वरूप भारतवर्ष के आदर्श पुरोधा के रूप में जाने जाते हैं। उक्त बातें ए के कश्यप,प्राचार्य दरभंगा सेंट्रल स्कूल, कृष्णा विहार वासुदेवपुर ने आयोजित गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर कही। इस अवसर पर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्कूल के संस्थापक राज ऋषि आचार्य सुदर्शन जी महाराज एवं प्रबंधकीय न्यासी डॉ कुमार अरुणोदय ने गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर उनके सिद्धांतों पर चलने का विचार संप्रेषित किया। इस कार्यक्रम में भी के झा ने कहा कि महात्मा गांधी सामाजिक समरसता का संदेश देने वाले महापुरुष के रूप में जाने जाते हैं। तथा लाल बहादुर शास्त्री हरित क्रांतिको लाकर भारतवर्ष को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाए।वहीं भोगेंद्र कुमार ने कहा कि-गांधीजी सत्य के रास्ता पर चलने की सीख दिए। सपना सुमन ने गांधी जी का भजन गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध की।

इस कार्यक्रम में बच्चों ने भी अपना उदगार प्रकट किया। जिसमें आशीष कुमार, अभिषेक कुमार एवं दिव्यांशु ने गांधीजी के विचारों को रखा। कार्यक्रम में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की भागीदारी रही।

देवी मांडवी पर पहली गीत रिलीज

लोक गायक गोलू शर्मा ने माँ मांडवी की महिमा को दिया अपना स्वर

प्रातः किरण संवाददाता

वैशाली , पातेपुर । वैशाली जिलें के पातेपुर प्रखंड के और राम सर्किट का प्रमुख स्थान मांडवीडीह धाम की महिमा को लोक गायक गोलू शर्मा ने अपनी बेहतरीन आवाज दी है। आज मांडवीधाम परिसर में ह्न हे मांडवी मईयाह्न गीत को लॉन्च किया गया। गीत के विमोचन पर मांडवीधाम शक्ति पीठ के अध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद सिंह, बिहार के उभरते लोक गायक गोलू शर्मा, दिलीप सिंह ,पंकज कुमार रानू समेत सैकड़ो भक्तजन मौजूद थे । विमोचन के मौके पर गायक गोलू शर्मा ने कहा कि मांडवी महारानी की महिमा अपरम्पार है । माता के दरबार में कोई भी भक्त सच्चे मन से अर्जी लगाते हैं उसकी मनोकामना जरुर पूर्ण होती है । मां मांडवी सूनी गोद को भरने के लिए प्रसिद्ध है । आज तक जितने भी बेऔलाद दंपति ने यहां अर्जी लगाई है उनके घर में किलकारी गूंजी है । इसी महिमा से प्रेरित होकर यह गीत बनाई गई है । यह गीत मूल रूप से बज्जिका भाषा में है । विमोचन के बाद लोग इस गीत को पसंद कर रहे हैं । गीत के विमोचन होने पर मांडवीधाम फाउंडेशन के हरि ओम उत्तम ने कहा की अपनी लोक भाषा में देवी गीत लोगों को बहुत पसंद आएंगे। यहां माता जी की महिमा निराली है।

विभूतिपुर विधायक ने एक उच्चस्तरीय पुल सहित चार सड़को का किया शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर । विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय विधायक अजय कुमार ने अलग-अलग जगहों पर एक उच्च स्तरीय पुल व चार सड़कों का शिलान्यास किया।एक ओर जहां पोलिटेक्निक कॉलेज किशनपुर टभका के पास जर्जर पुल के जगह पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण का शिलान्यास किया वहीं राघोपुर उच्च विद्यालय से चकविदुलिया जाने वाली सड़क,शाहपुर चौक के बगल से बसौना होते हुए नरहन जाने वाली सड़क,रुपौली राजस्व ग्राम के शेष भाग से रुपौली खुर्द जाने वाली सड़क, बंबईया से दलसिंहसराय जाने वाली सड़क का शिलान्यास किया।मौके पर जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार ,लोकल सचिव मिथिलेश सिंह, रामदेव राय, विश्वनाथ महतो, प्रिय रंजन ठाकुर ,डॉ बिशनदेव प्रसाद सिंह, संजय कुमार, राम पुनीत वर्मा ,पूर्व मुखिया दिलीप राय,राजद नेता महेश राय, शशि कांत झा,शंकर सहनी,सिया प्रसाद यादव, अशोक सहनी, रामविलास शर्मा आदि थे।

एक्सिस बैंक ने की दिल से ओपन सेलिब्रेशन की घोषणा की

फेस्टिव सीजन में आकर्षक डील और छूट की पेशकश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने दिल से ओपन सेलिब्रेशन की शुरूआत की घोषणा की। इसके तहत बैंक कार्ड के जरिये ई-कॉमर्स, लाइफस्टाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रैवल, डाइनिंग और किराने के सामान पर रोमांचक डील और छूट की पेशकश की गई है। इन ऑफर्स के अलावा बैंक के ग्रैब डील्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से 50 से अधिक पसंदीदा ब्रांड और शीर्ष भारतीय ई-कॉमर्स प्लेयर्स पर अतिरिक्त कैशबैक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

बैंक के प्रेसिडेंट व हेड- कार्ड और पेमेंट, संजीव मोघे ने कहा कि हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन विकल्प और ऑफर प्रदान करने के लिए इस फेस्टिव सीजन में कुछ सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य शॉपिंग, लग्जरी लाइफस्टाइल, यात्रा, डाइनिंग और ग्रॉसरी पर बेहतरीन डील और छूट के साथ फेस्टिव सीजन के उत्साह और खुशी को बढ़ाना है। हमें उम्मीद है कि हमारे ग्राहक वास्तव में इसका आनंद लेंगे और छूट, कैशबैक आदि लाभों का अधिकतम लाभ उठाएंगे ताकि ये फेस्टिव सीजन यादगार रहे। बैंक के कार्डधारक फ्लिपकार्ट पर की गई सभी खरीदारी पर अतिरिक्त 5% कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर बैंक के ग्रैब डील्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 6 अक्टूबर तक चलेगा, जिस पर ग्राहक 3,000 रुपये तक का कैशबैक पा सकते हैं। दशहरा के करीब इस ऑफर को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

एसडीएच दलसिंह सराय के प्रसव कक्ष एवं ओटी के लक्ष्य प्रमाणीकरण को लेकर आरपीएम ने किया निरिक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

दलसिंहसराय/समस्तीपुर। जिला में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसडीएच दलसिंहसराय के प्रसव कक्ष एवं ओटी के लक्ष्य प्रमाणीकरण को लेकर टूल किट पर आरपीएम ने सुपरवीजन किया गया जिसमें सभी आठ पैरामीटर पर मार्किंग की गई। क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक नजमुल होदा ने बताया अभी प्रसव कक्ष के इंटरनल असेसमेंट में कुल 53% मार्क्स मिले हैं। जिसमें सर्विस प्रोविजन मे 91%, पेशेंट राइट मे, 72%, इनपुट मे, 53 %, सपोर्ट, सर्विस में 65 %, वैलनेस एंड क्लीनिकल सर्विस में 64 %, इनफेक्शन कंट्रोल में 66%, क्वालिटी मैनेजमेंट में 6%, आउटकम में 5%, मार्क्स मिले हैं। वही ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में कुल 55% मार्क्स मिले हैं। जिसमें सर्विस प्रोविजन मे 72%, पेशेंट राइट मे 82%, इनपुट मे 53 %, सपोर्ट सर्विस में 64%, वैलनेस एंड क्लीनिकल सर्विस में 47%, इनफेक्शन कंट्रोल में 78%, क्वालिटी मैनेजमेंट में 27%, आउटकम में 17%, मार्क्स मिले हैं।जिसका सुपरविजन किया गया । क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया डॉक्यूमेंटेशन के लिए एक सप्ताह का समय संबंधित कर्मियों को दिया गया है। वही क्वालिटी टूल्स की ट्रेनिंग के लिए डीटीसी मेंबर को नामित किया गया एवं प्रसव कक्ष एवं ऑपरेशन थिएटर का क्वालिटी सर्किल टीम का गठन किया गया है।उन्होंने बताया राज्य स्तर से 30 अक्टूबर तक असेसमेंट किया जाएगा।अस्पताल अधीक्षक एवं हेल्थ मैनेजर चंदन कुमार ने सुनिश्चित किया की 15 दिनों के अंदर तैयारी पूर्ण करके राज्य स्तर को असेसमेंट के लिए रिक्वेस्ट लेटर भेज दिया जाएगा।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक नजमुल होदा ने बताया लक्ष्य कार्यक्रम के तहत तीन स्तर पर रैंकिंग की जाती है जिसमें पहले स्तर पर जिला, दूसरे स्तर पर रीजनल स्तर पड़ता था। तीसरे स्तर पर राष्ट्रीय रैंकिंग की जाती है।उन्होंने कहा है इस अस्पताल में सभी मूलभूत सुविधाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचेगा। तय मानकों के सापेक्ष 70 प्रतिशत उपलब्धि पर सांत्वना पुरस्कार दिए जाने का भी प्रावधान है। सांत्वना पुरस्कार के रूप में सदर अस्पताल को 3 लाख, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों या अनुमंडलीय अस्पतालों को 1 लाख एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 50000 रुपए दिए जाते हैं।

मौके पर क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक नजमुल होदा, क्षेत्रीय अनुश्रवन एवं मूल्यांकन पदाधिकारी खतिबुर रहमान, जिला लीड पिरामल स्वास्थ्य के अभय कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

विश्व अहिंसा दिवस पर दर्जनों सफाई कर्मी को कुलपति ने किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर के स्नातकोत्तर गांधी विचार विभाग में गांधी जयंती, अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर सर्वप्रथम गांधी प्रतिमा एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद कुलपति द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष और विभाग के सहायक प्राध्यापकों द्वारा आगंतुक अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति द्वारा सफाई कर्मचारियों रवि हरि, अशोक हरि, विनय पासवान, नटवर हरि, सुमन कुमार पासवान, मिंटू हरि, बड़कू हरिजन, गीता देवी, उर्मिला देवी, सुनील कुमार को अंग वस्त्र और पुष्प भेंट कर सम्मान किया गया।

तत्पश्चात स्वराज कक्ष में आयोजित संगोष्ठी जिसका विषय ह्नवर्तमान सामाजिक , आर्थिक एवं राजनीतिक परिदृश्य और गांधीह्न का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर डॉ.जवाहरलाल ने किया। विभाग के अध्यक्ष डॉ अमित रंजन सिंह ने आज की संगोष्ठी में आगत अतिथियों का स्वागत कर विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि आज देश और दुनिया में समाज, अर्थतंत्र और राजनीतिक स्तर पर जो परिस्थितियां पैदा हो रही है वह आने वाले समय के लिए घातक है ऐसे में गांधी के बताए रास्ते समस्त मानव समाज के लिए मानवता को जिंदा रखने के लिए एक मात्र विकल्प है '

इस अवसर पर माननीय कुलपति ने कहा कि अगर हमें आगे बढ़ाना है तो अपनी सोच को बदलना होगा, गांधी का सबसे बड़ा विचार था कि स्वच्छता ही सेवा है , स्वच्छ समाज स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना चाहते हैं तो गांधी के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विचारों को आत्मसात करना होगा इससे सच्चा स्वराज स्थापित किया जा सकता है। जिससे विकसित भारत के निर्माण की कल्पना साकार हो सकती है। इस अवसर पर कुलपति ने विभाग में पद्मश्री राम जी सिंह लेक्चर सीरीज आरंभ करने का सुझाव दिया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर मनोज कुमार पूर्व कुलपति महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा ने कहा कि आज के दिन गांधी की अहिंसा दृष्टि को समझना और उसे आत्मसात करने की जरूरत है गांधी हमें यह सीखते हैं कि हमें वास्तविकता से रूबरू होना पड़ेगा। 1944 में गांधी ने कहा था कि गांधी अपने जन्मदिन को चरखा दिवस के रूप में मनाना पसंद करते थे।

प्रोफेसर परमानंद सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर गांधी विचार विभाग तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय ने कहा कि गांधी का इकोनामिक मॉडल आज भी प्रासंगिक है यह इकोनामिक मॉडल पूरी दुनिया को दिशा दे रहा है।

डॉ. जगदीश प्रसाद विभागध्यक्ष राजनीतिक विज्ञान विभाग तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर ने कहा कि गांधी मानव सेवा के लिए राजनीति में आए और वे राजनीति आध्यात्मिकरण चाहते थे।

प्रोफेसर फारूक अली पूर्व कुलपति जेपी विश्वविद्यालय छपरा ने कहा कि गांधी दुनिया में इसलिए लोकप्रिय हुए क्योंकि वह आम लोग से जुड़े और आम लोग की भाषा और पहनावा को अपनाया। आज सामाजिक परिदृश्य बदल रहा है (

कमल नयन श्रीवास्तव को मिला भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, लाल बहादुर शास्त्री विचार मंच द्वारा आयोजित लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती समारोह में सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिये कमलनयन श्रीवास्तव को भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजधानी पटना के विद्यापति भवन में लाल बहादुर विचार मंच के अध्यक्ष अजय वर्मा ने लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर सामाजिक क्षेत में उल्लेखनीय योगदान के लिये लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के रूप में भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री सम्मान से अंलकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान पटना उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायमूर्ति हेमंत कुमार श्रीवास्तव और पटना उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायमूर्ति अमरेश कुमार लाल ने मोमेंटो और शॉल देकर किया।

उल्लेखनीय है कि कमलनयन श्रीवास्तव ने अपने सम्पूर्ण जीवन में सामाजिक और साहित्यिक क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने नवशक्ति निकेतन, चेतना, गरिमा भारती, श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रबंधक समिति, चित्रगुप्त सामाजिक संस्थान, शाद स्टडी सर्किल, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, राष्ट्रीय कायस्थ महासभा परिषद जैसे संगठनों से जुड़कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

बाढ़ प्रभावितों को हर सम्भव मदद मुहैया कराएं अधिकारी एवं डॉक्टर : एसडीएम

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा गौरव कुमार द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए चलाए जा रहे हैं चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरासी का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही एसडीएम, बगहा पिपरासी प्रखंड के सेमरा लबेदहा पंचायत में पहुँच कर बाढ़ पीड़ितों की सुध भी ली। उन्होंने बाढ़ राहत पैकेट एवं दवा वितरण तथा कम्युनिटी किचन के बारे में भी जानकारी लेते हुए अधिकारियों एवं डॉक्टरों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावितों को हर सम्भव मदद मुहैया कराएं।

एसडीएम द्वारा पिपरासी प्रखंड के अंतर्गत सेमरा लाबेदाहा, मंझरिया एवं बलुआ के बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार किया जा रहे हैं सुखा राशन का जांच किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि, पिपरासी, अंचल अधिकारी, पिपरासी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का सीपीआई प्रतिनिधि मंडल ने किया दौरा, राहत कार्यों पर जताया असंतोष

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की प्रतिनिधिमंडलों ने राष्ट्रीय सचिव के नारायणा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य मिथिलेश झा, राजश्री किरण, जिला सचिव नारायण जी झा के नेतृत्व में जिला के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया। जिसमें पाया गया कि जिले के किरतपुर प्रखंड के सभी पंचायत, कुशेश्वरस्थान, गौड़ाबौराम, अलीनगर आदि प्रखंडों के दर्जनों पंचायत पूरे तरह से बाढ़ के चपेट में आ गया है। लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई लोग पानी के बाहऊ में बह गए हैं। कमला नदी के तटबंध टूटने से यह भीषण बाढ़ आई है। प्रतिनिधि मंडलों ने यह पाया कि अगर जिला प्रशासन पहले से सतर्क रहता बांध की अच्छी तरह से मरम्मती हुई रहती तो यह विभिशका लोगों को झेलना नहीं पड़ता। इस दौरान विमला देवी की बाढ़ के पानी में डूब जाने से मौत हो गई है। जिसका जिला प्रशासन ने अभी तक पोस्टमार्टम भी नहीं कराया है। वहीं परिवार को कोई मुआवजा देने की पहल तक नहीं की है। उनके पति बिन्नो साह अभी तक लापता है। उन्हें जीवित या मृत खोज पाने में जिला प्रशासन असफल है। प्रशासन और सरकार की तरफ से राहत में कोई व्यापक प्रयास नहीं किया जा रहा है। वही जो थोड़ी-सी राहत का कार्य चल रहा है वह पर्याप्त नहीं है। क्षेत्र में काफी अफवाहें भी फैली हुई है। सत्ता दल के सांसद, विधायक और मंत्री इस प्रलय को देखकर जिला छोड़ फरार हो चुके हैं। प्रतिनिधिमंडलों ने सरकार और प्रशासन से राहत कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया हैं। वहीं मृतक परिवारों को 50 लाख अभिलंब मुआवजा व बाढ़ से पीड़ित सभी परिवारों को 10000 प्रति परिवार मुआवजा राशि अभिलंब खाता में भेजना व जगह-जगह ऊंचे स्थान पर रह रहे बाढ़ पीड़ित को स्वच्छ पेयजल, पौष्टिक भोजन अति आवश्यक दवा सहित सभी स्तर की सुविधा मुहैय्या कराने का अपील किया। सरकार अगर पार्टी के मांगों पर पूर्व से ही अगर विचार करती तो यह स्थिति देखने को नहीं मिलता। इस दौरान पार्टी के नेता चंदेश्वर सिंह आदि थे।

टी-20 मैच के लिए भारत-बांग्लादेश टीमें ग्वालियर पहुंचीं

3-5 अक्टूबर तक प्रैक्टिस सेशन, पिच खोदने गए हिंदू महासभा के 20 कार्यकर्ता हिरासत में

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में 6 अक्टूबर को भारत-बांग्लादेश टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच होने जा रहा है। इसके लिए टीम इंडिया और बांग्लादेशी टीम के खिलाड़ी ग्वालियर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश की टीम को सिटी सेंटर होटल रेडिसन, टीम इंडिया को होटल ऊषा किरण पैलेस में ठहराया गया है। उधर, टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पिच खोदने पहुंचे 20 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बांग्लादेश मे शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद आरोप है कि वहां हिंदु समुदाय को प्रताड़ित किया जा रहा है। हिंदु महासभा इसी कारण बांग्लादेश की टीम से मैच का विरोध कर रही है।

दोनों होटल के हेड शेफ ने प्लेयर्स के डाइट चार्ट के आधार पर एनर्जी के लिए कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन से भरपूर फूड की लिस्ट बना ली है। इंडियन टीम को वेजिटेबल सैंडविच, वेजिटेबल से भरपूर ऑमलेट, खिचड़ी, फ्रेश जूस, फ्रूट सलाद पनीर सर्व किया जाएगा। बांग्लादेश टीम को कम फैट वाला नॉनवेज, खिचड़ी, निहारी, खमीरी रोटी, काकोरी कबाब सर्व किए जाएंगे। टीम इंडिया और बांग्लादेशी प्लेयर आने पर ग्वालियर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सुबह 8.30 बजे पहुंची पहली फ्लाइट – दिनभर दोनों टीम के खिलाड़ी अलग-अलग फ्लाइट से आते रहेंगे। सबसे पहले बेंगलुरु से बुधवार सुबह 8.30 बजे पहली फ्लाइट ग्वालियर पहुंची। इससे बेंगलुरु कैंप में ट्रेनिंग ले रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव, जीतेंद्र शर्मा (विकेट कीपर), रवि बिश्नोई, मयंक यादव, रियान पराग और अभिषेक शर्मा (ओपनर बल्लेबाज) ग्वालियर आए।

दूसरी फ्लाइट दिल्ली से सुबह 11 बजे के लगभग ग्वालियर एयरपोर्ट पर उतरी। इसमें अर्शदीप सिंह, नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा आए। अगली फ्लाइट दोपहर 1.55 बजे मुंबई से सीधे ग्वालियर आएगी। मुंबई से आने वाली इस फ्लाइट में भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या समेत 6 खिलाड़ी होंगे।

2 हजार से ज्यादा जवान रहेंगे तैनात

- भारत बांग्लादेश मैच की सुरक्षा को लेकर दो हजार से ज्यादा जवान तैनात किए जा रहे हैं। ग्वालियर में मैच की सुरक्षा के लिए चार एसपी की मांग की गई थी, लेकिन ग्वालियर सहित दो एसपी ही मिले हैं। इसके अलावा 1500 अतिरिक्त जवान बाहर से आएंगे और एक हजार का पुलिस बल ग्वालियर से लगाया जा रहा है।
- खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से होटल लाने और होटल पर सुरक्षा के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इसके साथ ही दोनों टीम को होटल से स्टेडियम तक पहुंचाने वाली टीम में अफसर और जवान अलग से तैनात किए गए हैं, जिससे किसी प्रकार की गफलत न हो। स्टेडियम में जहां से खिलाड़ी मैदान में आएंगे और जाएंगे, उस मार्ग पर सुरक्षा के लिए अलग टीम तैनात रहेगी, जो मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले अपनी पोजिशन ले लेगी।

- **पिच खोदने के लिए बढ़े हिंदू महासभा के कार्यकर्ता, 20 हिरासत में** – शाम को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा ने प्रदर्शन किया। हिंदू महासभा ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बांग्लादेश की टीम के आने पर विरोध करेंगे। इसी के तहत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सड़क पर झंडे लेकर उतर गए। उन्होंने %बांग्लादेश वापस जाओ% के नारे लगाए। प्रदर्शन करते हुए हिंदू महासभा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की ओर रवाना हुए। हिंदू महासभा के कार्यकर्ता स्टेडियम की पिच खोदना चाहते थे, लेकिन इसके पहले ही महाराज बाड़े पर पुलिस ने उन्हें रोका और करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है।

भारतीय टीम आज से करेगी अपने अभियान की शुरुआत

यूएई (एजेंसी)। 3 अक्तूबर से यूएई में महिला टी20 विश्व कप का आगाज हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम 4 अक्टूबर शुक्रवार को महिला टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। अपने पहले खिताब की तलाश में जुटी भारतीय टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा ट्रॉफी जीतने की पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी। महिला टी20 विश्व कप के इस नौवें संस्करण में 10 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो समूहों- ग्रुप ए और ग्रुप बी में विभाजित किया गया है।

देश में राजनीतिक संकट के कारण टूर्नामेंट को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था। देर से हुए बदलाव के बावजूद प्रतियोगिता अपने मूल प्रारूप में ही रहेगी और 18 दिनों की अवधि में कुल 23 मैच खेले जाएंगे, जिसका समापन 20 अक्टूबर को फाइनल मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड को टूर्नामेंट का पसंदीदा माना जा रहा है, लेकिन अन्य टीमें भी अपना प्रभाव छोड़ने और आईसीसी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश करेंगी।

महिला टी20 विश्व कप 2024 ग्रुप

ग्रुप ए – ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका ग्रुप

बी– बांग्लादेश, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज

महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया (फिटनेस के आधार पर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना यादव, श्रेयंका पाटिल (फिटनेस के आधार पर), सजना सजीवन ट्रैवलिंग रिजर्व उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर नॉन-ट्रैवलिंग

रिजर्व राघवी बिस्ट, प्रिया मिश्रा

महिला टी20 विश्व कप में भारत का शेड्यूल

भारत बनाम न्यूजीलैंड - 4 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे

भारत बनाम पाकिस्तान - 6 अक्टूबर, दोपहर 3:30 बजे

भारत बनाम श्रीलंका - 9 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- 13 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे

महिला टी20 विश्व कप 2024 का प्रसारण भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 की लाइव स्ट्रीमिंग डिज्नी+ हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

पुरस्कार राशि

महिला क्रिकेट पर बेहतर ध्यान देने और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने फैसला किया है कि महिला टी20 विश्व कप 2024 में पुरुषों के टूर्नामेंट के समान पुरस्कार राशि होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है कि महिला और पुरुष दोनों ही इवेंट में समान पुरस्कार राशि दी जाएगी। इस फैसले के अनुसार महिला टी20 विश्व कप 2024 के विजेताओं को 2.34 मिलियन अमरीकी डॉलर मिलेंगे जो कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पिछले संस्करण में ऑस्ट्रेलिया को दिए गए 1 मिलियन अमरीकी डॉलर से 134 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। इस विकास से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लैंगिक समानता के लिए एक नई मिसाल कायम होने और अन्य खेल निकायों को भी इसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है।

ईरानी कप

सरफराज ने 15वीं तो अभिमन्यु ईश्वरन ने ठोकी 26वीं सेंचुरी, ईशान किशन भी चमके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ खेलते हुए रैस्ट ऑफ इंडिया टीम ने भी जोरदार शुरूआत की है। दो दिन तक खेलने वाली मुंबई टीम ने पहली पारी में सरफराज खान के 222 रनों की बदौलत 537 रन बनाए थे जिसके जवाब में अभिमन्यू ने शतक लगाकर 50 ओवर के अंदर ही अपनी टीम को 200 रन पार करवा दिए। अभिमन्यू का यह शतक तब सामने आया है जब मुंबई की ओर से सरफराज ने दोहरा शतक जड़ा था। यह दोनों प्लेयर प्रथम श्रेणी में शानदार रिकॉर्ड रखते हैं। सरफराज ने जहां प्रथम श्रेणी का अपना 15वां शतक जड़ा है तो वहीं, अभिमन्यू भी अब 26 शतक जड़ चुके हैं।

मुंबई – 537-10 (141 ओवर-)- मुंबई की शुरूआत खराब रही थी। 12वें ओवर के अंदर ही मुंबई ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा लिए थे। पृथ्वी ने 4, अयुष 19 तो हार्दिक 0 पर आऊट हो गए। लेकिन तभी कप्तान अजिंकय रहाणे ने एक छोर संभाला और श्रेयस अय्यर (57) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। रहाणे शतक लगाने से चूक गए। उन्होंने 234 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 97 रन बनाए। इस दौरान सरफराज खान का उन्हें बाखूबी साथ मिला। सरफराज ने रहाणे के आऊट होने के बाद तनुष कोटियन (64) के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। अंत में शार्दुल ठाकुर ने बीमारी के बावजूद 59 गेंदों पर 36 रन बनाए। सरफराज 286 गेंदों पर 25 चौके और 4 छक्कों की मदद से 222 रन बनाने में सफल रहे और टीम स्कोर 537 तक पहुंचा दिया। रैस्ट ऑफ इंडिय की ओर से मुकेश कुमार ने 30 ओवर में 110 रन देकर 5 विकेट लीं। यश दयाल और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट लीं।

रैस्ट ऑफ इंडिया – जवाब में रैस्ट ऑफ इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। जब कप्तान ऋतुराज गायकवड़ मात्र 9 रन बनाकर आऊट हो गए। साई सुदर्शन भी 79 गेंदों पर 32 रनों का ही सहयोग कर पाए। लेकिन इस दौरान एक छोर संभाले खड़े अभिमन्यु ईश्वरन ने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। उन्होंने रन रेट का समान बनाए रखा और 80 की स्ट्राइक रेट से अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें देवदत्त पड्डिकल और ईशान किशन ने भी सहयोग किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

मुंबई – पृथ्वी शॉ, आयुष म्हात्रे, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सरफराज खान, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, एम जुनेद खान, मोहित अवस्थी।

शेष भारत – रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, ईशान किशन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मानव सुथार, सारांश जैन, यश दयाल, मुकेश कुमार, प्रिसिध कृष्णा

आईपीएल किन प्लेयर्स को रिटेन कर सकती है दिल्ली कैपिटल्स, सह-मालिक पार्थ जिंदल ने दिए संकेत

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि वे इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी से पहले कप्तान ऋषभ पंत को रिटेन करेंगे। एक साक्षात्कार में जिंदल ने कहा कि डीसी के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें वे रिटेन करना चाहेंगे, लेकिन अंतिम सूची उनके क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली के साथ चर्चा के बाद बनाई जाएगी।

डीसी इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में छठे स्थान पर रही। जिंदल ने संभावित रिटेंशन का संकेत दिया, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि ऋषभ पंत के अलावा, कोई भी निर्णय अंतिम नहीं। पार्थ जिंदल ने इंटरव्यू में कहा, हां, हमें निश्चित रूप से रिटेन करना होगा। हमारी टीम में कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। नियम अभी-अभी आए हैं, इसलिए जीएमआर और हमारे क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली से चर्चा के बाद निर्णय लिए जाएंगे।

रिटेंशन के मामले में उन्होंने आगे कहा, ऋषभ पंत को निश्चित रूप से रिटेन किया जाएगा। हमारे पास अक्षर पटेल भी हैं, जो बेहतरीन हैं, ट्रिस्टन स्टब्स, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कुलदीप यादव, अभिषेक पोरेल, मुकेश कुमार, खलील अहमद, सभी हमारी टीम में बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। जिंदल ने अंत में कहा, हम देखेंगे कि नीलामी में क्या होता है। लेकिन पहले, नियम के अनुसार हम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकते हैं। चर्चा के बाद हम नीलामी की ओर बढ़ेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता देते हुए कई नियम बनाए हैं। इन नियमों से युवा भारतीय खिलाड़ियों को आईपीएल टीमों की प्लेइंग 11 में जगह बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बाबर आजम के बाद 31 साल के उस्मान कादिर ने भी लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इन दिनों तेजी से हलचल जारी है। बीते दिनों ही बाबर आजम ने अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद तीनों फार्मेट में अलग अलग कप्तान बनाए जाने की चर्चा चल रही थी। इसी बीच पाकिस्तान के एक क्रिकेटर ने 31 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। यह क्रिकेटर है मशहूर स्पिनर अब्दुल कादिर के बेटे उस्मान कादिर जिन्होंने अब तक 25 टी20 मैच खेलते हुए 31 विकेट लिए हैं। 2020 से लेकर वह अब तक पाकिस्तान के लिए एक वनडे मैच में भी हिस्सा ले चुके हैं। उम्मीद है कि वह अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हुए नजर आ सकते है।

उस्मान कादिर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि आज, मैं पाकिस्तान क्रिकेट से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं, और जैसा कि मैं इस अविश्वसनीय यात्रा पर प्रतिबिंबित करता हूं, मैं अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक बहुत बड़ा सम्मान रहा है, और मैं अपने समर्थन के लिए आभारी हूं कोच और टीम के साथी जो हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। अविस्मरणीय जीत से लेकर चुनौतियों का सामना करने तक, हर पल ने मेरे करियर को आकार दिया है और मेरे जीवन को समृद्ध बनाया है। मैं उन भावुक प्रशंसकों की गहराई से सराहना करता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं; आपके अटूट समर्थन का मतलब दुनिया है।

बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से ही बाबर आजम की कप्तानी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। पाकिस्तान टीम की बुरी हालत के बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा। लेकिन 6 महीने बाद बाबर की पोस्ट ने खलबली मचा दी है। बाबर आजम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, %मैंने पिछले महीने पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) और टीम प्रबंधन को दी गई अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है. इस टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है, लेकिन अब मेरे लिए पद छोड़ने और अपनी खेल भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है।

हार्दिक पंड्या ने बेटे अगस्त्य संग शेयर की इंस्टाग्राम पोस्ट, लिखा मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे अगस्त्य के साथ एक भावुक तस्वीर साझा की। ऑलराउंडर ने आखिरी बार श्रीलंका में भारत की टी20 सीरीज के दौरान खेला था। इस बीच, वह निजी कारणों से वनडे सीरीज चूक गए। अगस्त्य हार्दिक और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टेनकोविक की संतान है जिनका जन्म जुलाई 2020 को हुआ था। अगस्त्य इन दिनों सर्बिया में मां नताशा के साथ रहते हैं। बीते दिनों वह पिता से मिलने आए थे। बहरहाल, अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में, हार्दिक ने अपने बेटे के साथ एक विशेष क्षण को कैद किया, इसे कैप्शन दिया- मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा।

हार्दिक अब 6 अक्टूबर से ग्वालियर में तीन मैचों की टी20 सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ जलवा दिखाते नजर आएंगे। इस सीरीज का दूसरा मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली में होगा, जबकि अंतिम मैच 12 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा। बता दें कि अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में काफी अटकलों के बाद, हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक ने बीती 18 जुलाई को एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने अलग होने की पुष्टि की। इस जोड़े ने 31 मई, 2020 को शादी की और उसी साल जुलाई में अपने बेटे अगस्त्य का स्वागत किया था। बहरहाल, पोस्ट में, उन्होंने अपने चार साल के रिश्ते और अपने बेटे के लिए आभार व्यक्त करते हुए लिखा- 4 साल साथ रहने के बाद, नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने एक साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और इसमें अपना सब कुछ लगा दिया, और हमारा मानना ??है कि यह हम दोनों के लिए सर्वोत्तम हित में है।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता पहला वनडे, आयरलैंड को 139 रन से हराया

अबु धाबी (एजेंसी)। मार्क एडेयर ने आयरलैंड के लिए चार विकेट चटकाए लेकिन इसके बावजूद टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां 139 रन से हार का समना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका ने सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (91 रन, 102 गेंद, तीन छक्के, सात चौके) और ट्रिस्टन स्टब्स (79) के अर्धशतक से नौ विकेट पर 271 रन का स्कोर खड़ा किया। रिकेल्टन और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 152 रन की साझेदारी की और दक्षिण अफ्रीका को शुरुआती झटकों से उबारा। इसके बाद लिजाड विलियम्स (32 रन पर चार विकेट) ने आयरलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया और आठ ओवर के शुरुआती स्पैल में तीन विकेट चटकाए।

आयरलैंड ने शुरुआती 15 ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए। विलियम्स के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के अलावा लुंगी एनगिडी और ब्योर्न फोर्टुइन ने भी दो-दो विकेट हासिल किए जिससे आयरलैंड की टीम 31.5 ओवर में 132 रन पर आउट हो गई। आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल 32 गेंद में 21 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इससे पहले एडेयर ने 10 ओवर में 50 रन देकर चार विकेट चटकाए।

रविवार को भी इस तेज गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर चार विकेट चटकाए थे जिससे आयरलैंड ने टी20 श्रृंखला के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस प्रारूप में अपनी पहली जीत हासिल की। टी20 मैचों की तरह एकदिवसीय श्रृंखला भी अबु धाबी में हो रही है।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की, इन प्लेयर्स को मिली जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने जोस बटलर की अगुवाई में वेस्टइंडीज के दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की है। बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहे थे। इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में बराबरी की थी और एकदिवसीय सीरीज में मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। बटलर की अनुपस्थिति में फिल साल्ट और हैरी ब्रूक ने क्रमशः टी-20 और एकदिवसीय टीमों की अगुआई की थी। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैड की टीम में लेग स्पिनर जाफर चौहान, जॉन टर्नर और डैन मूसली अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। जॉन टर्नर और डैन मूसली ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें मैच नहीं खेलने का मौका मिला। इंग्लैंड 31 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगा।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम – जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली और जॉन टर्नर।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ता ने उतारे सिद्धारमैया के जूते, हाथ में था तिरंगा, अब माफी की मांग कर रही भाजपा

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस के एक कार्यकर्ता द्वारा हाथ में तिरंगा लिए हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पैरों से जूते उतारने का कथित वीडियो सामने आया है। इसके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को सिद्धारमैया और सत्तारूढ़ पार्टी से देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के लिए लोगों से माफी मांगने को कहा। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। वीडियो में पार्टी कार्यकर्ता जब मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के जूते उतार रहा था तब मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति को पार्टी कार्यकर्ता के हाथों से झंडा लेते हुए देखा गया। यह कथित वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, गुलामी की जंजीरों से मुक्त होकर भारत आज विश्व में अग्रणी राष्ट्र है। राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रभक्त ये सब कांग्रेस के लिए हमेशा निरर्थक रहे हैं।

हरियाणा चुनाव से पहले कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार को लगाई फटकार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सामना कर रहे कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसा ना करने की स्थिति में उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। पानीपत के एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। याचिका में कहा गया कि एजेंसियां धर्म सिंह छोकर के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही हैं। उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद वह हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे। धर्म सिंह छोकर 5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में पानीपत के समालखा सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

रोहित शर्मा और टीम ने इस वीकेंड नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में अपने टी20 जीतने की खुशी को फिर से महसूस किया

मुंबई, एजेंसी। भारत जैसे क्रिकेट के प्रति जुनूनी देश में, वर्ल्ड कप जीतने की खुशी की बराबरी शायद कुछ पल ही कर सकता है - खास तौर पर जब यह टी20 वर्ल्ड कप हो। इस साल, भारतीय क्रिकेट टीम ने ऐसा ही करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सीजन 2 के एपिसोड में, वर्ल्ड कप चैंपियन ने कई मजेदार और दिल को छू लेने वाले किस्से सुनाए, जिससे दर्शकों को ऐसा लगा कि मानो क्रिकेट टीम खुद ट्रॉफी पकड़े हुए उनके सामने हैं। रोहित शर्मा ने मस्ती की शुरुआत की, फिनाले के बाद कैरिबियन में हुए एक अनोखे रोमांच का खुलासा किया। तूफान के कारण बारबाडोस से उनके प्रस्थान में देरी हुई, इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपने होटल के कमरे में ट्रॉफी के साथ 15 मिनट बिताने का मौका मिला। रोहित ने हंसते हुए कहा, कोई ट्रॉफी लेकर सोए, तो किसी ने ट्रॉफी के साथ सेल्फी ली... इनमें से सबसे मज़ेदार क्या था? सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की एक मजेदार फोटो, जिसमें ट्रॉफी उनके बीच रखी हुई थी, जिसे कपिल शर्मा ने दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार की थी। दूसरी ओर, अर्शदीप सिंह को ट्रॉफी के साथ उतना समय बिताने का मौका नहीं मिला, जितनी उन्हें उम्मीद थी। अर्शदीप सिंह ने कहा, 10 मिनट के लिए, मैं अपने माता-पिता के साथ था। मेरे पिताजी हमारी फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर कर रहे थे, और मेरी माँ ने इसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर रखा था। मैं ट्रॉफी के साथ सिर्फ़ 1 या 2 फोटो ही ले पाया। अक्षर पटेल ने दर्शकों को जीत के बाद के अवास्तविक अनुभव के बारे में बताया । बारबाडोस में फंसे, नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए कतार में खड़े क्रिकेट टीम को ऐसा बिल्कुल भी नहीं लग रहा था कि वे अभी-अभी वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। जब तक हम भारत वापस नहीं आए, तब तक हमें इसका एहसास ही नहीं हुआ लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज क्या था? अंग्रेजी में इंटरव्यू देना! उन्हें मोहम्मद सिराज की कही बात याद आयी, सिराज ने कहा कि डीके (दिनेश कार्तिक) भाई ने मेरा इंटरव्यू अंग्रेजी में लिया। अक्षर ने मज़ाक में कहा, बहुत सारे लोग हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, मुझे समझ नहीं आता कि हमें क्यों चुना गया!

शारदीय नवरात्रि पर दुल्हन की तरह सजा मां वैष्णो का दरबार

दर्शनार्थियों की सुविधा का रखा जा रहा विशेष ध्यान

कटरा , एजेंसी। शारदीय नवरात्रों की प्रतिपदा को जम्मू के कटरा स्थित मां वैष्णो देवी का भवन दुल्हन की तरह सज गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी की आराधना को जुटे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा का खास ख्याल रखा गया है। वहीं, मां वैष्णो देवी भवन परिसर में विशाल शत चंडी महायज्ञ का आयोजन भी किया गया है। माता के भवन परिसर में जगह-जगह बने विशाल पंडाल, स्वागत द्वार और देवी-देवताओं की मूर्तियां श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं। देसी और विदेशी फलों-फूलों की महक से वातावरण महक रहा है।

मां वैष्णो देवी के दिव्य दर्शन पाने के लिए भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। बुधवार दोपहर तक लगभग 25,500 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करवा लिया था और वे मां के दर्शन के लिए रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं को बिना किसी देरी के आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें यात्रा में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। कटरा में श्रद्धालुओं के लिए आरएफआईडी यात्रा कार्ड प्राप्त करने के लिए कई पंजीकरण केंद्र खोले गए हैं, जिनमें रेलवे स्टेशन, मुख्य बस अड्डा, हेलीपैड और अन्य स्थान शामिल हैं। बिना आरएफआईडी कार्ड के किसी को भी वैष्णो देवी की यात्रा की अनुमति नहीं है। सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस और श्राइन बोर्ड के अधिकारी मौजूद हैं, जो कार्ड की जांच के बाद श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति दे रहे हैं।

नए लाल और पीले रंग के आरएफआईडी कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि पुराने कार्ड अब मान्य नहीं होंगे। ऑनलाइन यात्रा पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कटरा रेलवे स्टेशन पर सेल्फ रजिस्ट्रेशन एटीएम स्थापित किया गया है, जिससे वे बिना कतार में लगे यात्रा कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। अर्ध कुवारी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक लंगर की व्यवस्था की गई है, जहां उन्हें शुद्ध घी की खिचड़ी और अन्य पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। पानी की व्यवस्था के लिए आरोग्य युक्त जल केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

इसके अलावा, मां वैष्णो देवी भवन परिसर में विशाल शत चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 51 पंडितों द्वारा पूजा-अर्चना की जाएगी। यह यज्ञ देश और विश्व की सुख-शांति के लिए आयोजित किया जा रहा है। सुरक्षा के कड़े प्रबंध भी किए गए हैं। कटरा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं। लगभग 400 सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 6 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अधिकारी तैनात रहेंगे। विशेष सुविधाओं की अग्रिम बुकिंग पूरी तरह से फुल हो चुकी है, जिसमें हेलीकॉप्टर सेवा, बैटरी कार सेवा, और रोपवे शामिल हैं।

नोएडा में भी जमावड़े पर रोक, पुलिस अधिकारियों को तैनाती बढ़ाने के निर्देश

नोएडा , एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गुरुवार से शुरू हो रहे 10 दिवसीय रामलीला मेले के मद्देनजर गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस ने उन मेला स्थलों के आसपास भारी बल तैनात किया है जहां भीड़ आने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को पुलिस ने जमावड़े पर रोक भी लगा दी है। पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है, जो पुलिस की अनुमति के बिना पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाती है।

आयोजन स्थलों पर भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को सतर्कता और तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। संदिग्ध लोगों पर पुलिस की नजर रहेगी। सीसीटीवी के जरिए भी मेला परिसर की निगरानी की जाएगी।

नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रत्येक जोन के सभी पुलिस उपायुक्तों को सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरीक्षण करने, गश्त बढ़ाने और मेला स्थलों पर कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस को मेला स्थलों की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए जमीनी स्तर पर जवानों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है।

नोएडा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) शिवहरि मीना ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान 4,000 से अधिक कर्मी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। ये प्रतिबंध 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। मेला आयोजकों को कोई भी संदिग्ध वस्तु या अन्य जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस की सूचित करने को कहा गया है। बुधवार को पुलिस की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी शख्स पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त या पुलिस उपायुक्त की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना पांच या अधिक लोगों का कोई जुलूस नहीं निकालेगा, न ही किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या अधिक लोगों को जमा करेगा।

कुरुक्षेत्र और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई और आज की लड़ाई में कोई फर्क नहीं : प्रियंका गांधी

जुलाना, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने चुनावी राज्य हरियाणा के जुलाना विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी विनेश फोगाट के पक्ष में बुधवार को विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जनता से अन्याय के खिलाफ अपने वोट की शक्ति का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नौजवानों, पहलवानों, किसानों और महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। भगवान ने कहा है कि जब-जब अन्याय होगा, वो लड़ाई लड़ने के लिए आपके बीच उतरेंगे। यही भगवान आपके दिल में हैं, आप कब खड़े होंगे, इस अन्याय के खिलाफ?

विनेश फोगाट का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि जब फोगाट अन्याय के खिलाफ खड़ी हुई तो बड़े-बड़े नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया। मोदी जी भी इनसे नहीं मिले। विनेश को सड़क पर घसीटा गया, लेकिन फिर भी ये झुकी और टूटी नहीं, बल्कि ये ओलंपिक में गई और हमारे लिए लड़ीं। देश की जनता इनके साथ खड़ी रही, देश सत्य को पहचानता है। कुरुक्षेत्र और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी गई थी, उसमें और आज की लड़ाई में कोई फर्क नहीं है। ये लड़ाई भी अन्याय, असत्य और दुष्टों के खिलाफ है।

उन्होंने आगे कहा कि जब नेता मंच पर आते हैं, तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन जब काम

का समय आता है, तो हमें देखते तक नहीं हैं। मंत्री के बेटे द्वारा किसान कुचले जाते हैं। सरकार और नेताओं को बनाने का काम जनता करती है। नेताओं को अब टोकने का समय आ गया है। भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में आपके लिए कोई काम नहीं किया है। जब ये लोग भ्रष्टाचार की बात करते हैं, तो मुझे हंसी आती है, इससे बड़ा भ्रष्टाचार क्या होगा कि देश के सारे उद्योग आपने अपने दो मित्रों को दे दिया। ऐसा कानून लाने जा रहे थे, जिससे इस देश का किसान पिस जाता और आपके दो मित्रों को कानून का फायदा मिल जाता, लेकिन जनता ने पहचाना और संघर्ष किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि सत्यमेव जयते सिर्फ कहने वाली बात नहीं है, बल्कि ये हमारे संविधान में गढ़ी हुई है। आपके पास वोट की शक्ति है, जिससे आप अपना भविष्य बदल सकते हैं। इस बात को गहराई से समझ लीजिए। कुछ दिन पहले लोकसभा चुनाव हुआ था, उसका नतीजा सबने देखा कि क्या हुआ?

एमवीए में बन गई सीटों पर सहमति? नाना पटोले बोले- दशहरा से पहले होगा ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे के मुद्दे पर बातचीत जारी रखने के लिए महाविकास आघाडी के नेताओं ने बुधवार को भी मुंबई में बैठक की। महाविकास अघाडी के नेताओं ने उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) के कार्यालय 'शिवालय' में यह बैठक की जिसमें कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले और बालासाहेब थोराट, शरदचंद्र पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख जयंत पाटिल और शिवसेना (यूबीटी) के अनिल देसाई और संजय राउत शामिल हुए।

सूत्रों ने बताया कि विपक्षी गठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर दशहरा से पहले बातचीत पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में कई सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है और वह मुंबई एवं कोंकण में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को अधिक सीटें देने के लिए भी तैयार है। सूत्रों ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) पूर्वी महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अधिक सीटें चाहती है। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि महाविकास आघाडी के घटक दलों के बीच मुंबई की '90 प्रतिशत सीट' पर सहमति बन गई है, जबकि छह सीट पर चर्चा जारी है।

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी कहा है कि विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दशहरा से पहले राज्य की सभी 288 सीटों में से कुछ पर घोषणा कर देगा। उन्होंने कहा कि आज की एमवीए की बैठक में 150 से अधिक सीटों पर चर्चा हुई। पटोले ने कहा, हम जल्द ही इसे पूरा करेंगे और दशहरा से पहले कई सीटों पर घोषणा कर देंगे। आज की बैठक में 150 से अधिक सीटों पर चर्चा हुई है। हम गुण-दोष के आधार

पर निर्णय लेंगे। जल्द ही सीटों पर चर्चा पर स्पष्टता होगी।

महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव एमवीए गठबंधन मजबूती से लड़ेगा। उन्होंने कहा, एमवीए मजबूती से लड़ेगा। सीटें कम और ज्यादा हो सकती हैं। लोगों को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है। हम 12 सीटें मांग रहे हैं। बैठक में शामिल होने के बाद एनसीपी (शरद) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि घटक दलों के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर चर्चा अच्छी तरह से हो रही है। आव्हाड ने कहा, यह एक लंबी बैठक थी और कोई दुश्मनी नहीं है, चर्चा अच्छी तरह से हो रही है...लगभग 288 सीटों पर चर्चा हुई। चुनाव आयोग ने अभी तक राज्य में चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया है लेकिन ध्रुवीकरण की राजनीति तेज है।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के 26 मामले सामने आए

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नये मामले सामने आने के बाद इस साल देश में इस बीमारी के मामलों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंध प्रांत के कराची पूर्व और सुजावल जिलों में इन नये मामलों की पुष्टि हुई है। इन मामलों के सामने आने के बाद देश में पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है। जारी एक बयान में कहा गया, ''कराची पूर्व और सुजावल से इस साल का यह पहला मामला है, जहां पर्यावरणीय नमूनों में हाल के महीनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी देखी गई है। इससे पता चलता है कि यह समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।'' पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''पोलियो का कोई इलाज नहीं है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार टीकाकरण से बच्चों को इस ''भयानक'' बीमारी के प्रभावों से बचाया जा सकता है।

वन्यजीव संस्था ने दक्षिणी अफ्रीका में हाथियों को मारने के फैसले का किया विरोध

लुसाका, एजेंसी। जाम्बिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण निकाय अफ्रीकन रिवर्स ने दक्षिणी अफ्रीकी देशों में हाथियों को मारने की योजना का विरोध किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संगठन ने यह स्वीकार करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की घटनाओं का न केवल लोगों पर बल्कि वन्यजीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा जंगली जानवरों को मारने का प्रस्ताव लाया जा रहा है,जो मानव और वन्यजीव कल्याण के लिए सही नहीं है। अफ्रीकन रिवर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबसन सिकला ने कहा, वन्यजीवों को मारने से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। पशुओं की आबादी कम होने के साथ टूरिज्म में भी घाटा होगा।

सिकला ने आगे कहा, हमारा संगठन संबंधित सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर सही उपायों को लागू करने के लिए तैयार है, जिससे 95 प्रतिशत हाथियों और अन्य वन्यजीवों को मारे जाने से बचाया जा सकेगा और सूखे से प्रभावित लगभग 60 प्रतिशत लोगों को भोजन भी मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अफ्रीकी रिवर्स ने इसके लिए 2024-2025 क्षेत्रीय परियोजना विकसित की है, जिसका उद्देश्य हाथियों और अन्य वन्यजीवों को बचाना है। इसके साथ ही दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र में जलवायु-जनित भूख से जूझ रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है।

सिकाला ने बताया कि इस परियोजना के जरिए मनुष्यों और वन्य जीवों के लिए उपयुक्त राहत खाद्य पैकेजों के वितरण के साथ प्रभावित क्षेत्रों में जानवरों को पानी की आपूर्ति देने के साथ प्रभावित संरक्षित पार्कों में बोरहोल खोदने और बांध बनाने के लिए देशों को सहायता प्रदान करना शामिल है। बता दें कि अल नीनो की घटनाओं के कारण 2023-2024 के दौरान कई दक्षिणी अफ्रीकी देश गंभीर सूखे से ग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिणी अफ्रीका के कई भागों में 100 वर्षों से भी अधिक समय में सबसे खराब सूखा पड़ा है, वहीं 40 वर्षों में सबसे कम वर्षा हुई है।

ट्रम्प के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस ने जीती डिबेट

कहा- ट्रम्प की वजह से दुनिया में शांति आई थी, दोनों ने इजराइल का समर्थन किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले बुधवार (भारतीय समय के मुताबिक) को उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच बहस हुई। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम वॉल्ज और रिपब्लिकन कैंडिडेट जेडी वेंस ने 90 मिनट तक डिबेट की। डिबेट सीबीएस न्यूज ने आयोजित कराई थी।

डिबेट के बाद हुए पोल्स में डोनाल्ड ट्रम्प के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस को जीता बताया गया। यूगॉव पोल के मुताबिक 42त्न लोगों ने वेंस को डिबेट का विजेता माना है। वहीं, 41त्न लोगों ने माना कि टिम वॉल्ज की जीत हुई। 17त्न लोगों ने माना कि मुकाबला बराबरी पर रहा।

वॉल्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन बाद में उन्होंने अच्छा कमबैक किया। वहीं, कई एक्सपर्ट्स ने कहा कि रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने सीधे शब्दों में अपनी बातें रखीं। उन्होंने वॉल्ज के वादों को लेकर कहा कि अभी डेमोक्रिटक पार्टी की सरकार है। वे जो वादे कर रहे हैं वो उन्हें इस कार्यकाल में पूरा कर सकते थे।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए 5 नवंबर को चुनाव हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों की ये आखिरी डिबेट थी। राष्ट्रपति पद के लिए अब तक दो डिबेट हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पहली बहस के बाद रेस से बाहर

हो गए थे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनकी जगह ली और ट्रम्प के साथ दूसरी बहस में हिस्सा लिया था।

डिबेट से पहले दोनों ने हाथ मिलाया ट्रम्प और बाइडेन के उलट दोनों ही दलों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों ने बहस से पहले एक-दूसरे से हाथ मिलाया। दोनों ने मिडिल ईस्ट संकट, अमेरिकी इकोनॉमी, अबॉर्शन, हेल्थ केयर, इमिग्रेशन, गन वॉयलेंस, क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर बहस की।

डिबेट के दौरान डेमोक्रेट नेता वॉल्ज ने ट्रम्प की ज्यादा उम्र पर भी लोगों का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि 80 साल के ट्रम्प असली मुद्दे पर ध्यान देने की बजाय भीड़ जुटाने पर ध्यान देते हैं। डिबेट के दौरान दोनों पार्टी के नेताओं ने एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय राष्ट्रपति उम्मीदवारों की आलोचना की।

दोनों उम्मीदवारों ने इजराइल का समर्थन किया डिबेट की शुरुआत मिडिल ईस्ट संकट से हुई। मिनिसोटा गवर्नर वॉल्ज ने कहा कि अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी बनाए रखनी चाहिए और इजराइल के साथ खड़ा रहना चाहिए। डेमोक्रेटिक नेता ने कहा कि कमला हैरिस अपने साथी देशों की अहमियत समझती हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प का अपने सहयोगी देशों को मदद करने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है।

इसके जवाब में रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने कहा कि वॉल्ज के ये आरोप बेबुनियाद हैं। जब ट्रम्प राष्ट्रपति थे तो उन्होंने इजराइल का काफी साथ दिया था। वेंस ने कहा कि हमें अपने सहयोगियों की मदद करनी चाहिए चाहे वे कहीं भी कितनी भी बुरी हालत में क्यों न हों।

पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में सुधार के दूसरे चरण की शुरुआत की, महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में व्यापक सुधार से जुड़ी परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसमें गिरजाघर में महिलाओं को अधिक जिम्मेदारी वाले पद सौंपने का व्यापक आह्वान किया गया है। पोप फ्रांसिस ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में 368 बिशप और आम लोगों के साथ एक प्रारंभिक धर्म सभा की अध्यक्षता की। ये सभी लोग गिरजाघर के भविष्य पर चर्चा करने और इसे मौजूदा समय में कैथोलिक की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए अगले तीन सप्ताह तक बैठकें करेंगे। पिछले साल धर्मसभा के पहले सत्र के दौरान विरोध और आपत्तियों का सामना करने के बाद, कई सबसे विवादास्पद मुद्दे आधिकारिक तौर पर चर्चा से बाहर हो गए हैं।

इनमें एलजीबीटीक्यू+ को पद सौंपे जाने और महिलाओं को डीकन के रूप में सेवा करने की अनुमति देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। पोप फ्रांसिस ने इन विषयों को 10 अध्ययन समूहों को सौंपा है जो धर्मसभा के समानांतर काम कर रहे हैं। इन मुद्दों को अध्ययन समूहों को सौंपे जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि जब 26 अक्टूबर को यह धर्मसभा समाप्त होगी और अंतिम प्रस्तावों को फ्रांसिस के समक्ष विचार के लिए पेश किया जाएगा, तो वास्तव में इसमें क्या निकलकर आएगा। फ्रांसिस ने 2021 में सुधार प्रक्रिया शुरू की थी, ताकि एक ऐसा गिरजाघर बनाने के अपने लक्ष्य को अमल में लाया जा सके जो अधिक समावेशी हो।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129